Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-117

भारत के खिलाफ चीन की खतरनाक तैयारियां

चीन की सेना में हो रही तिब्बतियों और नेपालियों की भर्ती

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट ने हाल ही में वॉर क्लाउड्स ओवर द इंडियन हॉराइजन नाम से एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें बताया गया था कि अगले पांच साल यानी 2025 से 2030 के बीच हिमालय में भारत-चीन के बीच जंग छिड़ सकती है। 2020 में पूर्वी लद्दाख में गलवान हिंसा के बाद से ही चीन आक्रामक तरीके से तिब्बत बॉर्डर पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है। चीन की रणनीति है कि भारत के खिलाफ जंग में वह तिब्बतियों का इस्तेमाल करे और तिब्बतियों को तिब्बतियों के खिलाफ लड़ाए। दूसरी तरफ नेपालियों को भी चीन की सेना में भर्ती किया जा रहा है।

चीनी मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि चीन न केवल तिब्बती बच्चों को जबरन मंदारिन पढ़ा रहा है, बल्कि उनके हाथों में हथियार भी थमा रहा है। यहां तक कि उन्हें पीएलए में भी शामिल कर रहा है। हाल ही में एक युवा तिब्बती लड़की को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-एयर फोर्स में शामिल कर उसे फाइटर जेट उड़ाने की ट्रेनिंग दी है। 23 साल की केलसांग पेड्रोन पहली तिब्बती महिला है, जिसने चीन का फाइटर एयरक्राफ्ट उड़ाया है। चीनी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के लोखा शहर में जन्मी केलसांग पेड्रोन ने अपनी शिक्षा 2017 में बीजिंग तिब्बत मीडिल स्कूल में की और उसके बाद चीन सरकार ने उसे एयर फोर्स एविएशन यूनिवर्सिटी में दाखिला दिला दिया, जहां पेड्रोन ने मिलिट्री जहाज उड़ाने की ट्रेनिंग ली, जिसके बाद उसने अकेले ही फाइटर जेट उड़ाया। ▶9पर

गलवान हिंसा के बाद तिब्बतियों को आगे रख कर लड़ना चाहता है चीन

तिब्बत की निर्वासित सरकार से भी चीन की गोपनीय वार्ता का दौर जारी

तिब्बत की निर्वासित सरकार से चीन की गुफ्तगू

चीन भारत के खिलाफ दोतरफा भितरघात की नीति अख्तियार कर रहा है। तिब्बतियों को चीन की सेना में शामिल करने के साथ-साथ चीन भारत स्थित तिब्बत की निर्वासित सरकार से पर्दे के पीछे बातचीत भी कर रहा है। नेपाल के लोगों को चीन की सेना में भर्ती कर चीन भारत को नेपाल की तरफ से भी घेरने की रणनीति अपना रहा है। तिब्बत के सर्वोच्च धर्मगुरु दलाई लामा और चीन की सरकार के बीच पहले भी बातचीत हो चुकी है। ▶9पर

सियाचिन के पास पीओके में सड़क बना रहा है चीन

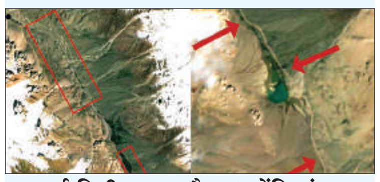

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने सियाचिन के नजदीक अवैध रूप से अधिग्रहित कश्मीर में सड़क का निर्माण शुरू कर दिया है। सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से अधिग्रहित कश्मीर का एक हिस्सा साल 1963 में चीन को सौंप दिया गया था। ▶9पर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ईवीएम और वीवीपैट से जुड़ी सभी याचिकाएं

अब ईवीएम से ही होगा मतदान

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद काउंटिंग के दौरान वीवीपैट पर्चियों के 100 फीसदी मिलान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। इसके साथ ही बैलेट पेपर से चुनाव कराने की याचिका को भी सुप्रीम कोर्ट ने सिरे से नकार दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक अब देश में मतदान-पत्र (बैलेट-पेपर) से चुनाव नहीं होगा, बल्कि ईवीएम से ही होगा और वीवीपैट का सौ फीसदी मिलान नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद चुनाव आयोग ने कहा है कि अब सभी तरह के पुराने सवाल खत्म हो जाने चाहिए। चुनाव आयोग ने चुनाव सुधार के निरंतर सुधारों का भी विश्वास दिलाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की विश्वसनीयता को चुनौती देने वाली इन याचिकाओं को खारिज करते हुए दो आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि हम दो निर्देश दे रहे हैं।

पहला की सिंबल लोडिंग यूनिट पूरी तरह से सील हो, और दूसरा ये कि वीवीपैट पूरी तरह से चेक किए जाएं। गौरतलब है कि कई संगठनों ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर एक याचिका दाखिल की थी कि ईवीएम और वीवीपैट की पर्चियों का मिलान भी किया जाए। इस मामले की सुनवाई जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने की और याचिकाओं को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट तौर पर कहा है कि मतदान ईवीएम मशीन से ही होगा और ईवीएम-वीवीपैट का 100 फीसदी मिलान नहीं किया जाएगा।

45 दिनों तक वीवीपैट की पर्ची सुरक्षित रहेंगी, ये पर्चियां उम्मीदवारों के हस्ताक्षर के साथ सुरक्षित रहेंगी। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि उम्मीदवारों के पास नतीजों की घोषणा के बाद टेक्निकल टीम द्वारा ईवीएम के माइक्रो कंट्रोलर प्रोग्राम की जांच कराने का विकल्प होगा, जिसे चुनाव की घोषणा के सात दिनों के भीतर किया जा सकेगा। ▶9पर

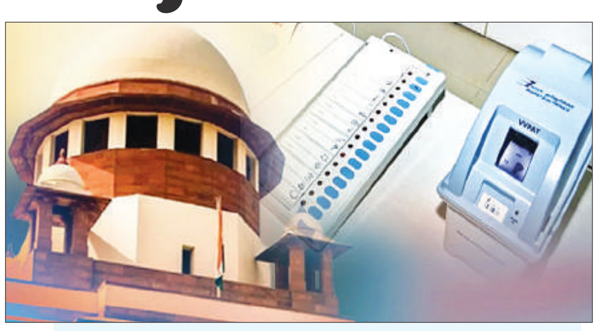

- **वीवीपैट का सौ प्रतिशत सत्यापन नहीं होगा**
- **अब पुराने सवाल खत्म होने चाहिएः आयोग**

व्यवस्था पर आंख बंदकर शक करना गलत : एससी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने ईवीएम के वोटों की वीवीपैट पर्चियों से 100 फीसदी मिलान संबंधी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी प्रणाली पर आंख मूंदकर संदेह करना उचित नहीं है। इससे किसी भी व्यवस्था के प्रति अनावश्यक संदेह पैदा होता है। पीठ ने कहा कि संतुलित परिपेक्ष महत्वपूर्ण है। ▶9पर

बिहार के मुंगेर में पीएम मोदी ने राजग को जमकर धोया

इनसे तो अच्छे इकबाल अंसारी भगवान राम की प्रतिष्ठा समझी

पटना, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मुंगेर में जनसभा के दौरान कांग्रेस पर हमला करते हुए अयोध्या के श्रीराम मंदिर का भी जिक्र किया। उन्होंने राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराने के लिए कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल पर सीधा हमला तो किया, लेकिन इसी की चर्चा के दरम्यान पीएम मोदी ने इनसे बेहतर बाबरी मस्जिद के पक्षकार अंसारी परिवार को बताया। ▶9पर

बाबरी मस्जिद के पक्षकार थे, लेकिन प्राण-प्रतिष्ठा में हाजिर हुए राजद-इंडी ने न्यौता भी ठुकाराया और राम को भी ठुकरा दिया

पीएम मोदी ने चीन को अपनी सीमा में रहने का संकेत देते हुए कहा

खेल बदल देगा भारत, खाड़ी देश और यूरोप का साझा आर्थिक गलियारा

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) रेशम मार्ग (सिल्क रूट) की तरह एक बड़ा गेम चेंजर साबित होगा। आईएमईसी के लिए पिछले साल भारत की मेजबानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता हुआ था। आर्थिक गलियारे के निर्माण का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसा कह कर पंख फड़फड़ा रहे चीन को अपनी सीमा में रहने का संकेत दिया।

आर्थिक गलियारे के निर्माण का काम चल रहा है

एक खास इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने आईएमईसी को लेकर कहा, खाड़ी देशों ने सकारात्मक भूमिका निभाई है। अमेरिका और यूरोप ने भी इस पर भारत का समर्थन किया है। जी-20 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के हाथ मिलाने की तस्वीरों ने विश्व स्तर पर सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने कहा, जब हम वैश्विक भलाई के लिए काम करते हैं, तो कोई अगर-मगर की बात नहीं होती। आप दुनिया को अपने साथ ले सकते हैं और मेरी यही कोशिश थी। आप मुझे बताएं कि जी-8 और जी-20 का जन्म कैसे हुआ। जिन मुद्दों के लिए इनका गठन किया गया है, हमें उन मुद्दों से कभी भटकना नहीं चाहिए। मैंने हर किसी को आश्वस्त किया। कुछ लोगों के साथ मुझे निजी तौर पर बात करने की जरूरत थी। मैंने वैसा ही किया। दूसरी बात, मेरा इरादा ये था कि मैं आखिरी सत्र में प्रस्ताव नहीं लाऊंगा। ▶9पर

दूसरे चरण में करीब 60.96 प्रतिशत मतदान

त्रिपुरा, मणिपुर, छत्तीसगढ़, बंगाल और जम्मू-कश्मीर में 70 से 79% तक वोटिंग

केरल में मतदान प्रक्रिया के दौरान एक बूथ एजेंट सहित चार लोगों की मौत

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम भारत में बढ़ती गर्मी के बीच लोक सभा चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को 88 सीटों पर करीब 61 प्रतिशत वोट डाले गए। बारह राज्यों और केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर की कुल 88 सीटों पर मतदान का कुल प्रतिशत पहले चरण से भी कम रहा । दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में मतदान का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहा जबकि जबकि त्रिपुरा, मणिपुर, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर में 70 से लगभग 79 प्रतिशत के दायरे में मतदान हुआ।

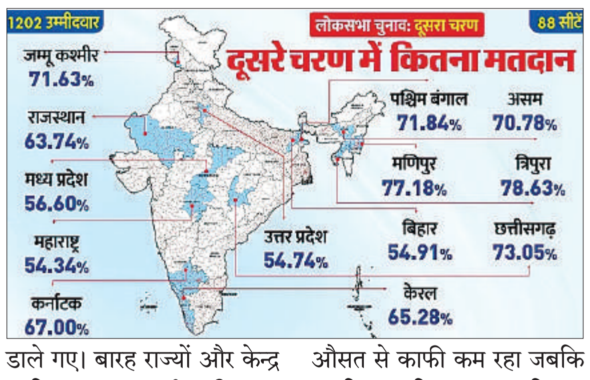

निर्वाचन आयोग के रात सात बजे तक के मतदान के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 54.74 प्रतिशत, बिहार में 54.91 प्रतिशत महाराष्ट्र में 54.34 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 56.60 प्रतिशत वोट पड़े, जबकि केरल में 65.28 प्रतिशत राजस्थान में भी मतदान का प्रतिशत 63.74 रहा। त्रिपुरा में सर्वाधिक 78.63 प्रतिशत मतदान हुआ। मणिपुर में 77.18 प्रतिशत,छत्तीसगढ़ में 73.05 प्रतिशत,पश्चिम बंगाल 71.84 प्रतिशत,जम्मू-कश्मीर 71.63 प्रतिशत,असम 70.78 प्रतिशत मतदान हुआ। ▶9पर

सैन एंटोनियो पुलिस की फायरिंग में भारतीय मूल के व्यक्ति की गई जान, पकड़ने की कोशिश करते हुए चलाई गोली

न्यूयॉर्क, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।
सैन एंटोनियो में भारतीय मूल के एक 42 साल के शख्स की पुलिस की गोली लगकर मौत हो गई। दरअसल, पुलिस एक गंभीर मामले में उसे पकड़ने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने अधिकारियों के वाहन को टक्कर मार दी।

अमेरिकी नागरिक हो सकता है

21 अप्रैल को पुलिस अधिकारी टायलर टर्नर द्वारा सचिन साहू को गोली मारने के बाद घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। साहू मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि वह अमेरिकी नागरिक हो सकता है।

हथियार से हमले की मिली थी जानकारी

सैन एंटोनियो पुलिस विभाग ने कहा कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि 21 अप्रैल को शाम करीब साढ़े छह बजे अधिकारियों को घातक हथियार के साथ गंभीर हमले के बारे में एक रिपोर्ट के लिए सैन एंटोनियो के चेविओट हाइट्स में एक घर भेजा गया था। जब अधिकारी पहुंचे तो वहां एक 51 साल की महिला मिली, जिसे जानबूझकर एक वाहन से टक्कर मारी गई थी। साहू पर हमले का आरोप था। वह मौके से फरार हो गया था। पीड़िता को गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पुलिस ने साहू के लिए एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

पुलिस पर किया हमला

कई घंटे बीतने के बाद पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि साहू घर लौट आया है। सूचना पर अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे पकड़ने की कोशिश की। हालांकि, आरोपी ने भागने की कोशिश की और अपने वाहन से दो अधिकारियों को टक्कर मार दी। इस पर एक अधिकारी ने साहू को गोली मार दी, जिससे उसके मौत हो गई। एक घायल अधिकारी को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहीं, दूसरे का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। घटना के दौरान कोई और घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि जांच अब भी जारी है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में मुफ्त खाना लेना भारतीय छात्र को पड़ा महंगा, छह दिनों तक कमरे में रहा बंद; अब सुनाई आपबीती

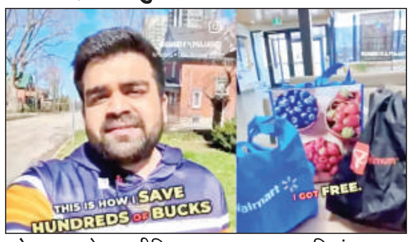

ओटावा । सोशल मीडिया पर गलत जानकारियां अक्सर आग की तरह फैल जाती हैं और फिर उसका खामियाजा किसी न किसी को भुगतना पड़ता है। ऐसा ही कुछ एक भारतीय डाटा वैज्ञानिक के साथ हुआ। उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने कनाडाई फूड बैंकों से मुफ्त खाने का फायदा उठाया है। हालांकि, बढ़ते विवाद के बीच अब पढ़ाई के लिए कनाडा गए भारतीय छात्र मेहुल प्रजापति ने सफाई दी है। उन्होंने दावा किया कि यह नस्ली हमला था। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह पिछले छह दिनों से एक कमरे में बंद थे। वह डर की वजह से बाहर नहीं निकल रहे थे। विवाद की शुरुआत एक वीडियो से होती है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रजापति ने कनाडाई फूड बैंकों से मुफ्त खाने का फायदा उठाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था। वीडियो में प्रजापति ने बताया था कि वह हर महीने खाने और किराने के सामान में सैकड़ों रुपये बचाते हैं। क्या था प्रजापति के वीडियो में वीडियो में मेहुल ने बताया था कि वे कैसे हर महीने फूड और ग्रॉसरी में सैंकडों रुपये आसानी से बचा रहे हैं। उन्होंने वीडियो में बताया था कि ये ग्रॉसरी सभी छात्रों के लिए हैं। उन्होंने वीडियो में कहा था, यहां ज्यादातर कॉलेज और यूनिवर्सिटी में फूड बैंक होते हैं, जिन्हें ट्रस्ट, चर्च या नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा चलाया जाता है। छात्र के तौर पर यह मेरे लिए काफी मददगार है। आप यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर चेक करें और आपको फूड बैंक की जगह का पता मिल जाएगा। यह लगे आरोप हालांकि, यह वीडियो वायरल हो गया और उन पर अच्छी सैलरी होने के बावजूद जरूरतमंदों का मुफ्त खाना चोरी करने का आरोप लगने लगा। इतना ही नहीं, प्रजापति को सोशल मीडिया के जरिए धमकियां भी मिल रही हैं, जिसके चलते वे काफी डरे हुए हैं। कई लोगों का कहना है कि प्रजापति हर साल 98,000 डॉलर कमाते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें फूड बैंकों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही दावा किया गया कि वह कनाडा की एक जानीमानी कंपनी टीडी बैंक में काम करते हैं। इसके साथ ही यह अफवाह भी फैलाई गई कि प्रजापति को इस घटना के बाद टीडी बैंक ने नौकरी से निकाल दिया है। वहीं, टीडी बैंक ने इस बात की पुष्टि की प्रजापति टीडी बैंक में काम नहीं करते हैं। धमकी के बाद अब सामने रखा अपना पक्ष हालांकि, लोगों से मिल धमकियों के बीच मेहुल प्रजापति सामने आए और एक मीडिया चैनल को अपना पक्ष बताया। उन्होंने बताया कि वह छात्र वीजा पर साल 2022 में विल्फ्रिड लॉरियर यूनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए कनाडा आए थे। साथ ही उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया की कैसे परिवार से दूर होने के बाद वित्तीय और मानसिक तनाव झेलना पड़ा। प्रजापति ने कहा कि वह कनाडा छात्र वीजा पर आए हैं, इसलिए टीडी बैंक के साथ पूरे समय तक काम करना संभव नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि उनके कोर्स में एक इंटर्नशिप शामिल थी, जो पिछले साल 22 दिसंबर को पूरी हो गई थी। तब से, उन्होंने किसी भी संगठन के लिए काम नहीं किया है। प्रजापति ने बताया पूरा सच प्रजापति ने बताया कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए बनाए गए सरकार द्वारा संचालित फूड बैंकों से चोरी नहीं कर रहे थे, बल्कि वे विल्फ्रेडि लॉरियर यूनिवर्सिटी की एक प्रोग्राम का फायदा उठा रहे थे। यह प्रोग्राम एलएसपीआईआरजी और मार्टिन लूथर यूनिवर्सिटी कॉलेज के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसके तहत जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त किराने का सामान और आवश्यक चीजें मुहैया कराई जाती हैं। कॉलेज की वेबसाइट पर इस प्रोग्राम के बारे में पूरी जानकारी दी गई है। इसका लाभ लेने के लिए छात्रों को किसी भी कॉलेज में नामांकित होना चाहिए।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में नई जान फूंकने का किया आह्वान, कहा- वैश्विक शासन ढांचे में हो सुधार

न्यूयॉर्क । भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में नई जान फूंकने और वैश्विक शासन ढांचे में सुधार का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के मंत्री प्रतीक माथुर ने जोर देकर कहा कि भारत का हमेशा से यह विचार रहा है कि यूएनजीए को तभी पुनर्जीवित किया जा सकता है, जब विचार-विमर्श और प्रतिनिधि अंग के रूप में इसकी स्थिति का सम्मान किया जाए। उन्होंने कहा, मेरे प्रतिनिधिमंडल का विचार है कि महासभा के पुनरुद्धार के लिए वार्षिक आम चर्चा और उससे जुड़े तत्वों की पवित्रता बहाल की जानी चाहिए। आइए हम वैश्विक शासन ढांचे में ऐसा सुधार का प्रयास करें, जो 21वीं सदी के उद्देश्य के लिए उपयुक्त हो। हम इस भविष्य के समझौते को हकीकत बनाएं, जिस पर हम अभी बातचीत कर रहे हैं। महासभा की कार्यविधि पर चर्चा के लिए आयोजित कार्यकारी समूह की बैठक को संबोधित करते हुए माथुर ने कहा, यूएनजीए राष्ट्रों की सबसे महत्वपूर्ण सभा है और इसकी प्रमुखता व वैधता इसकी सदस्यता की समावेशी प्रकृति और इसके सभी घटकों के लिए संप्रभु समानता के सिद्धांत से आती है। उन्होंने कहा, भारत का हमेशा से यह विचार रहा है कि महासभा को केवल तभी पुनर्जीवित किया जा सकता है, जब संयुक्त राष्ट्र के प्राथमिक विचार-विमर्श, नीति-निर्माण और प्रतिनिधि अंग के रूप में इसकी स्थिति का सम्मान किया जाए।

इजराइल विरोधी प्रदर्शन के लिए भारतीय मूल की छात्रा भी गिरफ्तार, साथियों का दावा- घर से भी निकाल दिया

वाशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कई विश्वविद्यालय के छात्र इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। बिगड़ते माहौल को देखते हुए कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन गिरफ्तार लोगों में एक भारतीय मूल की छात्रा भी है। तमिलनाडू में जन्मी अचिंत्या गिरफ्तार प्रिंसटन विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली भारतीय मूल की एक छात्रा उन दो छात्रों में शामिल है, जिन्हें परिसर में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और परिसर से बाहर जाने से रोक दिया गया।

विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि तमिलनाडू के कोयंबटूर में जन्मी और कोलंबस में पली-बढ़ी अचिंत्या शिवलिंगन के विश्वविद्यालय परिसर में आने पर रोक लगाने का फैसला लिया है। साथ ही उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया। सुबह लगभग सात बजे लगाए टेंट प्रिंसटन एलुमनी वीकली ने एक रिपोर्ट में बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मैककोश कोर्टयार्ड में फलस्तीनियों के समर्थन के लिए टेंट लगाए थे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने टेंट हटाने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने नहीं हटाए। इसके बाद दो छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। इसे देखकर अन्य प्रदर्शनकारियों ने सामान समेट लिया और शांति से धरना देना जारी रखा।

100 छात्रों ने किया विरोध-प्रदर्शन

करीब 100 छात्रों ने मैककोश कोर्टयार्ड पर विरोध-प्रदर्शन किया। छात्रों द्वारा टेंट लगाए जाने के बाद प्रिंसटन पब्लिक सेफ्टी ने पहले चेतावनी दी। इसके बाद कम से कम दो छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। टेंट लगाए जाने के छह मिनट बाद ही दो छात्रों अचिंत्या शिवलिंगम जीएस और हसन सयैद जीएस को गिरफ्तार कर लिया गया था। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता जेनिफर मोरिल ने बताया, स्नातक कर रहे दोनों छात्रों को तुरंत कैंपस से निकाल दिया गया। आगे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रों को गिरफ्तार करते समय किसी बल प्रयोग नहीं किया गया था।

घरों से निकाला

पीएचडी प्रथम वर्ष की छात्रा उर्वी ने गिरफ्तारी को हिंसक बताया। उर्वी ने कहा कि उन्हें उनके घरों से भी निकाल दिया गया है और उनका सामान लेने के लिए पांच मिनट से कम समय दिया गया है।

इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि गाजा के अधिकारियों का कहना है कि सात अक्तूबर के बाद से गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान में अब तक उनके 34,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि हजारों शवों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

हमारे डिजिटल बुनियादी ढांचे से अन्य देश भी सीखें, यूएन में बोले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

वाशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।
केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि भारत की डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा अन्य देशों को भी प्रेरित करे और सभी इससे सीख लें और अपनी डिजिटल प्राथमिकताएं तय करें। संयुक्त राष्ट्र में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने मिलकर नागरिक स्टैक: डिजिटल बुनियादी ढांचा, नागरिकों को लिए परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया।

भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास में सभी की सहभागिता

सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समावेशी विकास और सभी को समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे की मदद से भारत में हो रहे विकास को साझा किया। सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि भारत ने ऐसी नीति बनाई है, जिससे डिजिटल क्रांति का सभी को लाभ मिले। वैष्णव ने कहा कि इस दृष्टिकोण ने ही इंडिया स्टैक को जन्म दिया, जो कि डिजिटल टूल्स का गुलदस्ता है और जो सभी के लिए उपलब्ध है। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विकास असल मायनों में सरकार, निजी क्षेत्र, गैर लाभकारी संस्थाएं आदि सभी की सहभागिता का नतीजा है। सभी ने इसमें अहम भूमिका निभाई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते साल नई दिल्ली में हुए जी20 सम्मेलन में डिजिटल बुनियादी ढांचे की ताकत को पहचाना गया। भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एक वैश्विक भंडार बनाने की पहल की। अभी 16 देशों में 55 डिजिटल बुनियादी ढांचे हैं। वैष्णव ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा से अन्य देश भी प्रेरित होंगे और अपनी डिजिटल प्राथमिकताओं को तय करेंगे।

अमिताभ कांत ने भी किया संबोधित

हमारा मानना है कि हम सभी के सम्मिलित प्रयासों से एक समावेशी और समृद्ध दुनिया बना सकते हैं। सम्मेलन को भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने भी संबोधित किया।

अमेरिका ने भारत की तीन कंपनियों पर लगाई पाबंदी, ईरान के साथ डील करने पर ऐक्शन

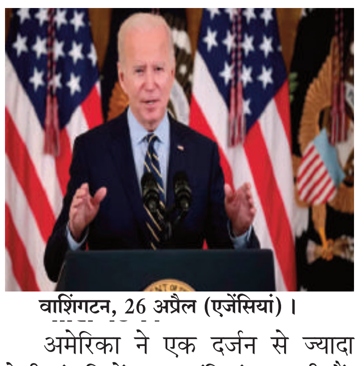

वाशिंगटन, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।
अमेरिका ने एक दर्जन से ज्यादा ऐसी कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिन्होंने ईरान के साथ कारोबार किया था। इनमें भारत की भी तीन कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि ईरान की ओर से यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को ड्रोन भेजे गए थे और इस डील में इनकी ओर से मदद की गई थी। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट का कहना है कि हमने जांच में पाया है कि इन कंपनियों ने ईरान के साथ रूस की डील में मदद की थी। अमेरिकी विभाग के अनुसार इस डील में मुख्य कंपनी सहारा थंडर थी, जिसने ईरान के ड्रोन्स को दूसरे देशों में बेचने में मदद की। सहारा थंडर को इस डील में मदद करने का आरोप भारत की तीन कंपनियों जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगा है। अमेरिकी एजेंसी के अनुसार ईरानी सैन्य यूनिट सहारा थंडर एक विशाल शिपिंग नेटवर्क वाली कंपनी है। यह ईरान के रक्षा और सशस्त्र बल रसद मंत्रालय (एमओडीएएफएल) की ओर से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी), रूस, वेनेजुएला और कई देशों में ईरानी वस्तुओं की बिक्री करती है।

लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले के मुख्य आरोपी का पाकिस्तान से क्या कनेक्शन ऐसे चढ़ा एनआईए के हत्थे

लंदन, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हाथ कल एक बड़ी सफलता लगी। एजेंसी ने पिछले साल 22 मार्च में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले से संबंधित एक मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। अब इस मामले में नई-नई जानकारी सामने आ रही हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का पाकिस्तान से कनेक्शन भी सामने आया है। जांच एजेंसी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि ब्रिटेन के हाउंस्लो निवासी इंद्रपाल सिंह गाबा को गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामले में एनआईए की अब तक की जांच से पता चला है कि पिछले साल 19 और 22 मार्च को लंदन में हुई घटनाएं भारतीय मिशनों और उसके अधिकारियों पर हमला करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं।

यह है मामला

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों ने लंदन में भारतीय मिशन में तोड़फोड़ करने की कोशिश की थी। 19 मार्च को उच्चायोग के परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए थे। 22 मार्च को गाबा ने भारत विरोधी नारे लगाए थे और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया था। पिछले साल मार्च में हुए हिंसक प्रदर्शनों को बार-बार ब्रिटिश संसद में उठाया गया और तब से लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर मेट्रोपॉलिटन पुलिस सुरक्षा में लगी है। इस घटना में कई संदिग्धों की जांच की गई। इसके अलावा, पंजाब और राजस्थान में 31 स्थानों पर तलाशी ली गई।

अटारी सीमा पर हिरासत में लिया गया

अब इस मामले में नई जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा कि इंद्रपाल सिंह गाबा समेत कई संदिग्धों के खिलाफ एलओसी जारी किया गया था। गाबा को पिछले साल नौ दिसंबर को अटारी सीमा पर हिरासत में लिया गया, जब वह पाकिस्तान से भारत में प्रवेश कर रहा था। तब उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया था और जांच की गई। बता दें, गाबा ने खालिस्तानी आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरांवाले के बाद खुद को तैयार किया था।

पाकिस्तान ने मानवाधिकार प्रथाओं पर अमेरिकी रिपोर्ट को किया खारिज

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाकिस्तान ने पिछले साल देश में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों पर अमेरिकी विदेश विभाग की एक रिपोर्ट को स्पष्ट तौर से खारिज कर दिया है और कहा है कि केवल राजनीति से प्रेरित रिपोर्ट ही गाजा में चिंताजनक स्थिति को नजरअंदाज कर सकती है।

मंत्रालय ने गुरुवार देर रात जारी एक बयान में कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि दुनिया भर में मानवाधिकार स्थितियों को उजागर करने वाली एक रिपोर्ट गाजा जैसे घोर मानवाधिकार उल्लंघन को नजरअंदाज करती है। बयान में कहा गया है, मानवाधिकार प्रथाओं पर 2023 देश रिपोर्ट: पाकिस्तान शीर्षक वाली रिपोर्ट की अनुचित सामग्री और गलत जानकारी पर आधारित है तथा जमीनी हकीकत से परे है।

इसमें कहा गया है कि इस साल की रिपोर्ट एक बार फिर निष्पक्षता की कमी और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एजेंडे के राजनीतिकरण के कारण स्पष्ट है। मंत्रालय के अनुसार, यह स्पष्ट रूप से दोहरे मानकों को प्रदर्शित करता है और इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रवचन को कमजोर करता है। गौरतलब है कि अमेरिका द्वारा जारी रिपोर्ट में पाकिस्तान के हालातों की पोल खुल गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में मानवाधिकारों की दुर्गति हो रही है, जिनमें हत्याएं, अपहरण और मनमाने ढंग से हिरासत में रखने सहित अन्य मुद्दे शामिल हैं। पाकिस्तानी सरकार हालांकि ऐसे दुर्व्यवहार करने वाले अधिकारियों के खिलाफ शायद ही कभी कार्रवाई करे।

रिपोर्ट में चीन की भी पोल खोली गयी है जिसमें बताया गया है कि चीन सरकार ने 2017 से 2023 तक दस लाख से अधिक उइगर सहित अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों के सदस्यों को मनमाने ढंग से गिरफ्तार और हिरासत में लिया है।

दुनियाभर के विश्वविद्यालयों में इजरायल-गाजा संघर्ष समाप्ति को लेकर विरोध प्रदर्शन

लॉस एंजिल्स, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल और फिलीस्तीन के चरमपंथी आतंकवादी संगठन हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अधिकतर देशों के विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। अलजजीरा की रिपोर्टों के अनुसार फ्रांस, अमेरिका के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय (यूसिड), मिशिगन विश्वविद्यालय, टेक्सास विश्वविद्यालय सहित अन्य देशों के विद्यार्थियों ने इजरायली हमले के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया है, जिससे विद्यार्थियों की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी हुयी है। लॉस एंजिल्स के पुलिस विभाग (एलएपीडी) ने दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने वाले 94 लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। एलएपीडी कैप्टन केली मुनिज़ के हवाले से बताया गया कि 93 लोगों को अतिचार के उल्लंघन पर गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य गिरफ्तारी धारदार हथियार से हमला करने के मामले में हुई है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में फिलिस्तीन समर्थक विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन की कड़ी निंदा की और कहा कि प्रदर्शनों को रोकना होगा। इसके अलावा कोलंबिया विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बुधवार को हाउस स्पीकर माइक जॉनसन का घेराव किया। छात्रों ने श्री जॉनसन को घेराव उस समय किया जब वह गाजा में इजरायली हमले पर राष्ट्रव्यापी छात्र प्रदर्शनों के केंद्र का दौरा कर रहे थे।

जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीजफायर की छांव में डाले गए वोट

सुरेश एस डुग्गर

भारत-पाक सीमा के गांवों से (जम्मू फ्रंटियर), 26 अप्रैल। पाकिस्तान से सटी 264 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर और 814 किमी लम्बी एलओसी पर पिछले 21 साल से जारी सीजफायर का सही रूप आज एक बार फिर देखने को मिला। आज सीमा क्षेत्रों में अजीब सी खामोशी और निस्तब्धता थी। लेकिन इस खामोशी को पाक सेना की गोलियों के धमाके नहीं बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान मतदान करने वाले भारतीय लोग और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में हिस्सा लेने के लिए आए लोगों को देखती हुई पाकिस्तानी जनता का शोर भंग कर रहा था। पाकिस्तानी जनता की भीड़ कई स्थानों पर सीमा के उस पार पाकिस्तानी रेंजरों की निगरानी में इस प्रक्रिया को देख रही थी।

जम्मू जिला के कई सीमांत क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। सरहद पर बसे गांवों में लोग वोट के बाद अपने दैनिक कार्यों में जुटे। इसी दौरान एक किसान अपने मवेशियों के लिए चारा ले जाते हुए दिखाई दिए। पूछने पर उन्होंने बताया कि वह सुबह ही वोट कर आए थे। उन्होंने कहा कि वोट के साथ अन्य काम भी जरूरी हैं।

रणवीर सिंह पुरा, रामगढ़, सांबा आदि के सीमावर्ती गांवों में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे मतदान केंद्रों पर इस बार खौफ और तनाव नहीं था लेकिन सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। सीमा पर बीएसएफ के जवान लगातार गश्त किए जा रहे थे क्योंकि सामने सीमा पार पाक रेंजरों की गतिविधियों पर नजर रखना आवश्यक था। सिर्फ सीमा पर ही नहीं बल्कि शहरों तथा अन्य गांवों में भी इन चुनावों के लिए तगड़ा सुरक्षा बंदोबस्त किया गया था।

ऐसा बंदोबस्त पहली बार देखने को इसलिए मिला था क्योंकि आतंकी चुनाव प्रक्रिया को तहस नहस करना चाहते थे। स्थान-स्थान पर वाहनों की जांच, सवारियों को वाहनों से उतर कर जांच प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ रहा था। जबकि मजेदार बात यह रही, गांवों में किए गए सुरक्षा बंदोबस्त की कि कुछेक गांवों में मतदान का प्रतिशत कम होने से जवान आराम से सुस्ता भी रहे थे।

सुरक्षाबलों तथा सुरक्षा एजेंसियों का अधिक ध्यान और जोर सीमावर्ती क्षेत्रों में ही था क्योंकि वे आशंकित थे कि घुसपैठियों को इस ओर धकेल कर पाकिस्तान चुनावों को क्षति पहुंचा सकता है।

यही कारण था कि सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रवेश के दौरान पत्रकारों को भी अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। लेकिन सीमावर्ती क्षेत्रों के मतदाताओं को बेखौफ होकर मतदान करते हुए देखा गया जो इस बार सीजफायर के जारी रहने से उनका उत्साह बढ़ा हुआ था। जम्मू संसदीय क्षेत्र में सर्वाधिक 107 संवेदनशील मतदान केंद्र सांबा जिले में, जबकि सबसे कम 16 केंद्र रियासी में हैं।

जम्मू-रियासी क्षेत्र का सांबा जिला अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा है। इस जिले में 358 मतदान केंद्रों में से 107 मतदान केंद्र सीमा से सटे इलाकों में हैं। यहां मतदान के दिन पाकिस्तानी गोलाबारी की आशंका रहती थी।

सोपोर में दो आतंकी ढेर, चुनाव में खलल डालने के इरादे से आए थे

जम्मू, 26 अप्रैल (ब्यूरो)।

उत्तरी कश्मीर के सोपोर में रात भर चली मुठभेड़ में जो दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए। वे चुनाव प्रक्रिया में खलल डालने के इरादे से आए थे।

उनके कब्जे से मिले दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोपोर के चेक मोहल्ला नौपोरा में आगामी ऑपरेशन में आज सुबह दो आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान की जा रही है।

उन्होंने कहा, दो शव जमीन पर पड़े हैं और उन्हें अभी तक निकाला नहीं जा सका है क्योंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है। ऑपरेशन के दौरान दो जवानों और एक नागरिक को गोली लग गई। तत्काल चिकित्सा उपचार मिलने के बाद घायलों की हालत में सुधार हो रहा है।

अधिकारियों ने इससे पहले गुरुवार को कहा था कि सेना की 22 आरआर, केरिपुब और जम्मू कश्मीर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद सोपोर के नौपोरा गांव में घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया।

जैसे ही संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर पहुंची, छिपे हुए आतंकवादियों ने बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। इस बीच, ऑपरेशन जारी है और सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल की ओर जाने वाली सड़कों को सील कर दिया है इस बीच सोपोर तहसील के शैक्षणिक संस्थानों को शुक्रवार को बंद रखा गया है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीसी) सोपोर ने इसे लेकर आदेश जारी किया है। इससे पहले सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के उड़ी में लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े एक आतंकी मददगार को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पिस्टल, दो मैगजीन व 20 कारतूस मिले हैं।

बारामुला पुलिस और सेना की 8वीं राष्ट्रीय राइफल्स ने एक सूचना के आधार पर उड़ी के कमलकूट मंडयान क्षेत्र में संयुक्त गश्त की गई। इस दौरान एक पैदल जा रही व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध नजर आई। सुरक्षा बलों को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति ने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन सतर्क गश्ती दल ने उसे पकड़ लिया।

प्रारंभिक पूछताछ के दौरान उसकी पहचान फारूक अहमद खोकर पुत्र सलामदीन खोकर निवासी कालसी कमलकूट के रूप में हुई है। उससे बरामद हथियारों के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमला करने वाले का पाकिस्तानी लिंक

लंदन, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एजेंसी ने पिछले साल 22 मार्च को लंदन में भारतीय उच्चायोग पर हमले से संबंधित मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। अब इस मामले में नई-नई जानकारी सामने आ रही हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आए हैं।

जांच एजेंसी ने कहा कि ब्रिटेन के हाउंस्लो निवासी इंद्रपाल सिंह गाबा को गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामले में एनआईए की अब तक की जांच से पता चला है कि पिछले साल 19 और 22 मार्च को लंदन में हुईं घटनाएं भारतीय मिशनों और उसके अधिकारियों पर हमला करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं।

खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों ने लंदन में भारतीय मिशन में तोड़फोड़ करने की कोशिश की थी। 19 मार्च को उच्चायोग के परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

22 मार्च को गाबा ने भारत विरोधी नारे लगाए थे और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया था। पिछले साल मार्च में हुए हिंसक प्रदर्शनों को बार-बार ब्रिटिश संसद में उठाया गया और तब से लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर मेट्रोपॉलिटन पुलिस सुरक्षा में लगी है। इस घटना में कई संदिग्धों की जांच की गई। इसके अलावा, पंजाब और राजस्थान में 31 स्थानों पर तलाशी ली गई।

अब इस मामले में नई जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा कि इंद्रपाल सिंह गाबा समेत कई संदिग्धों के खिलाफ एलओसी जारी किया गया था। गाबा को पिछले साल नौ दिसंबर को अटारी सीमा पर हिरासत में लिया गया, जब वह पाकिस्तान से भारत में प्रवेश कर रहा था। तब उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया था और जांच की गई।

गाबा ने खालिस्तानी आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरांवाले के बाद खुद को तैयार किया था। फिलहाल वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख इंद्रपाल सिंह गाबा अपने नौ सहयोगियों के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।

एनआईए ने पिछले साल जून में पांच वीडियो जारी किए थे और हिंसक प्रदर्शनों में शामिल व्यक्तियों की पहचान करने में आम जनता की मदद मांगी थी। इससे पहले एनआईए एक टीम ने मामले की जानकारी के लिए लंदन का दौरा किया था और स्कॉटलैंड यार्ड के अधिकारियों से बातचीत की थी। एजेंसी ने पिछले साल अप्रैल में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच अपने हाथ में ली थी, जिसने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम और सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था।

मामले में आगे की जांच जारी है। ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम टुगेनहाट ने इस घटना को लेकर सदन में कहा था कि भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को गंभीरता से लिया गया है।

कबाड़ी की फैक्ट्री में सेना का बम फटा

सेना के बमों के बड़ी संख्या में खोल और खोखे मिले

जबलपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर के आधारताल थाना क्षेत्र में खिजरी खिरिया बाईपास पर स्थित शमीम कबाड़ी की फैक्ट्री स्थित कबाड़ गोदाम में भीषण विस्फोट हुआ। गरुवार को हुए इस विस्फोट से उत्पन्न धमाके की आवाज एवं कंपन लगभग पांच किलोमीटर दूर तक महसूस किया गया। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि गोदाम की दीवारें तक ध्वस्त हो गईं और गोदाम की चार दिवारी के बाहर बनी स्क्रैप मेटल के ऑफिस की दीवारों की टाइल्स तक टूट गईं। मौके पर विस्फोट की तीव्रता देखते हुए,पुलिस को भी यह विस्फोट गैस सिलेंडर के फटने से जैसा संदेह हुआ। यहां विस्फोट की चपेट में कई पक्षी भी आ गए, जोकि यहां मृत पाए गए।

फिलहाल इस संबंध में लोगों की प्रतिक्रिया सामने आई हैं । यहां स्थानीय लोगों ने अपने अनुभव को साझा करतेह हुए बताया कि विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि लगा जैसे भूकंप आ गया हो, धमाके की आवाज से आसपास के घरों की दीवारों में दरारें आ गई हैं । उसके कंपन से लोग घरों के बाहर निकल आए।

उल्लेखनीय है कि कबाड़ी का गोदाम पांच हजार स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। शमीम और उसके गुर्गे इस कबाड़खाने को लंबे समय तक संचालित कर रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गोदाम में कुछ मजदूर काम करते हैं। मौके पर कुछ भैंस मृत पाई गई हैं। वहीं, एक व्यक्ति के मरने की खबर है। जिसकी अधिकारिक पुष्टी होना शेष है। जब मौके पर प्रशासन पहुंचा तो अंदर का नजारा हैरान कर देने वाला था। जिस जगह पर विस्फोट हुआ था, उसके पास ही आधा सैकड़ा की संख्या में आर्मी के बम खोखे पड़े हुए नजर आए।

आर्मी की टेस्टिंग रेंज से मिलने वाले खोखे भी ग्रामीण लाकर कबाड़ियों को बेचते हैं एवं आर्मी के कबाड़ की नीलामी भी की जाती है। पर इस कबाड़ी के पास इतनी बड़ी संख्या में विस्फोटक कैसे पहुंचा, यह जांच का विषय है। जानकारी के अनुसार रज़ा स्क्रैप मेटल कंपनी का मालिक शमीम एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। शमीम पहले भी अवैध रूप से चोरी के वाहनों को काटने के मामलों में अपराधी बनाया जा चुका है जो पुलिस से फरार चल रहा है।

सनातन धर्म अपनाने के बाद यूक्रेन की मारिया बनीं कर्णेश्वरी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

मारिया यूक्रेन की रहने वाली हैं। मारिया, भारत में आयुर्वेद पर रिसर्च करने के लिए आई थी। उन्होंने यहां भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के बारे में अध्ययन किया और कई वर्ष सनातन धर्म और आयुर्वेद के बारे में अध्ययन करने के बाद मारिया ने सनातन धर्म अपना लिया।

मारिया ने हरियाणा के हलुवास गेट स्थित एक आश्रम में वैदिक विधि से हिन्दू धर्म अपना लिया। इसी के साथ मारिया ने अपना नाम बदलकर कर्णेश्वरी रख लिया। इसको लेकर महामंडलेश्वर संगम गिरि महाराज बताते हैं कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए वो ब्रिटेन, यूक्रेन और जर्मनी समेत कई देशों में जाते रहते हैं, जहां उनके कई शिष्य बने हुए हैं। हिन्दू संत के मुताबिक, वर्ष 2016 में मारिया युद्ध ग्रस्त यूक्रेन से आयुर्वेद पर शोध करने के लिए आती हैं।

इसी शोध के दौरान उन्हें भारतीय संस्कृति और आयुर्वेद दोनों के ही बारे में जानने का मौका मिला। एक बेटा और बेटी की मां कर्णेश्वरी ने आखिरकार सनातन धर्म अपना लिया। घर वापसी के बाद मारिया ने बताया कि अपने गुरू के मार्गदर्शन में उन्होंने भारतीय संस्कृति को करीब से जाना। मारिया का कहना यूक्रेन वापस जाने के बाद वह वहां के लोगों को सनातन धर्म की महानता के बारे में बताएंगी। मारिया ये भी बताती हैं कि कोरोना काल के दौरान वो चार माह तक भारत में ही रहीं और यहीं रह कर भारतीय संस्कृति के बारे में अच्छे से स्टडी की।

मोदी की सरकार में पच्चीस करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए: शाह

गुना/राजगढ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन गरीबी नहीं हटी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले दस वर्षों में पच्चीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया है।

श्री शाह ने मध्यप्रदेश के गुना और राजगढ़ में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, निवर्तमान गुना सांसद केपी यादव, गुना लोकसभा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया, राजगढ़ लोकसभा प्रत्याशी रोडमल नागर सहित अन्य पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा शासन के 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए। 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह 5 किलो नि:शुल्क अनाज दिया जा रहा है। 10 वर्षों में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए, 4 करोड़ लोगों को घर बनाकर दिए गए, 3 करोड़ लोगों को घर में बिजली दी, 10 करोड़ माताओं को गैस कनेक्शन दिए गए और 14 करोड़ लोगों को नल से जल देने का कार्य किया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कोरोना जैसी गंभीर बीमारी के दौरान 130 करोड़ लोगों को नि:शुल्क टीका देकर भारत को सुरक्षित किया गया। कांग्रेस उस समय भी वैक्सीन का विरोध कर रही थी। कांग्रेस पार्टी ने वर्षों तक राम मंदिर के मुद्दे को अधर में लटकाए रखा, लेकिन श्री मोदी ने राम मंदिर का निर्माण करवाकर प्रभु श्रीराम को टेंट से निकालकर भव्य राम मंदिर में विराजमान किया।उन्होंने कहा कि 500 वर्षों तक एक टेंट में रहने के बाद 17 अप्रैल को प्रभु श्री राम ने भव्य राम मंदिर में अपना जन्मदिवस मनाया। कांग्रेस पार्टी ने वोट बैंक के तुष्टीकरण की राजनीति के चलते राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को भी ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में मध्यप्रदेश नक्सलवाद से पीड़ित राज्य माना जाता था पूरा चम्बल डाकुओं से भरा हुआ था लेकिन आज भाजपा ने मध्यप्रदेश से नक्सलवाद को समाप्त करने का कार्य किया है।

बाप बेटे के लिए और बेटे-बेटी मां-बाप के लिए चुनाव प्रचार करने मैदान में

जम्मू, 26 अप्रैल (ब्यूरो)।

कश्मीर में संसदीय चुनावों में पहले अगर एक बाप अपने बेटे की जीत के लिए प्रचार मैदान में है तो दूसरी ओर एक बेटी भी प्रचार मैदान में उतर चुकी है और अब दो बेटे भी अपने बाप के लिए प्रचार में मैदान में उतर गए हैं। हालांकि यह बात अलग है कि दोनों के संसदीय क्षेत्र अलग अलग हैं। यह बात हो रही है उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के परिवारों की।

दरअसल जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान जोर शोर से जारी है। इस बीच नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटे पिता के लिए लोकसभा चुनाव में प्रचार मैदान में उतर गए हैं। हालांकि उन्होंने बताया कि राजनीति में आने पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के बेटे गुरुवार को श्रीनगर में पार्टी उम्मीदवार के नामांकन दाखिल करने के दौरान पिता और दादा के साथ शामिल हुए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व सांसद डा फारूक अब्दुल्ला इस बार खुद चुनाव मैदान में नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि उन्होंने राजनीति से सन्यास ले लिया हो बल्कि पार्टी सूत्रों के अनुसार, वे जल्द होने वाले विधानसभा चुनावों में किस्मत आजमाते हुए खुद को मुख्यमंत्री पद के लिए पेश करना चाहते हैं। इसलिए वे अपने बेटे उमर अब्दुल्ला के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री के तौर पर राजनीतिक सफर पूरा करने वाले उमर अब्दुल्ला इस बार बारामुल्ला सीट से मैदान में हैं। उन्होंने श्रीनगर संसदीय क्षेत्र को इस बार छोड़ दिया है जो हमेशा से अब्दुल्ला परिवार की बपौती समझा जाता था। उन्हें उम्मीद है कि उनके अब्बाजान डा फारूक अब्दुल्ला उनके लिए वोट जरूर बटोर लेंगें।

नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के बेटे का नाम जमीर और जहीर है। दोनों कैमरे पर बोलने से झिझक रहे थे, लेकिन आकखिरकार सवालों के जवाब देने लगे। नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर ने पत्रकारों से कहा कि वे दोनों लोगों से बातचीत कर रहे हैं और चुनाव के दौरान पार्टी की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि जहीर ने कहा कि वे दोनों अभी वकील हैं और उनका राजनीति में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। बता दें कि उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटे वकील हैं और कभी-कभी पार्टी समारोहों में उपस्थित होने के अलावा श्रीनगर की अदालतों में प्रैक्टिस करते रहे हैं। दोनों ने कहा कि वे पिता के लिए प्रचार करेंगे जो बारामुल्ला लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। कश्मीर के तीन संसदीय सीटों अनंतनाग-राजौरी, श्रीनगर और बारामुल्ला लोकसभा सीट पर क्रमशः 7 मई, 13 मई और 20 मई को वोट डाले जाएंगे।

इसी तरह से पीडीपी उम्मीदवार और अपनी मां महबूबा मुफती के पक्ष में उतरीं इल्तिजा ने कहा कि वह यहां लोगों के बीच महबूबा मुफ्ती की बेटी के रूप में नहीं बल्कि पार्टी की एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में आई हूं। महबूबा मुफ्ती को उन्होंने राजौरी-अनंतनाग के लोगों के लिए सही विकल्प के रूप में स्थापित किया। इल्तिजा ने कहा कि वह लोगों के मुद्दों को उठाएंगी क्योंकि हम जानते हैं कि 2019 से जम्मू-कश्मीर में क्या हो रहा है। इल्तिजा मुफ्ती ने भाजपा की राजनीतिक चालों पर कहा कि अब वह अपने प्रतिनिधियों पर भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने कश्मीर घाटी में उम्मीदवार उतारने में भाजपा की अनिच्छा की ओर इशारा करते हुए स्थानीय समर्थन जुटाने में आत्मविश्वास की कमी का संकेत दिया। इल्तिजा मुफ्ती ने जनता की चिंताओं को समझने की महबूबा मुफ्ती की क्षमता को रेखांकित किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरूर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 27 अप्रैल 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 08:20 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा उत्तर रात्रि 04:28 तक
योग : परिघ उत्तर रात्रि 03:22 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:20 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक उत्तर रात्रि 04:28 तक
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 09:44 से , भरणी में रवि, भद्रा प्रातः 08:19 तक , गण्डमूल चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

इस बार का चुनाव विकसित भारत बनाने के संकल्प का चुनाव : शेखावत

जोधपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में शुक्रवार को यहां अपने मताधिकार का उपयोग किया।श्री शेखावत ने जोधपुर में यहां अपने परिवार के साथ अपना वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि इस बार मतदान में जिस तरह लोग उत्साह के साथ घरों से निकले हैं उससे लग रहा है कि मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा। उन्होंने इस बार के चुनाव को विकसित भारत बनाने का संकल्प का चुनाव बताते हुए कहा कि भाजपा निरंतर विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रही है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश में गरीब कल्याण योजना को संपूर्णता एवं समग्रता के साथ उतारकर देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश की सीमाओं को सुरक्षित करने सहित कई काम किए गए जिससे देश की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में स्थापित करने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत कमजोर देश हैं के भाव उत्पन्न हो चुके थे। लेकिन अब हम 140 करोड़ देशवासियों को साथ लेकर कदमताल कर रहे हैं।

महिला की हत्या मामले में दो लोगों को आजीवन कारावास

झुंझुनूं, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में झुंझुनूं के अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अदालत ने एक महिला की हत्या के मामले में दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

न्यायाधीश सरिता नौशाद ने शुक्रवार को आरोपी एवं डाबड़ीधीर सिंह निवासी मानसिंह एवं सुरेश कुमार को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई। अदालत ने दोषियों पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है जबकि मामले में खीचड़ों का बास तन बाजला निवासी संदीप कुमार को बरी कर दिया गया है।

मामले के अनुसार डाबड़ी धीरसिंह निवासी गुरुदयाल ने मलसीसर थाने में 17 अगस्त 2021 को एक रिपोर्ट दी कि एक दिन पहले रात में मान सिंह, सुरेश सिंह एवं दो–तीन अन्य लोग उसके घर में घुस कर उसे जाति सूचक शब्द से अपमानित कर उसके साथ मारपीट की। इस दौरान बीच बचाव करने आई कमला देवी, भाई सुमेर एवं नरेंद्र को बोलेरो से टक्कर मार दी। बाद में इलाज के दौरान कमला देवी की मौत हो गई।

चप्पू वाली नाव चलाकर मतदान केंद्र पहुंचे मतदाता

उदयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा मार्ग पर स्थित एशिया की सबसे बड़ी झील जयसमंद के आइलैंड्स यानी टापुओं पर रहने वाले आदिवासी मतदान के प्रति इतने उत्साहित दिखाई दिए कि शुक्रवार सुबह चप्पू से चलने वाली नावों में सवार होकर वोट डालने झील किनारे स्थित कस्बों में गए।

इससे पूर्व हुए चुनावों में भी इसी तरह जान जोखिम में डाल कर मतदान करते आए हैं। जयसमंद झील की विशालता की जानकारी उन्हीं लोगों को है, जिन्होंने अपनी आंखों से इसे देखा है। इस विशाल झील में आठ टापू यानी आइलैंड्स हैं। भटवाड़ा, भागल मगरी, बाबा मगरा, पुरोहितों का नामला, भैंसों का नामला आदि टापुओं पर आदिवासी अपने बच्चों के साथ रहते हैं। बच्चों को स्कूल जाने या किसी बिमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाने के लिए चप्पू चलित नाव ही सहारा है। टापुओं पर निवास करने वाले आदिवासियों के लिए जयसमंद झील ही लाइफ लाइन है। इन टापूओं पर खेती करके पेट भरने योग्य अनाज, सब्जी उगाते हैं। मछ्ली पकड़ कर बेचना इनकी आमदनी का स्रोत है।

सीएम सैनी ने भारतीय कामगार संघ के पदाधिकारी व श्रमिकों से की मुलाकात

करनाल, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने करनाल पहुंचकर भारतीय कामगार संघ के पदाधिकारी व श्रमिकों से मुलाकात की। इस दौरान उनकी समस्याएं सुनने के बाद समाधान के प्रति विश्वास दिलाया। इस मौक पर मुख्यमंत्री ने कहा कामगार और श्रमिकों ने आज यह तय किया है कि वह सभी हरियाणा की 10 सीटों पर कमल का बटन दबाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और मजबूत करेंगे।दुष्यंत चौटाला पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा उनके पास जो भी शिकायत आएगी उसकी जांच की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल हमारे वरिष्ठ नेता है। उन्होंने कहा मैं भी श्रमिक हूं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गरीब परिवार से आते हैं, इसलिए वह गरीबों और श्रमिकों की परेशानियों को बहुत अच्छी तरीके से समझते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जेजेपी टूट चुकी है और कांग्रेस तो हमेशा झूठ बोलती रही है।

बदमाशों ने आइसक्रीम विक्रेता को पीटा, नकदी भी छीनी

झज्जर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरुग्राम फ्लाईओवर के पास बाइक सवार दो युवकों ने फेरी लगाकर आइसक्रीम बेचने वाले के साथ मारपीट कर दो हजार रूपये छीन लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया हैं। उत्तर प्रदेश के शामली स्थित मंडी थाना के बनत हॉल मॉडल टाउन झज्जर निवासी सतबीर ने पुलिस में शिकायत दी हैं कि वह फेरी लगाकर आईसक्रीम बेचता हैं। 25 अप्रैल को गुरुग्राम फ्लाईओवर के पास आईसक्रीम बेचकर शाम को वापिस झज्जर आ रहा था तो रास्ते में दो लड़के अपनी मोटरसाईकिल पर आए और उसकी रेहडी के पास मोटरसाईकिल रोकी।

मोटरसाइकिल के पीछे बैठे लड़के ने उसे पकड़ लिया और दूसरे लड़के ने उसकी जेब से 2000 हजार रुपये जबरदस्ती छीन लिए। उसने मना किया तो उसके साथ मारपीट की गई। आसपास के लोगों को आता देखकर दोनों मोटरसाइकिल सहित फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया हैं।

रोहतक-भिवानी मार्ग पर तीन वाहन भिड़े, ट्रक ड्राइवर की मौत

कलानौर (हरियाणा), 26 अप्रैल (एजेंसियां)। रोहतक–भिवानी मार्ग पर कलानौर से आगे 152 डी राष्ट्रीय राजमार्ग के पास गुरुवार रात को तीन वाहन आपस में भिड़ गए, जिसमें एक ट्रक ड्राइवर राजस्थान स्थित बीकानेर निवासी विक्रम की मौत हो गई। जबकि पिकअप सवार गांव रिटोली निवासी रामचंद्र व हर्ष घायल हो गए। कलानौर पुलिस हादसे की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक एक ट्रक भिवानी की तरफ से रोहतक की तरफ जा रहा था। 152 डी के नजदीक ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइड के ऊपर से रोड की दूसरी तरफ उतरकर पलट गया। ट्रक में भरी हुई मिट्टी रोड पर बिखर गई। इससे पिकअप डाला व एंबूलेंस भी ट्रक से टकरा गई। इस दौरान मौके पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई व अन्य दो लोग घायल हो गए।

घायलों को उपचार हेतु कलानौर के नागरिक अस्पताल में भेजा गया। जहां से प्राथमिक उपचार कर उन्हें रोहतक पीज–ीआई में रेफर किया गया। वहीं मृतक के शव को शवग्रह में रखवा कर परिजनों को सूचना दी गई। हादसे के कारण करीब तीन से चार घंटे तक रोहतक भिवानी मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही।

किसान आंदोलन का असर: यात्री ट्रेनों के साथ 40 मालगाड़ियों का संचालन ठप

अंबाला–लुधियाना ट्रैक पर चल रहा धरना

अंबाला, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। किसान आंदोलन का असर मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों सहित मालगाड़ियों पर भी नजर आने लगा है। करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) पर 40 मालगाड़ियों का संचालन पूरी तरह से ठप हो गया है। इससे जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित होने के आसार बन गए गए हैं। फिलहाल डीएफसीसीआईएल के अधीन 15 मालगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। इसमें कोयले व फूड ग्रेन से संबंधित सामान की सप्लाई की जा रही है। अगर ऐसे ही हालात चले तो आने वाले समय में कोयले का संकट गहरा सकता है और इसका असर पंजाब व हरियाणा पर भी पड़ेगा।

विदित हो कि अंबाला–लुधियाना मुख्य रेलवे सेक्शन प्रभावित होने से और डीएफसीसीआईएल कॉरिडोर बंद होने से दिल्ली, सहारनुपर, पंजाब, हिमाचल व जम्मू की तरफ से आने वाली मालगाड़ियों को भी मुख्य मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों की मुख्य लाइन पर चलाया जा रहा है। इससे यात्री ट्रेनों का संचालन भी बुरी तरीके से प्रभावित हो रहा है। अंबाला कैंट से पंजाब व जम्मू की तरफ जाने वाली मालगाड़ियों को दो–दो के अनुपात में चलाया जा रहा है यानी एक मालगाड़ी के साथ दूसरी मालगाड़ी भेजी जा रही है। लंबी मालगाड़ी के संचालन के दौरान अन्य ट्रेनों को बीच रास्ते के स्टेशनों पर भी रोका जा रहा है। चंडीगढ़ से साहनेवाल के बीच 83 किमी का एकल ट्रैक है, इसलिए इस एकल लाइन से ही मालगाड़ियों व मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

बादलों ने दी गर्मी से राहत, धूल भरी आंधी से जनजीवन हुआ अस्त–व्यस्त

करौली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम के तीखे तेवरों से घर में दुबककर बैठे लोगों को आसमान में छाए बादलों ने कुछ राहत दी है। क्षेत्र में कई जगहों पर धूल भरी आंधियों के साथ तापमान में गिरावट से मौसम में थोड़ी ठंडक आ गई है।

दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत तो दी लेकिन धूल भरी आंधी और तेज हवाओं ने उथल–पुथल मचा दी। जिले में दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल छा गए। मौसम बदलने से लोगों को गर्मी से तो राहत मिली लेकिन धूल भरी तेज हवा चलने से जनजीवन प्रभावित हो गया। गौरतलब है कि शुक्रवार दोपहर अचानक से मौसम में आया बदलाव आया और घने बादल छा गए। दोपहर बाद चली तेज हवाओं से आसमान में धूल के गुबार उड़ते नजर आए। बादल और हवा के कारण चिलचिलाती धूप का असर तो कम हो गया लेकिन धूल भरी आंधी ने लोगों का जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव से मध्यप्रदेश के पश्चिमी हिस्से में एक ट्रफ लाइन गुजर रही है।

सिरोही में 92 साल के रामप्रताप ने तीसरी पीढ़ी के साथ किया मतदान

देश के पहले चुनाव में भी की थी वोटिंग

सिरोही, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। आबूरोड के बाकलीवाल परिवार की तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया। परिवार के मुखिया रामप्रताप बाकलीवाल ने आजादी के बाद पहली बार हुए आम चुनाव 1951–52 में भी मतदान में हिस्सा लिया था। शुक्रवार को अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी परिलक्ष्य के साथ जिसको भी पहली बार मतदान का अधिकार मिला है, वोटिंग कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया।

बाकलीवाल ने नए युवा मतदाताओं की मतदान में अरुचि को चिंताजनक मानते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साल 1947 के आजादी के समय को याद करते हुए युवाओं से कहा कि यह आजादी बहुत बड़े बलिदान के बाद प्राप्त हुई है। मतदान को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझते हुए राष्ट्र के निर्माण में बड़े जोर से उत्साह एवं उमंग के साथ हिस्सा लेना चाहिए।

नाबालिग से दुष्कर्म करके भागे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

करौली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले की महिला थाना पुलिस नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी घटना के बाद 24 दिन से फरार था। करौली महिला थाना अधिकारी मंजू फौजदार ने बताया कि एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय व एएसपी शंकरलाल मीणा के निर्देशन एवं डीएसपी अनुज शुभम के सुपरविजन में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तार किया गया है।थानाधिकारी ने बताया कि कैलादेवी थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने 1 अप्रैल को अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने कई बार उसके घर व अन्य संभावित स्थानों पर दबिश दी लेकिन आरोपी पुलिस गिरफ्त में नहीं आ सका। अब टीम ने सूचना के आधार पर आरोपी विजय सिंह पुत्र रामचरण को दीपपुरा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ जांच जारी है।

विकट संकष्टी चतुर्थी आज

इस मूहूर्त में करें गणेश जी की पूजा

हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत रखा जाता है । पंचांग के अनुसार, इस बार विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत 27 अप्रैल 2024 को रखा जाएगा। इस दिन भगवान गणेश की पूजा का विधान है। मान्यता है कि इस दिन गणेश जी की पूजा करने से जातक के जीवन से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत पर पूरे दिन व्रत रखकर शाम क समय चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं अप्रैल माह में कब रखा जाएगा विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत। साथ ही जानिए इसका महत्व, शुभ मूहूर्त और मंत्रों के बारे में।

विकट संकष्टी चतुर्थी 2024 शुभ मुहूर्त

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि की शुरूआत 27 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 20 मिनट से शुरू और इसका समापन अगले दिन यानी 28 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 20 मिनट पर होगा।

विकट संकष्टी चतुर्थी 2024 चंद्रोदय का समय

विकट संकष्टी चतुर्थी 2024 चंद्रोदय का समय 27 अप्रैल को रात 10 बजकर 30 मिनट पर है।

विकट संकष्टी चतुर्थी 2024 महत्व

हिंदू धर्म में विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत को काफी फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की विधिपूर्वक पूजा करने से सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि जो भी जातक इस व्रत को रखता है तो उसे भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद मिलता है साथ ही उसके जीवन में चल रही सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत पर जरूर करें इन मंत्रों का जाप

1. ॐ श्रीं गं सौभाग्य गणपतये वर्वर्द सर्वजन्म में वषमान्य नमः।।
2. श्री वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटी समप्रभा निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व-कार्येशु सर्वदा ।।
3. ॐ श्रीं गं सौभ्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं में वशमानय स्वाहा।
4. ॐ श्रीं गं सौभ्याय गणपतये वर वरद सर्वजनं में वशमानय स्वाहा।
5. ॐ एकदंताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दंती प्रचोदयात्
6. ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानाय स्वाहा

शनिवार के दिन की गई यह एक गलती शनिदेव को कर सकती है नाराज, रखें ध्यान

हिंदू धर्म में शनिवार के दिन भगवान शनि देव की पूजा की जाती है क्योंकि यह दिन न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन शनिदेव की विधि-विधान के साथ पूजा करने से वह बेहद प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि इस दिन इनकी पूजा करने और व्रत रखने से जातकों की जिंदगी बदल सकती है। अगर आप शनिदोष से छुटकारा पाना चाहते हैं और करियर और कारोबार में मन मुताबिक सफलता पाना चाहते हैं तो शनि देव की पूजा करें। यूं तो लोग शनिदेव को खुश करने के लिए कई उपाय करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शनिवार के दिन आपको कुछ गलतियों को करने से बचना चाहिए। दरअसल शनिवार के दिन इन गलतियों को करने से शनि देव क्रोधित हो सकते हैं जिससे आपको जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं शनिवार के दिन आपको कौन सी गलतियों को करने से बचना चाहिए।

शनिवार के दिन भूलकर भी ना करें ये गलतियां

1) लोहे की खरीदारी करने से बचें

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनिवार के दिन गलती से भी लोहे का सामान खरीदकर घर नहीं लाना चाहिए. क्योंकि शनिवार के दिन लोहे का सामान खरीदकर घर लाना शुभ नहीं माना जाता है।

2) दही और दूध का सेवन न करें

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो शनिवार के दिन दही और दूध का सेवन करने से बचना चाहिए। लेकिन अगर फिर भी आप इस दिन इसका सेवन करना चाहते हैं तो इसमें हल्दी या गुड़ मिला दें और फिर इसका सेवन करें।

3) सरसों का तेल न खरीदें

शनिवार के दिन सरसों का तेल भी खरीदना शुभ नहीं माना जाता है। इस दिन जातकों को सरसों तेल खरीदने से बचना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आपके परिवारवालों के सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

4) लेन-देन न करें

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनिवार के दिन आपको लेन-देन से बचना चाहिए। इस दिन आपको किसी से भी पैसों का लेनदेन नहीं करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शनिवार के दिन ऐसा करने से आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

5) तामसिक भोजन का सेवन न करें

शनिवार के दिन आपको तामसिक भोजन का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि कहा जाता है कि इस दिन तामसिक भोजन का सेवन करने से शनि देव नाराज हो जाते हैं और जातकों को दण्ड देते हैं।

घर के मेन गेट पर बांधें नमक की पोटली वैवाहिक जीवन की समस्या होगी खत्म

नमक का प्रयोग भोजन में स्वाद लाने के अलावा धन और समृद्धि प्राप्ति के लिए भी किया जाता है। नमक से कई प्रकार के उपाय किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि घर के मेन गेट पर नमक की पोटली बांधने से इंसान को जीवन में कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं। जैसे- नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश न करना, खुशहाली और समृद्धि आना। आइए वास्तु शास्त्र के अनुसार जानते हैं कि घर के मेन गेट पर नमक की पोटली बांधने के उपाय के बारे में।

नमक की पोटली के उपाय

अगर आप ग्रह दोष का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में नमक को कपड़े में बांधकर घर के मेन गेट पर बांध दें। माना जाता है कि यह उपाय करने से ग्रह दोषों से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए नमक की पोटली को घर के मेन गेट पर बांध दें। माना जाता है कि इससे वैवाहिक जीवन की समस्या खत्म होती है और जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

कहा जाता है कि वास्तु दोष की वजह से इंसान को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए नमक की पोटली को घर के मेन गेट पर बांधने से वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए और नकारात्मक विचारों को दूर करने के लिए घर के मेन मेन पर नमक की पोटली को बांधना बेहद फलदायी होता है।

लाल कपड़े में नमक, चावल और कुछ सिक्के बांध लें। इसके बाद इसे अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन में वृद्धि होती है।

इन लोगों को मिलता है सोना पहनने का फायदा गोल्ड की तरह ही चमक जाती है किस्मत

कई लोगों को सोना पहनने का शोक होता है। यह एक कीमती धातु है, जिसके गहने पहनने का चलन सदियों से चला आ रहा है। सोना न केवल सुंदरता को बढ़ाता है बल्कि, इसे पहनने से शरीर पर भी इसके लाभ देखने को मिलते हैं। ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि कुछ राशियों को सोना पहनने से कई लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं उन राशियों के बारे में।

इन राशियों के लिए है लाभकारी

तुला राशि - तुला राशि के जातकों के लिए भी सोना धारण करना बहुत शुभ माना गया है। ऐसा माना जाता है कि तुला राशि के जातकों द्वारा सोना धारण करने से इन्हें कभी भी धन-धान्य की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

मकर राशि - ज्योतिष शास्त्र में मकर राशि के जातकों के लिए भी सोने के आभूषण धारण करना अच्छा माना गया है। इससे उनके कई दोष दूर होते हैं और घर में सुख शांति का माहौल बना रहता है।

मिलते हैं यह लाभ

ज्योतिष शास्त्र में सोने का संबंध गुरु ग्रह से माना गया है। ऐसे में सोना धारण करने से कुंडली में बृहस्पति ग्रह की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सफलता के योग बनने लगते हैं। सोने की अंगूठी धारण करने से वैवाहिक जीवन भी खुशहाल बना लेता है। साथ ही इससे कई तरह के ग्रह दोष दूर होते हैं। इसके साथ ही मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है।

इन्हें नहीं पहनना चाहिए सोना

ज्योतिष शास्त्र में कुछ लोगों के लिए सोना धारण करना अशुभ भी माना गया है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार वृषभ, वृश्चिक, मिथुन और कुंभ राशि के जातकों को सोना धारण करने से बचना चाहिए। इसके साथ ही जो लोग शनि ग्रह से संबंधित कार्य जैसे कोयला, तेल या लोहे का काम करते हैं, उन्हें भी सोना पहनने से बचना चाहिए। क्योंकि इससे आपके व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

बार-बार हो रहे हैं बीमार? घर में वास्तु दोष हो सकता है बड़ा कारण

जानिए बचने के उपाय

घर के नॉर्थ और नॉर्थ ईस्ट (उत्तर पूरब) में गड़बड़ी आ जाए तो समझ लीजिए कि घर में किसी न किसी को बीमारी लगी रहती है। बीमारी ठीक होने का नाम ही नहीं लेती है और यदि ठीक भी हो गए तो चार दिन बाद दूसरी बीमारी लग जाती है इस तरह डॉक्टर के चक्कर लगाते ही रहना पड़ता है। कहने का मतलब है कि बीमारी का सिलसिला चलता ही रहता है। बीमारी की वजह से जहां एक ओर आप शारीरिक रूप से परेशान होते हैं वहीं डॉक्टर के यहां बार बार जाने पर आपको फीस व दवा आदि के रूप में पैसा भी खर्च करना पड़ता है।

नॉर्थ ईस्ट में इस चीज को रखें

दरअसल नॉर्थ ईस्ट यानी ईशान कोण की दिशा में पानी होना चाहिए, लेकिन नैऋत्य अर्थात दक्षिण पश्चिम दिशा में पानी नहीं मिट्टी होनी चाहिए। उत्तर और उत्तर पूर्व दिशा में इन्वर्टर, भारी बक्सा अलमारी आदि कोई भी हैवी चीज रखना गलत है। यहां पर यदि गैस रखी है तो यह भी गलत है। यह स्थिति डॉक्टरों के पास फीस और दवा के रूप में पैसा खर्च कराएगी मानसिक तनाव रहेगा। रोग दवा से ठीक तो हो जाएगा लेकिन कुछ समय के बाद बाद फिर से हो जाएगा। यानी डॉक्टर के यहां जाना बंद नहीं होता है।

दक्षिण और पश्चिम के बीच नल

दूसरी समस्या तब आ सकती है जब दक्षिण और पश्चिम के बीच में पानी रखा हो यानी नल लगा हो, वॉश बेसिन या फिर वॉशिंग मशीन में कपड़े धोए जाते हों, यहां पर पानी रहने से भवन के मालिक का क्षरण होने लगता है यानी बीमारी लगी रहती है जिससे शरीर और धन दोनों का ही नुकसान होता है। जिस तरह पानी मिट्टी को घोल देता है यानी मिट्टी को काट कर उसका अस्तित्व खत्म कर देता है वही स्थिति घर के मालिक की हो जाती है।

दवा का डिब्बा दक्षिण में न रखें

आप डॉक्टर को दिखाने के बाद हफ्ते दस दिन की दवा तो ले ही आते हैं, इसे भी सही दिशा में रखना बहुत जरूरी है। मेडिकल स्टोर से लाई हुई दवाओं को आप किसी डिब्बे में रखते हैं लेकिन सवाल है कि इसे आप रखते किस दिशा में हैं। दवा का डिब्बा भूल कर भी इस दिशा में नहीं रखना चाहिए। दवा के डिब्बे को हमेशा नॉर्थ व नॉर्थ ईस्ट में ही रखना चाहिए।

वैवाहिक जीवन में प्रेम बनाए रखेंगे ये उपाय

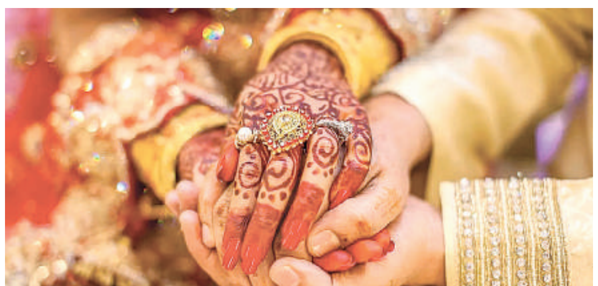

घर में अक्सर बेवजह की बहस होती रहती है। इसके लिए ज्योतिष शास्त्र कुछ सरल उपाय लेकर आया है जिससे आपके वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। इस उपाय के प्रयोग से नकारात्मकता दूर होती है जिससे रिश्ते में कलह खत्म हो सकती है।

फिटकरी से करें ये काम

अगर आपके पारिवारिक जीवन में अक्सर झगड़े होते रहते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए आप फिटकरी का यह आसान उपाय आजमा सकते हैं। ऐसा करने के लिए बेडरूम की खिड़की के पास एक कटोरी में फिटकरी रखें। इससे धीरे-धीरे नकारात्मकता खत्म हो जाएगी और विवादों में राहत मिलेगी।

शादीशुदा महिलाओं को ये उपाय करने चाहिए

अगर पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते रहते हैं तो रात को सोने से पहले अपने पति के तकिए पर एक चुटकी सिनेबार रख दें और सुबह उठकर उसी सिनेबार को अपने माथे पर लगा लें। इससे पारिवारिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है। ऐसे में एक विवाहित महिला को दूसरी विवाहित महिला को लाल सिन्दूर और इत्र देना चाहिए। इससे आपके जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

पारिवारिक जीवन की परेशानियां दूर होंगी

शास्त्र कहते हैं कि सुखी वैवाहिक जीवन के लिए पति-पत्नी को एक साथ पीपल और केले के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, एक विवाहित महिला को प्रतिदिन दुर्गा चालीसा का पाठ करना चाहिए और देवी दुर्गा के 108 नामों का जाप करना चाहिए। इस तरह आप जीवनसाथी से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

बुद्धिमान व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए ये गलती

भुगतना पड़ता है बुरा परिणाम

चाणक्य नीति, आचार्य चाणक्य द्वारा रचित एक नीति ग्रन्थ है। नीतिपरक ग्रन्थों में चाणक्य नीति का महत्त्वपूर्ण स्थान माना गया है। इसमें आचार्य चाणक्य ने जीवन को सुखमय एवं सफल बनाने के लिए कई उपयोगी सुझाव दिए गए हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपने जीवन में क्या गलती नहीं करनी चाहिए, वरना उसे कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

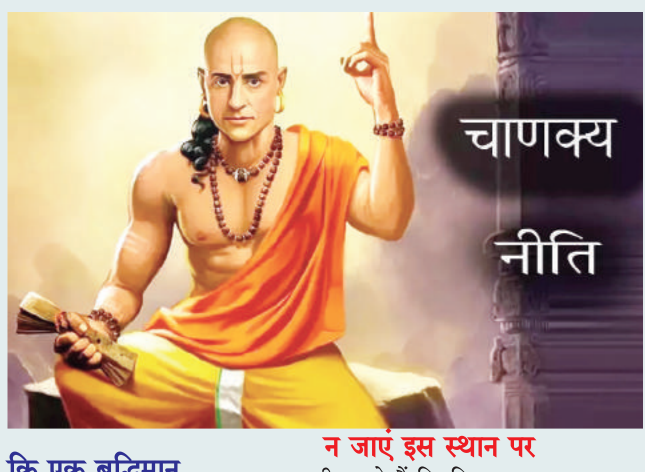

इन लोगों से रहें सतर्क

चाणक्य नीति में कहा गया है कि एक बुद्धिमान व्यक्ति को हमेशा शक्तिशाली शत्रु और कमजोर मित्र से सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि ये दोनों हमेशा दुख देते हैं। इसके साथ ही चाणक्य जी यह भी कहते हैं कि सुखी और सफल रहने के लिए व्यक्ति को हमेशा सच बोलना चाहिए और, सोच-समझकर खर्च करना चाहिए।

न जाएं इस स्थान पर

चाणक्य जी कहते हैं कि जिस स्थान पर आपका आदर न हो या फिर जहां कमाई और ज्ञान का कोई साधन न हो, ऐसे स्थान को तुरंत छोड़ देना चाहिए। इसके साथ ही ऐसे स्थान पर भी रहने का कोई लाभ नहीं है, जहां कोई मित्र और रिश्तेदार न हो। ऐसे स्थान को छोड़ने में ही भलाई है।

ये हैं दो जरूरी चीजें

चाणक्य ने जीवन में कामयाबी पाने के लिए दो सूत्र बताए हैं। चाणक्य के अनुसार जिस प्रकार दो पंखों की सहायता से कोई पक्षी आकाश में उड़ पाता हैं, ठीक उसी तरह कर्म और ज्ञान रूपी दो पंखों के आधार पर इंसान भी सफलता के आकाश में उड़ने सकता है।

सौंदर्य प्रतियोगिता जीतना फिल्म की गारंटी नहीं है

कुछ निश्चित कौशल होना चाहिए : सुश्री मिश्रा

सुश्री श्रेया मिश्रा, जिन्होंने एशियन सुपरमॉडल इंडिया और मिस यूनाइटेड कॉन्टिनेंट्स 2015 जैसी सौंदर्य प्रतियोगिताएं जीती हैं, ने साझा किया कि वे दिन गए जब मिस इंडिया को फिल्मों में जगह मिलती थी। उन्होंने कहा कि आज के दिन और युग में, किसी के पास कुछ कौशल होना जरूरी है।दिवा आयुष शर्मा अभिनीत आगामी एक्शन फिल्म रुसलान के साथ प्रमुख महिला के रूप में शुरुआत करने के लिए तैयार है।अगर उन्हें लगता है कि सौंदर्य प्रतियोगिताओं से अभिनय परियोजनाएं हासिल करना आसान हो जाता है, तो आई एएम पॉपुलर, मिस विवियस, मिस रैंपवॉक जैसे कई पुरस्कार जीत चुकीं सुश्री ने कहा, मुझे लगता है कि मिस इंडिया जैसी प्रतियोगिताएं आपके क्षितिज को व्यापक बनाती हैं। एक अद्भुत तरीके से जहां आप उद्योग के चरमोत्कर्ष से मिलते हैं, लेकिन अगर आप प्रतियोगिता जीत जाते हैं तो यह आपको फिल्म की गारंटी नहीं देता है, मुझे लगता है कि वे दिन गए जब मिस इंडिया को फिल्मों में मौका मिलता था मुझे लगता है कि आज के युग में आपके पास एक निश्चित कौशल होना चाहिए।अपनी पूरी यात्रा के लिए आभारी महसूस करते हुए, सुश्री ने कहा: जिस क्षण मैंने फैसला किया कि मुझे अभिनय करना है, मैंने थिएटर किया, मैंने खुद को एक्शन में प्रशिक्षित किया और यही कारण है कि मुझे लगता है कि मुझे इस फिल्म के लिए चुना गया है। इसलिए, मैं ऐसा नहीं सोचती कोई भी देरी हो सकती है, लेकिन फिर हर चीज के लिए उपयुक्त समय होता है, और फिर नियति नाम की कोई चीज होती है जिस पर मैंने फिलहाल विश्वास करना शुरू कर दिया है क्योंकि मुझे एक ऐसी शानदार फिल्म के लिए चुना गया है जहां मैं अपने सभी कौशल और प्रतिभा दिखा सकता हूं।इसलिए, ईमानदारी से कहूं तो, मुझे ऐसा लगता है कि ऐसा ही होना था, यही नियति थी।

रोमांटिक लव स्टोरी प्यार के दो नाम का टीजर हुआ रिलीज

बॉलीवुड फिल्म प्यार के दो नाम का टीजर रिलीज हो गया है, यह एक लव स्टोरी होगी जिसे रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया है. यह फिल्म अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में स्थापित एक प्रेम कहानी है. फिल्म का निर्माण विजय गोयल और डेनिस जावेद द्वारा किया गया है. फिल्म का निर्देशन डेनिस जावेद ने किया है. फिल्म में नए कलाकार भाव्या सचदेवा और अंकिता साहू मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म 3 मई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. टीजर में खूबसूरत परिसर और युवाओं की मासूमियत की झलक दिखाई गई है. टीजर दर्शकों को यह अंदाजा लगाने के लिए काफी है कि फिल्म एक भावुक प्रेम कहानी है.फिल्म एक दूजे के लिए या एक दूसरे के साथ टैग लाइन पर आधारित हैं । इश्क़ सुभानअल्लाह सूफियाना, प्यार मेरा एवं सन्यासी मेरा नाम जैसे रोमांटिक धारावाहिक एवं फिल्मों के लेखक दानिश जावेद द्वारा निर्देशित फ़िल्म प्यार के दो नाम एक आधुनिक प्रेम कहानी हैं जो युवाओं के बीच में प्यार को लेकर आधुनिक सोच को बहुत ही इमोशनल तरीके से प्रस्तुत करती हैं ।फ़िल्म के टीजऱ की शुरुआत अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में आयोजित एक पीस सेमिनार से होती हैं इसमें आर्यन खन्ना (भव्या सचदेवा) नेल्सन मंडेला और कायरा सिंह (अंकिता साहू) महात्मा गाँधी पर अपनी अपनी रिसर्च प्रस्तुत करते हैं । आर्यन खन्ना कहते हैं मैं उस ब्यूटी को ब्यूटी ही नहीं मानता जो आँखों को अट्रैक्ट ना करे। टीजऱ के दूसरे संवाद में आर्यन खन्ना रोमांटिक संवाद में कहते हैं मडेला जी यह ट्रॉफी जीतेंगे, और मैं इस लड़की का दिल। इस पर कायरा सिंह बेहद ही सख़्त लहजे में कहती हैं कि मैं अजनबियों से बात नहीं करती। दोनों मुख्य कलाकारों की नोक झोंक के बीच में बैकग्राउंड में फ़िल्म का शीर्षक गीत सुनाई देता हैं । टायटल सांग के साथ 1 मिनट 10 सेकंड का यह टीजऱ एक फ्रेश लव स्टोरी का एहसास कराता हैं । रिलायंस एंटरटेनमेंट और जोकुलर एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की फ़िल्म प्यार के दो नाम में मुख्य भूमिका में भव्या सचदेवा , अंकिता साहू के साथ कनिका गौतम, अचल टंकवाल , दीप्ति मिश्रा , नमिता लाल प्रमुख भूमिकाओं में नजऱ आएँगे । फ़िल्म के निर्माता विजय गोयल और दानिश जावेद है, और सह निर्माता शहाब इलाहाबादी है। फ़िल्म के लेखक निर्देशक दानिश जावेद हैं इस अनोखी लव स्टोरी का संगीत अंजन भट्टाचार्य और शब्बीर अहमद ने तैयार किया है और गीतों को दानिश जावेद और वसीम बरेलवी ने लिखा हैं । गीतों को जावेद अली, ऋतु पाठक, राजा हसन और स्वाति शर्मा ने गाया हैं।फ़िल्म के लेखक निर्देशक दानिश जावेद ने कहा कि यह फ़िल्म विश्व के दो महान नेताओ के सिद्धांतों पर आधारित आज की प्रेम कहानी हैं।

आर्यन खन्ना और कायरा सिंह की इस प्रेम कहानी के ज़रिए एक दूजे के लिए या एक दूसरे के साथ इस सवाल का जवाब दर्शकों को मिलेगा ।फ़िल्म के निर्माता विजय गोयल ने कहा कि इस फ़िल्म, प्यार के दो नाम महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला के प्रेम दर्शन के बीच अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कैंपस में एक अनोखी लव स्टोरी हैं।फ़िल्म की शुरुआत अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैय्यद अहमद ख़ान के सम्मान में विश्व शांति नेता को चुनने के लिए एक सेमिनार की घोषणा के साथ होती हैं। कायरा सिंह और आर्यन खन्ना भी सेमिनार में भाग लेने आए हैं। पहली मुलाकात में दोनों के बीच खट्टी-मीठी लड़ाई शुरू हो जाती है, यहीं से दो विचारधाराओं का टकराव शुरू होता है। जहां कायरा इस बात पर अड़ी है कि अगर प्यार है तो हमें जिंदगी भर साथ रहना होगा, वहीं आर्यन का मानना है कि जब तक प्यार है, हम साथ रहेंगे, प्यार खत्म, साथ खत्म। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि प्यार के दो नामो में से किस नाम की जीत होती हैं।

विश्वक सेन ने गैंग्स ऑफ गोदावरी की डबिंग की पूरी

विश्वक सेन ने गैंग्स ऑफ गोदावरी के टीजऱ की डबिंग पूरी की। सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफार्मों पर गामी की शानदार सफलता के बाद, गतिशील विश्व सेन गैंग्स ऑफ गोदावरी में धमाकेदार वापसी कर रहे हैं! प्रतिभाशाली कृष्णा चैतन्य द्वारा निर्देशित यह एक्शन से भरपूर विलेज ड्रामा 17 मई, 2024 को सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है।अपने कैलेंडर चिह्नित करें! निर्माताओं ने 27 अप्रैल को शाम 4:10 बजे गैंग्स ऑफ गोदावरी का टीजऱ लॉन्च करने की घोषणा की है। विश्वक सेन ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए उत्साह बढ़ाया कि उन्होंने टीजऱ की डबिंग पूरी कर ली है।गैंग्स ऑफ गोदावरी में कई शानदार कलाकार हैं, जिनमें आकर्षक नेहा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही साई कुमार, आयशा खान और गोपाराजू रमना जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी हैं। प्रसिद्ध युवान शंकर राजा द्वारा संगीत तैयार करने से, एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव की उम्मीद है।प्रतिष्ठित सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज द्वारा निर्मित, गैंग्स ऑफ गोदावरी एक रोमांचक यात्रा होने का वादा करती है जिसे आप मिस नहीं करना चाहेंगे!

छावा से विक्की कौशल की पहली झलक आई सामने

एक्शन, पैट्रियॉटिक और कॉमेडी रोल्स में भी अपना हुनर साबित करने वाले विक्की कौशल सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग बना चुके हैं। वह एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल के बेटे हैं। इंडस्ट्री में कॉन्टैक्ट्स होने के बावजूद विक्की कौशल ने अपने दम पर पहचान बनाई। साल 2023 में सैम बहादुर बन कर बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल ने धमाल मचा दिया था। मूवी ने डीसेंट कलेक्शन किया और विक्की को एक ऐसे एक्टर की लिस्ट में शामिल किया, जो किसी भी रोल को बारीकि से निभाना जानता हो। अब विक्की छावा के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस मूवी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सेट से विक्की कौशल का लुक सामने आया है।छावा में विक्की कौशल, मराठा रूलर छत्रपति संभाजी महाराज के रोल में होंगे। इस किरदार में फिट बैठने के लिए उन्होंने अपनी फिजीक पर बहुत काम किया है। दावा किया गया है कि विक्की इस रोल के लिए 25 किलो वजन बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। छत्रपति संभाजी महाराज स्ट्रॉन्ग मैन थे। उनके शेर से लड़कर उसे मारने का किस्सा पॉपुलर है। विक्की कौशल स्क्रीन पर न सिर्फ मेकअप से उनके जैसा दिखना चाहते हैं, बल्कि बॉडी से भी वैसा लुक रखना चाहते हैं।ट्विटर पर छावा के सेट से विक्की कौशल की छत्रपति संभाजी महाराज के लुक में कुछ फोटो सामने आई हैं।इस लुक में विक्की लंबे बाल और दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। माथे पर चंदन और गले में रुद्राक्ष की माला पहने विक्की, छत्रपति संभाजी महाराज के लुक में पूरी तरह से रंगे नजर आ रहे हैं।लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनने वाली छावा रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल की साथ में पहली फिल्म होगी। रश्मिका का रोल विक्की की पत्नी (येसूबाई भोसले) का होगा।

नेहा मलिक ने ब्लैक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में ढाया कहर, फैंस हुए बेकाबू

भोजपुरी इंडस्ट्री की स्टार अभिनेत्री नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बेहद बोल्ड अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। वहीं कुछ यूजर्स उन्हें कॉमेंट सेक्सशन में खरी-खोटी सुना रहे हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी एल्बम सॉन्ग्स से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर लाइमलाइट बटौरती हैं। उनका बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट पोस्ट के जरिए फैंस के पसीने छुटा दिए हैं। इन तस्वीरों में उनका बेहद बोल्ड अवतर देखकर कुछ यूजर्स उन पर भड़क रहे हैं। वहीं कुछ उनकी तारीफ कर रहे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा देता है।इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस नेहा मलिक ने ब्लैक कलर का ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो काफी स्टनिंग पोज देते हुए कैमरे के सामने फोटोज क्लिक करवा रही हैं।नेहा मलिक ने अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए ओपन हेयर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाई हुई है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद शानदार नजर आ रही हैं।क्ट्रेस की इन तस्वीरों को देखकर एक यूजर ने लिखा है- सो गॉर्जियस, तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो हॉट मैम। फिर तीसरे ने लिखा है- लुकिंग ब्यूटिफुल।वहीं कुछ यूजर्स उनके इस लुक को देखकर काफी भड़क गए हैं। एक यूजर ने कॉमेंट कर के लिखा है- बेशर्मी की भी हद होती है। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- इतने कपड़े भी क्यों ही पहनती हो? ऐसे ही लगातार एक के बाद एक लोग कॉमेंट कर रहे हैं।

संपादकीय

क्यों बदल गए प्रधानमंत्री

यह लोकसभा का चुनाव है, न कि किसी धार्मिक संस्थान के लिए चुनाव कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को सांप्रदायिक बयान देने को बाध्य होना पड़ा, उसकी उलट प्रतिक्रिया में करीब 2000 शिकायतें चुनाव आयोग को भेजी गई हैं। कांग्रेस ने जो 17 शिकायतें की हैं, वे इनसे भिन्न हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आयोग क्या निर्णय लेता है, उससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता जुड़ी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 6 शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इस पर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की गई थी। हालांकि मतदान और मतदाता से जुड़े 'भारतीय जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951' में ऐसी धाराएं भी हैं, जिनके तहत ऐसी शिकायतों पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन हमारी व्यवस्था 'दंतहीन' है। आज एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद आ रही है, जिन्होंने साबित कर दिया था कि चुनाव आयोग के पास हथियार, अधिकार और पैने दांत भी हैं। वह सत्ता-पक्ष का 'पायदान' नहीं है। बहरहाल इन शिकायतों के निपटारे से अहम देश के प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है। वह समूचे राष्ट्र के हैं, तो सभी धर्मों, संप्रदायों, नस्लों, मतों, लिंगों और भाषाओं के भी हैं। बेशक उनका निजी धर्म और आस्था हिंदुत्व से जुड़ा है, लेकिन जब वह देश को संबोधित कर रहे होंगे या आह्वान कर रहे होंगे, तो वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष होंगे। प्रधानमंत्री किसी एक धर्म के प्रचारक या समर्थक नहीं हो सकते। दरअसल प्रथम चरण के कम मतदान के बाद प्रधानमंत्री मोदी की जुबां, भाषा, आह्वान और तेवर बदल गए हैं। आजकल प्रधानमंत्री राम मंदिर, काशी और ब्रज, रामनवमी, हनुमान चालीसा, मंगलसूत्र और हिंदू बनाम मुसलमान के मुद्दों पर वोट मांग रहे हैं। अलबत्ता प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान अधिकतर विकास, 5वीं से तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंततः 2047 तक 'विकसित भारत' की बात कही है। दुनिया में भारत की हैसियत की व्याख्याएं की हैं। इस बार 2024 का जनादेश वह 'विकसित भारत' का संकल्प हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए मांग रहे हैं। अचानक यह बदलाव क्यों आया कि देश के प्रधानमंत्री राम नाम, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और हनुमान चालीसा की चिंता करने लगे हैं और देश की करीब 15 फीसदी मुस्लिम आबादी को 'घुसपैठिया' करार देने लगे हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के कट्टर और सनातन मतदाता के समर्थन के लिए बदल रहे हैं? प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था, विकास दर, विश्व की आर्थिक महाशक्ति, विश्व का सबसे विशाल मैन्यूफैक्चरिंग हब, सेमीकंडक्टर चिप्स का निर्माता, विमान और हेलीकॉप्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता, जी-20, जी-7, सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता आदि महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों को या तो भूल गए हैं अथवा नेपथ्य में डाल दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस, नल में जल, शौचालय, जन-धन खाते, बिजली, चमकदार राजमार्गों, विश्वकर्मा योजना, कौशल विकास, 220 करोड़ मुफ्त कोरोना टीकों आदि का जिक्र भी बहुत कम करते हैं। ऐसा लगता है मानो किसी ने 'दहशत का बटन' दबा दिया है और प्रधानमंत्री को हिंदुत्व पर ज्यादा आक्रामक होना पड़ा है। शायद प्रधानमंत्री को एहसास हो गया है कि विकास और बढ़ोतरी के मुद्दे पर वोट कम मिलेंगे तथा आक्रामक धार्मिकता से धुरवीकरण होगा और बहुसंख्यकों के बहुमत के वोट भाजपा-एनडीए के पक्ष में आएंगे! प्रथम चरण के मतदान के ठोस संकेत, अपने-अपने माध्यमों से, मिल चुके हैं। भाजपा अब भी दौड़ में सबसे आगे है। कई सीटों पर मुकाबले बेहद कांटेदार हैं। अलबत्ता भाजपा के चेहरे से 400 पार की खुशी कुछ गायब लग रही है। मोदी-विरोधी लहर की खुशी विपक्ष के चेहरों पर भी मद्धिम पड़ गई है। मतदान अब भी कम हो सकता है, क्योंकि दूसरे चरण की जिन 89 सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान होना है, उसमें कमोबेश 30 सीटों पर गरम लू का मौसम होगा। क्या अब प्रधानमंत्री अपनी बदली जुबां और विषय के साथ ही मतदाताओं से वोट की अपील करते रहेंगे?

प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आयोग क्या निर्णय लेता है, उससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता जुड़ी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 6 शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इस पर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की गई थी। हालांकि मतदान और मतदाता से जुड़े 'भारतीय जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951' में ऐसी धाराएं भी हैं, जिनके तहत ऐसी शिकायतों पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन हमारी व्यवस्था 'दंतहीन' है। आज एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद आ रही है, जिन्होंने साबित कर दिया था कि चुनाव आयोग के पास हथियार, अधिकार और पैने दांत भी हैं। वह सत्ता-पक्ष का 'पायदान' नहीं है। बहरहाल इन शिकायतों के निपटारे से अहम देश के प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है। वह समूचे राष्ट्र के हैं, तो सभी धर्मों, संप्रदायों, नस्लों, मतों, लिंगों और भाषाओं के भी हैं।

राजधानी काठमांडू में सरकारी भवनों के सामने कान फोड़ देने वाला शंखनाद की अपनी मांगों का स्वर नेपाल के आकाश में गुंजा दिया

नेपाल में हिंदू राष्ट्र के लिए शंखनाद

प्रमोद भार्गव

नेपाल में हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग के लिए षंखनाद षुरू हो गया है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजषाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल हैं। इस प्रदर्षन की अगुआई मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राश्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेश्ठ की मांग है कि नेपाल में राजषाही की पुनर्बहाली हो, देष में संघीय व्यवस्था लागू हो और इसे हिंदू राश्ट्र घोशित किया जाए।

भारत के पड़ोसी और धार्मिक व सांस्कृतिक एकरूपता से जुड़े देष नेपाल में हिंदू राश्ट्र घोशित किए जाने की मांग के लिए षंखनाद षुरू हो गया है। वहां अनेक संगठन सड़कों पर उतरकर राजषाही के पक्ष में आंदोलन कर रहे हैं। इस मांग में पुरुशों के साथ महिलाएं भी कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन में षामिल हैं। इस प्रदर्षन की अगुआई मुख्य रूप से राश्ट्रवादी राश्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी कर रही है। यह नेपाल की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी है। इस दल के प्रवक्ता मोहन श्रेश्ठ की मांग है कि नेपाल में राजषाही की पुनर्बहाली हो, देष में संघीय व्यवस्था लागू हो और इसे हिंदू राश्ट्र घोशित किया जाए। इन प्रदर्षनकारियों के हाथों में षंख थे, जिनसे लोगों ने राजधानी काठमांडू में सरकारी भवनों के सामने कान फोड़ देने वाला षंखनाद की अपनी मांगों का स्वर नेपाल के आकाष में गुंजा दिया। इस समय नेपाल में भारत में जिस तरह से धर्म और संस्कृति का पुनरुत्थान हो रहा है, उसका अनुकरण भी देखने में आ रहा है। नेपाल को 2007 में पंथनिरपेक्ष राश्ट्र घोशित किया गया था। नतीजतन 2008 में राजषाही व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। इस आंदोलन को 'राश्ट्र, राश्ट्रवाद, धर्म, संस्कृति और नागरिकों की रक्षा के लिए अभियान' का दर्जा दिया जा रहा है। 2008 में नेपाल के गणराज्य बनने के बाद से कारोबारी दुर्गा प्रसाई आंदोलन को हवा दे रहे हैं। एक समय प्रसाई के प्रधानमंत्री प्रचंड और ओली के साथ घनिश्ठ संबंध थे, लेकिन अब वह नियमित रूप से आलोचना कर रहे हैं। इसी समय राजषाही के दौर में गृहमंत्री रहे कमल थापा ने हिंदू राश्ट्र की मांग के लिए नया गठबंधन बनाया है। पूर्व नरेष ज्ञानेंद्र षाह भी एकाएक सक्रिय होकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे हैं। वह मंदिरों में भी होने वाली पूजा में षामिल हो रहे हैं। राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिश्ठा के बाद इस मांग में तेजी आई है। हालांकि यह मांग कोई नई नहीं है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा अप्रैल-2022 में भारत आए थे। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात के बाद से ही जनता में नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाये जाने मांग जोर पकड़ रही है। इस

मांग में नेपाल के मुस्लिम भी शामिल हैं। इस दोस्ताना शिखर-वार्ता से तय हुआ था कि नेपाल चीन के विस्तारवादी शिकंजे से मुक्त होने की राह पर चल पड़ा है। नेपाल ने अब भरोसा दिया है कि सीमा विवाद का राजनीतिकरण नहीं होगा और जल्द इस विवाद को द्विपक्षीय बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के चलते भारत ने नेपाल में 75 विकास परियोजनाएं जमीन पर उतारी हैं। भारत के आर्थिक सहयोग से तैयार बिहार के जयनगर और नेपाल के कुर्था तक रेल सेवा का उद्घाटन भी किया था। याद रहे दोनों देशों के बीच रोटी-बेटी के संबंध रामायण काल से चले आ रहे हैं। राम की धर्मपत्नी सीता नेपाल के जनकपुर से थीं। भारत के धार्मिक श्रद्धालुओं को यह रेल जनकपुरधाम तक पहुंचाना आसान कर देगी। हालांकि इस मुलाकात के कुछ समय बाद ही नेपाल में सत्ता परिवर्तन हुआ और मओवादी चीन से प्रभावित पुश्प कमल दहल 'प्रचंड' फिर से प्रधानमंत्री बन गए थे। दरअसल नेपाल की कम्युनिष्ट पार्टी का चीन की गोद में बैठना और भारत विरोधी अभियान चलाना देश की जनता को नागवार गुजर रहा है। राजशाही के साथ हिंदू राष्ट्र बहाली की मांग भी मुखर हुई है। नेपाल के मुसलमान भी देश को हिंदू राष्ट्र बनाने के पक्ष में हैं। नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों में शामिल राप्ती मुस्लिम सोसायटी के अध्यक्ष अमजद अली ने कहा है कि इस्लाम को बचाने के लिए यह जरूरी है। समाज के कुछ नेताओं का मानना है कि हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म होने के बाद से नेपाल में ईसाई मिशनरियां ज्यादा सक्रिय हो गई हैं। मिशनरी इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। यूसीपीएन माओवादी के मुस्लिम मुक्ति मोर्चा भी मिशनरियों के बढ़त प्रभाव को स्वीकार नहीं करता है। राष्ट्रवादी मुस्लिम मोर्चा भी देश की धर्मनिरपेक्ष पहचान नहीं चाहता है। 80 फीसद मुस्लिम आबादी देश की हिंदू पहचान बहाल करने के पक्ष में है। गौरतलब है कि राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और कई हिंदूवादी संगठन काफी समय से नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र का दर्जा देने के लिए अभियान चला रहे हैं। पिछले महीने राजनीतिक दलों के बीच नए संविधान में देश की धर्मनिरपेक्षता की पहचान खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। इसके बाद से यह मांग और तेज हो गई है। देश के सभी समुदाओं के लोग मानते हैं कि पुरानी हिंदू पहचान की बहाली का कोई विकल्प नहीं है। धर्मनिरपेक्षता हिंदू-मुस्लिम एकता तोड़ने की साजिश है। दरअसल छह साल पहले दो नेपाली युवकों को बुटवॉल में पुराने राष्ट्रगान को गाने की वजह से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ही पूरे नेपाल में इस राष्ट्रगान को गाने का सिलसिला चलने के साथ हिंदू राज की पुनरुस्थापना की मांग उठ रही है। हिमालय की गोद में बसा नेपाल एक छोटा और सुंदर देश है। पूरी दुनिया में नेपाल ही एकमात्र ऐसा देश है, जिसे आज तक कोई दूसरा देश परतंत्र नहीं बना पाया। इसलिए यहां स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाया जाता। किंतु चीन के लगातार बढ़ रहे हस्तक्षेप के चलते लोगों को लगने लगा है कि कहीं यह हिंदू धर्मावलंबी देश अपनी मौलिक संस्कृति व स्वतंत्रता न खो दे ? नेपाल एक दक्षिण एशियाई देश है। नेपाल के उत्तर में चीन का स्वायत्तशासी प्रदेश तिब्बत है। जिसे चीन निगलता जा रहा है। दक्षिण पूर्व व पश्चिम में भारत की सीमा लगती है।

दृष्टि कोण

आखिर कहां चली गई बच्चों की मस्ती और मौज

एक समय था जब गर्मियों की छुट्टियों का नाम सुनते ही गांव की खुली हवा, दादी-नानी का आंगन नीम की छांव में चहलकदमी करते बच्चें, पेड़ों में डले झूलें, परंपरागत खेल याद आने लगते थे। गर्मियां आने से पहले ही दादी-नानी, बुआ-मौसी के घरों में गर्मियों की छुट्टियों की तैयारियां शुरू हो जाया करती थी, जिनका आनंद सुहाना लगता था। दरअसल, यह एक ऐसा अवसर होता था जब परिवार के सभी भाई-बहनों का जमावड़ा एक साथ एक जगह एक ही समय पर होता था। घर का माहौल शादी-ब्याह के समारोह जैसा लगने लगता था। बच्चे भी स्कूल और पढ़ाई के तनाव से कुछ पल के लिए छूट जाते थे और प्रकृति की गोद में हस्ते खिलखिलाते थे । हालांकि स्कूल के द्वारा गृहकार्य या होमवर्क बराबर मिलता था लेकिन वह भी विशेषकर इमला-राइटिंग या निबंध-पहाड़े लेखन आदि से आगे कम ही होता था। यह एक ऐसा समय होता था जब छुट्टियों का अलग ही आनन्द होता था। जब माता-पिता बड़े-बूढ़ों के दबाव में स्कूल की छुट्टियों का काम करने का दबाव न बना पाते थे और बच्चे प्रतिदिन के जकड़न भरे नियमों से दूर हो लेते थे, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने में काम आते थे साथ ही उनकी यादों के कैलेण्डर में एक खूबसूरत सा अध्याय जुड़ जाता था जिसे वो अपनी स्मृति में संजो लेते थे। आज भी ऐसे अनगिनत किस्से हमारी यादों के पिटारे में मौजूद हैं जिनमें हमने बंधन मुक्त मौज-मस्ती से भरी छुट्टियों का आनन्द लिया था। लेकिन अब ज्यादातर मामलों में ऐसा देखने को नहीं मिलता। आज की गर्मियों की छुट्टियां पहले से विकसित हो गई हैं। आज भी गर्मियां आते ही बच्चों को जिस बात का सबसे ज्यादा इंतजार रहता है, वो है स्कूलों की छुट्टियां। बच्चों के लिए यह किसी जश्न से कम नहीं होता। लेकिन अब हम पहले जैसी छुट्टियों की स्वतंत्रता को खोते जा रहे हैं। अब हम ज्यादा विकसित और समझदार छुट्टियां गुजारने लगे हैं, जिससे बच्चों पर दबाव कम होने की बजाय उन पर अनचाहा दबाव बनाते जा रहे हैं। जिससे बच्चा एक स्कूल से निकल दूसरे स्कूल के चक्कर में फंसता जा रहा है।

शहरी संस्कृति के समर कैंप, एक्स्ट्रा क्लासेस, दुनियाभर की एक्विटीज के जाल से बच्चे अपनी छुट्टियों की आजादी को एन्जॉय ही नहीं कर पा रहे हैं। वे अब परंपरागत खेलों से अनजान होते दिखाई दे रहे हैं गिल्ली-डंडा, खो-खो, कोड़ा मार, लुका-छुप्पी, गुटटे, गिप्पा आदि अनेक खेलों का जन्म इन्हीं गर्मियों की छुट्टियों की देन है, जिन्हें आज की पीढ़ी नहीं जानती। आज की पीढ़ी इन्हें मोबाइल गेमों में तलाश रही है। जिन खेलों का जन्म ही शारीरिक विकास के लिए किया गया होगा उन्हें ऑन स्क्रीन गेम की तरह एंजॉय करना विकसित छुटटियों की देन है। बच्चों की गर्मियों की छुट्टियां ऐसी होनी चाहिए जहां सालभर की भागम-भाग से इतर, स्कूल की आपा-धापी न हो, न ही सुबह की गहरी नींद से उठने का कोई नियम बनाया जाए और उन्हें ऑनस्क्रीन खेलों में माहिर नहीं बल्कि नए-नए खेलों के स्वतंत्र रचनाकार बनाया जा सके। कोई दबाव और पाबंदी न हो। आज के दौर में जहां ज्यादातर घरों में माता-पिता दोनों ही कामकाजी हैं, वहां कुछ समय निकालकर बच्चों की छुट्टियों को यादगार बनाने का प्रयास किया जा सकता है। यह परिवार के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक कदम हो सकता है। हालांकि गर्मियों की छुट्टियां घर में थोड़ा काम बढ़ाने वाली हो सकती हैं लेकिन यह सही समय होता है जब हम अपने बच्चों को कई रचनात्मक कार्यो को करना सिखा सकते हैं, साथ ही उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से उन पर एक्स्ट्रा क्लासेज का दबाव उन्हें काम के दबाव से निपटने का रास्ता निकालने नहीं देता। हम बच्चों को इस समय आउटडोर गेम की महत्ता समझा सकते हैं, जरूरतमंदों की मदद करना सिखा सकते हैं, नए स्थानों की खोज की जिज्ञासा उत्पन्न कर सकते हैं। परिवार के साथ अलग-अलग तरह के खेलों को मिलकर खेलना सिखा सकते हैं, घर पर विज्ञान और मनोरंजन के महत्व को समझा सकते हैं, उन्हें अच्छे प्लानर बनने में मदद कर सकते हैं। उनकी गर्मियों की छुट्टियों की रूपरेखा उन्हीं के अनुसार बनाकर पढ़ाई और खेल-कूद में बराबर का ताल-मेल बैठा सकते हैं। गर्मियों की छुट्टियां आज के दौर के बच्चों के लिए पहले से भी ज्यादा खास हो जाती हैं। यदि हम कुछ विशेष बातों का ख्याल रखें तो हम अपने बच्चों की छुट्टियों को न केवल खास बना सकते हैं बल्कि उन्हें अनेक नई बातों को सीखने-समझाने का माध्यम भी बन सकते हैं। उन्हें तनाव मुक्त भी रख सकते हैं ताकि वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों को पूरा इंजॉय कर सके, जिससे वे अपने आपको पूरी ऊर्जा के साथ आने वाले नए सत्र के लिए तैयार कर सकें। साथ ही खुद को सिलेबस के बोझ तले दबा हुआ न महसूस करें बल्कि खुद को विपरीत परिस्थिति से उभारने वाले योद्धा के तौर पर तैयार करें ।

कुछ अलग

गुरु, गोविंद दोऊ खड़े...

संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा : 'गुरू, गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरू आपने, जिन गोविंद दियो बताय', हम सबने सुन रखा है। पंद्रहवीं शताब्दी के महान कवि और संत कबीर जी के सधुक्कड़ी एवं पंचमेल की खिचड़ी में रचे दोहे जनमानस में लोकप्रिय तो हैं ही, प्रेरणा का बड़ा स्रोत भी हैं। संत कबीर ने हर धर्म और वर्ग को सीख दी है। वे एक ऐसे संत थे जिन्होंने दिखावे के फालतू कर्मकांड को नकारा और सहज जीवन की व्याख्या की। गुरू की महत्ता पर उन्होंने कई दोहे रचे। अपने सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रचलित दोहे में उन्होंने गुरू को नमन करते हुए कहा कि अगर गुरू और भगवान दोनों साथ-साथ खड़े हों तो मैं पहले गुरू को नमन करूंगा क्योंकि भगवान तक पहुंचने का रास्ता गुरू ने ही दिखाया है। गुरू की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संत कबीर ने कहा कि 'गुरू बिन ज्ञान न ऊपजै, गुरू बिन मिलै न मोष, गुरू बिन लखै न सत्य को, गुरू बिन मिटै न दोष', यानी बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों में जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता, उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता, फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ, गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। इतना ही नहीं, संत कबीर ने यह भी कहा कि गुरू और पारस के अंतर को सभी ज्ञानी पुरुष जानते हैं, पारस मणि के विषय में जग विख्यात है कि उसके स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है, किन्तु गुरू तो इतने महान हैं कि अपने गुण-ज्ञान में ढालकर शिष्य को अपने जैसा ही महान बना लेते हैं। 'गुरू पारस को अन्तरो, जानत हैं सब संत, वह लोहा कंचन करे, ये करि लेय महंत', में संत कबीर ने यही कहा है। स्पष्ट है कि किसी समर्थ गुरू के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक जगत में जाने का इच्छुक व्यक्ति यूं ही गोल-गोल घूमता रह सकता है। गुरू ही सीधा और सरल मार्ग दिखा सकते हैं। संतों की महिमा इसीलिए है, जिसे हर धर्म ने स्वीकार किया है। परेशानी इसके बाद हुई जब गुरू को ही भगवान मान लिया गया। गुरू के नाम की माला पहन ली गई, गुरू की आरती शुरू हो गई और भगवान बिसर गए। कबीर दास जी ने जब 'काके लागूं पांय' कहा तो सिर्फ ये समझाना चाहा कि गुरू के बिना ज्ञान नहीं मिलता, लेकिन ज्ञान तो परमात्मा का मिलता है न? फिर परमात्मा की महत्ता कम कैसे हो गई? गुरू, सिर्फ गुरू है, गोविंद नहीं, राह तो गोविंद तक जाने की है, परमात्मा तक जाने की है। गुरू भगवान नहीं है। गुरू नानक देव जी ने हर जगह राम-राम जपा है। दसों गुरुओं ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। संत रविदास ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। बाकी संतों ने भी परमात्मा के ध्यान की बात कही है, किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि मुझे पूजो। किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि भगवान को छोड़क़र मेरी माला जपो। 'सहज संन्यास मिशन' में भी हम यही कहते हैं कि कोई गुरू आपको अध्यात्म की सीढियां चढऩा तो सिखा सकता है, पर वह आपका कोच है, आपका ट्रेनर है, आपका मैंटॉर है, और हम सब भगवान का प्रतिरूप हैं, इस रूप में गुरू भी भगवान है, पर भगवान का विकल्प नहीं है, परमात्मा का सब्स्टीट्यूट नहीं है। हम फिर सिर्फ गुरू को ही भगवान मानकर नहीं पूजते, बल्कि इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में भगवान के दर्शन करते हैं। हर धर्म की तरह 'सहज संन्यास मिशन' की भी यही मान्यता है कि परमात्मा को हम किसी भी नाम से पुकारें, या किसी भी रूप में पहचानें, परमात्मा एक ही है और इसी एक कारण से घट-घट में है।

देश दुनिया से

संस्कृतिविहीन और पथभ्रष्ट होता हिमाचली युवा

आज हमारे हजारों युवक युवतियां जहां शिक्षा से प्राप्त ताकत के बलबूते भारत और विदेशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजवा रहे हैं, तो वहीं कुछ युवाओं का रुझान शिक्षा में कम और आवारागर्दी में ज्यादा व्यतीत हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचलियों की जीवनशैली और मानसिकता में काफी बदलाव आ चुके हैं। अब हिमाचली पहले वाले शांत, धीर गंभीर और धैर्यवान नहीं रहे हैं। भौतिकतावाद, अमीरी-गरीबी की बढ़ती खाई, नशे के बढ़ते प्रचलन और दिखावटी संस्कृति का प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर भी पड़ा है। कई बिगड़ैल युवा अच्छी तरह से पढ़-लिखकर कुछ बनने की बजाय गलत संगत के चलते पहले पढ़ाई लिखाई से विमुख होकर फिर नशे के आदी बनकर और आवारागर्दी करते हुए अपनी युवावस्था के चुनिंदा बेहतरीन वर्षों को बर्बाद कर मानसिक अवसादग्रस्त होकर परिवारों और समाज के लिए एक नासूर बन चुके हैं।

हिमाचल प्रदेश ने विकास पथ पर 1948 से लेकर आज तक एक लंबा सफर तय किया है और उसका लाभ अनेकों क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा साक्षरता के क्षेत्र में भी दर्ज हुआ है। आज हमारे हजारों युवक युवतियां जहां शिक्षा से प्राप्त ताकत के बलबूते भारत और विदेशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजवा रहे हैं, तो वहीं कुछ युवाओं का रुझान शिक्षा में कम और आवारागर्दी में ज्यादा व्यतीत हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचलियों की जीवनशैली और मानसिकता में काफी बदलाव आ चुके हैं। अब हिमाचली पहले वाले शांत, धीर गंभीर और धैर्यवान नहीं रहे हैं। भौतिकतावाद, अमीरी-गरीबी की बढ़ती खाई, नशे के बढ़ते प्रचलन और दिखावटी संस्कृति का प्रभाव हमारी युवा पीढ़ी पर भी पड़ा है। कई बिगड़ैल युवा अच्छी तरह से पढ़-लिखकर कुछ बनने की बजाय गलत संगत के चलते पहले पढ़ाई लिखाई से विमुख होकर फिर नशे के आदी बनकर और आवारागर्दी करते हुए अपनी युवावस्था के चुनिंदा बेहतरीन वर्षों को बर्बाद कर मानसिक अवसादग्रस्त होकर परिवारों और समाज के लिए एक नासूर बन चुके हैं। हिमाचल में अब रोजाना नशीले पदार्थों और मार-काट की खबरें आम हो गई हैं। ताजा घटनाक्रम में एक सिरफिरे युवक द्वारा पालमपुर के स्थानीय कन्या महाविद्यालय की छात्रा पर दराट से किया गया जानलेवा हमला सुर्खियों में है। घटना इतनी वीभत्स थी कि लडक़ा सीसीटीवी फुटेज में युवती पर लगभग एक दर्जन वार करता दिख रहा है। शुक्र है कि युवती की जान बच गई। इससे पहले शिमला के माल रोड इलाके में एक युवक की तेज धारदार हथियार से हत्या किए जाने का मामला सामने आया था। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। वहीं पालमपुर बस अड्डे के पास घटी घटना से लोगों में पुलिस के प्रति भारी रोष है। एक नागरिक सोशल मीडिया में लताड़ लगाते हुए लिखते हैं कि थोड़ी सी शर्म कर लो, पालमपुर पुलिस चालान काटने को हर मोड़ पर तैनात रहते है, लेकिन आम पब्लिक को सुरक्षा कौन मुहैया करवाएगा? घटना को लेकर अब युवतियों के अभिभावक भी चिंता में हैं। यह नितांत सत्य है कि आप हिमाचल के किसी भी महत्वपूर्ण स्थल या शहर में चले जाईये आपको पुलिस नाम की कोई व्यवस्था देखने को नहीं मिलेगी। सिर्फ बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था के लिए चंद कर्मी दिख जाएंगे, लेकिन हथियारबंद पुलिस सुरक्षाकर्मी कहीं नहीं दिखेंगे जिससे आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा जगे। थानों में पुलिस कर्मचारियों का नितांत अभाव है और अफसरशाही की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है कि वह क्या देख रही है? कार्रवाई करने और तफ्तीश करने वाले पुलिस कर्मियों पर काम का दबाव बढ़ गया है और पुलिस गश्त न के बराबर ही है। यह चिंता का विषय है कि कहीं कहीं लडक़ों के साथ लड़कियां भी नशे में धुत देखने को मिल रही हैं। कई लड़कियां घरों से निकलकर लडक़ों से दोस्ती के नाम पर सुनसान इलाकों में विचरण करती दिख जाएंगी। लड़कियों से भी मर्यादित आचरण की अपेक्षा है। आज छोटी मोटी बात पर आपा खोकर लोगों द्वारा अपराध की घटनाओं को अंजाम देने के मामलों में दोषपूर्ण परवरिश, सामाजिक माहौल को दोषी करार दें या गलत संगत को, यह समस्या

मनोवैज्ञानिकों के विवेचन व विश्लेषण का विषय है। पुलिस के लिए भी इस प्रकार के मसले और अपराधियों की विकृत मानसिकता चिंता का कारण बनी हुई है। बच्चों और युवा मन तथा दिमाग पर अपराध से जुड़ी फिल्मों, वेब सीरीज और फेसबुक में परोसी जा रही गंदी रील्स का बुरा असर पड़ रहा है जो उन्हें आपराधिक कार्यों के लिए प्रेरित करती हैं। यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में आईटी क्रांति के चलते लोगों के सामाजिक संपर्कों और मेलमिलाप में कमी आई है और रिश्तों में दूरियां बढ़ी हैं और स्नेह, अपनत्व और आपसी सद्भाव घट गया है। वर्तमान समय में युवा अपने दिन का अधिकांश समय इंटरनेट, सोशल नेटवर्किंग प्लेटफार्मों पर बिताता है और साइबर अपराध, साइबर बुलिंग और हिंसक वीडियो गेम सहित गंदी वीडियो देखने के लिए अभिशप्त है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि बच्चे देश के भावी नागरिक होते हैं। लिहाजा उनके पालन पोषण, शिक्षा और विकास के मद्देनजर घर परिवार, स्कूल एवं समाज में बेहतरीन शैक्षिक और सुसंस्कृत वातावरण तैयार करना माता-पिता तथा समाज का दायित्व बनता है। यदि हम बच्चों को नैतिकता से परिपूर्ण आदर्श नागरिक बनाने में चूक गए तो समझो वे आगे चलकर उद्दंड एवं आपराधिक गतिविधियों के सरगना ही बनेंगे।

आप का नजरिया

ढर्रे में मशगूल कब तक

हिमाचली नजरिए के सूत्रधार हर चुनाव को पुकारते हैं, लेकिन बहुत कम ऐसे चेहरे हैं जिन्हें मुकम्मल जहां मिलता है। विधायक प्राथमिकताओं के अक्स में हमारे प्रतिनिधि उन्हीं घिसे-पिटे मंतव्यों के पीछे भागते हुए नजर आते हैं। वर्षों बाद भी हम पर्यटन की वकालत में सिर ढूंढते हैं, लेकिन यह नहीं सोच पाए कि इस क्षेत्र में अति अव्वल होने की प्राथमिकता क्या है। इसी तरह उद्योगों की धूल में बीबीएन को ढांप दिया, लेकिन हिमाचली युवा की क्षमता में धंधे शुरू नहीं कर पाए। स्वरोजगार या उद्यमशीलता के न पाठ्यक्रम और न ही प्रतिस्पर्धा पैदा हुई। नवाचार की काबिलीयत में हमारी उच्च शिक्षा या तकनीकी ज्ञान पहुंचा ही नहीं। ताज्जुब यह कि हमारे उच्च शिक्षित बच्चे चंडीगढ़, गुडग़ांव, मोहाली, नोएडा, दिल्ली, पुणे, हैदराबाद, मुंबई व बेंगलूर जैसे शहरों के आईटी क्षेत्र में सम्मानित स्थान और पगार पा रहे हैं, लेकिन हिमाचल की सियासत ने आज तक कोई आईटी पार्क स्थापित नहीं होने दिया। वैसे वर्तमान सरकार में कैबिनेट रैंक प्राप्त आईटी सलाहकार हैं, लेकिन उनके ही जिला का चैतड़ू आईटी पार्क उपेक्षा की सूलियों पर टंगा है। हमारे भीतर राजनीतिक इच्छा शक्ति होती तो प्रदेश में कम से कम आधा दर्जन आईटी पार्क अब तक सॉफ्टवेयर ज्ञान को आसरा दे चुके होते। हमारे नेता कब से पारंपरिक मेलों को सियासी मेलों में परिवर्तित कर चुके हैं, लेकिन लोक कलाकार बेरोजगार बनकर खड़ा है। अगर कायदे से मेलों, सांस्कृतिक समारोहों, पारंपरिक व धार्मिक त्योहारों का सही प्रबंधन करें, तो इससे पैदा होती आर्थिकी से लोक कलाओं और लोक कलाकार को प्रश्रय मिलता। हमारे विकास का राज्य स्तरीय नक्शा नहीं और न ही युवा क्षमता को रास्ता मिलता है। ऐसे में जो सफल हुए, उन्होंने देश-विदेश के ज्ञान से ही बहुत कुछ पाया, लेकिन सियासत निजी क्षेत्र को अपनाने से कतराती है। यह दीगर है कि बीबीएन के आसरे भी एक सियासत पनपती है और खड्डों की रेत को छानकर राजनीति की आलंबरदारी परवान चढ़ती है। काश! मतदाता नेताओं को उनके नजरिए पर तौलते। नजरिया किसी विधानसभा क्षेत्र में खुलने वाला बस डिपो, कालेज और कोई कार्यालय नहीं, बल्कि रोजगार की अधोसंरचना में किया गया प्रयास है। कभी हिमाचल का सेब आधारित उद्योग पूरे देश को जूस पिलाने लगा था, लेकिन अब सब उजड़ गया। ब्रांड हिमाचल के नाम पर आज भी भुट्टिको के मार्फत हमें एक हिमाचली टोपी, शाल व स्कार्फ मिल रहा है या स्वयं सहायता समूहों ने सिड्डू की खुशबू विदेशों तक फैला दी, वरना राजनीतिक लफ्फाजी ने हर संभावना को ताक पर रख दिया। ऐसे में सिने टूरिज्म को अगर राज्य अपना लेता तो प्रदेश की ब्रांडिंग में आर्थिक तरक्की के साथ लोक कलाकारों का भी प्रोफेशन आगे बढ़ जाता। पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने फिल्म सिटी की वकालत करते हुए जो संभावनाएं देखी हैं, उनको वर्षों से महसूस करके भी यह राज्य अपने ढर्रे में मशगूल है। ऐसा नहीं कि नीति नियंता फिल्म पॉलिसी तक नहीं पहुंचे, लेकिन इसकी फर्ज अदायगी खेल नीति की तरह हो गई।

विरासत टैक्स सीधे मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालेगा, मतदान के बाद बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बंगलूरू में मतदान करने के बाद विरासत टैक्स पर बात की। उन्होंने कहा कि यह मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालता है, जिससे उनकी गाढ़ी कमाई प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, यह (विरासत टैक्स) सीधे मध्यम वर्ग पर प्रहार करता है। वे कड़ी मेहनत करते हैं, उनका पसीना और मेहनत इधर-उधर की छोटी-छोटी बचतों के रूप में बचती है, या तो वे सपनों का घर खरीद लेते हैं या कुछ फिक्स्ड डिपॉजिट रख लेते हैं। अगर विरासत टैक्स लगाई जाती है तो ये सभी प्रभावित होंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने ये बातें बेंगलुरु में लोकसभा चुनाव के लिए अपना वोट डालने के बाद कही।

मेहनत की कमाई से पैसे बचाने के लिए किसी को दंडित नहीं किया जाना चाहिए – बंगलूरू के जयनगर में मतदान के बाद वित्त मंत्री सीतारमण ने विरासत टैक्स पर बात की। इस दौरान उन्होंने कड़ी मेहनत करने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों पर विरासत टैक्स लगाने से पड़ने वाले प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। वित्त मंत्री की ओर से यह प्रतिक्रिया सैम पित्रोदा की ओर से विरासत टैक्स पर चर्चा शुरू करने के बाद आई। उन्होंने कहा कि केवल अपना बचत बनाए रखने के लिए पैसे जोड़ने वालों को दंडित करने से पिछले कई दशकों में हासिल आर्थिक लाभ सामाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 1968 में एक अनिवार्य जमा योजना थी जहां लोगों की जमा राशि 18 प्रतिशत 20 प्रतिशत थी। इसमें से कुछ छीन लिया गया। उस समय उसका कोई कारण नहीं बताया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि अगर धन सर्जकों को सिर्फ इसलिए दंडित किया जाएगा कि उनके पास कुछ पैसा बचा हुआ है, तो पिछले दस वर्षों में हुई भारत की प्रगति शून्य हो जाएगी।

कांग्रेस के राज में एक समय ऐसा था जब लोगों को 90 प्रतिशत कर देना पड़ता था – सीतारमण ने कांग्रेस के समय की उस स्थिति को भी याद किया जब 90 प्रतिशत कर की दर लागू की गई थी वित्त मंत्री ने इसके साथ ही समाजवादी मॉडल और वर्तमान सरकार के दृष्टिकोण के बीच विरोधाभास का भी उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने कहा, कांग्रेस ने 90 प्रतिशत कर लगाया था। आप शायद विश्वास नहीं करेंगे कि वर्तमान पीढ़ी को इसके बारे में कुछ भी याद नहीं होगा या पता भी नहीं होगा। एक ऐसा भारत था जहां कांग्रेस के शासन में हम अपने द्वारा अर्जित सभी आय का 90 प्रतिशत कर के रूप में भुगतान करते थे। क्या यह वह समाजवादी मॉडल है जिसके साथ कांग्रेस पार्टी सहज है।

न्यूज़ ब्रीफ

साइबर ठगी पर नकेल, संदिग्ध खाते होंगे फ्रीज, आरबीआई निर्देशों में जल्द करेगा बदलाव

नई दिल्ली । सरकार साइबर अपराधों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संदिग्ध बैंक खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज करने की योजना बना रही है। तीन सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इसके लिए जल्द ही अपने दिशानिर्देशों में बदलाव कर सकता है। नए निर्देशों के तहत, बैंकों को यह अधिकार मिल जाएगा कि वे ऐसे संदिग्ध खाते अस्थायी रूप से बंद कर सकेंगे। यह योजना तब सामने आई है, तब आंतरिक सरकारी आंकड़ों से पता चला कि साइबर धोखाधड़ी के कारण 2021 से वित्तीय संस्थानों में करीब 1.26 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अनुमान के मुताबिक, हर दिन धोखाधड़ी वाले करीब 4,000 खाते खोले जाते हैं। प्रतिदिन हजारों भारतीयों के बैंक खातों में फोन कॉल के जरिये सेंध लगाने की कोशिश की जाती है। पीड़ितों को पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से मिल सकेगी मुक्ति सूत्रों ने कहा, ऐसी घटनाओं पर नकेल कसने के लिए आरबीआई बैंकों को संदिग्ध खातों के फ्रीज करने का अधिकार दे सकता है। इससे पीड़ितों को पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से मुक्ति मिलेगी। अभी बैंक ऐसे खातों को तब फ्रीज करते हैं, जब पुलिस रिपोर्ट दर्ज करती है। इस प्रक्रिया में लंबा समय लग जाता है। बदमाशों के अन्य खाते भी किएजाएंगे निलंबित सूत्रों में एक ने कहा, बैंकिंग नियामक गृह मंत्रालय की साइबर धोखाधड़ी से लड़ने वाली एजेंसी भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली जानकारी के आधार पर बैंकों के लिए अपने दिशानिर्देश में संशोधन करेगा। इसके तहत, बदमाश खाताधारकों के नाम और विवरण का उपयोग अन्य बैंकों में खोले गए अधिक खातों को उजागर कर उन्हें भी निलंबित करने के लिए किया जाएगा। सरकार ने पिछले तीन महीनों में ऐसे 2.50 लाख संदिग्ध खातों को निलंबित किया है।

भारत का सेवा निर्यात 11 फीसदी बढ़कर 345 अरब डॉलर पहुंचा, चीन में 10 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने 2023 में 345 अरब डॉलर के सेवाओं का निर्यात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में 11.4 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में चीन का सेवा निर्यात 10.1 फीसदी घटकर 381 अरब डॉलर रह गया। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक, भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ाने वाले क्षेत्रों में यात्रा, परिवहन, मेडिकल और आतिथ्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हालांकि, 2023 में भारत का सेवा आयात एक साल पहले की तुलना में 0.4 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 248 अरब डॉलर रह गया। उद्योग से जुड़े एक विशेषज्ञ ने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) व इस पर आधारत सेवाओं और यात्रा का निर्यात मजबूत हो रहा है। उभरते बाजारों में अपार संभावनाएं यूएनसीटीएडी ने में कहा, भारत का सेवा निर्यात ऐतिहासिक रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में केंद्रित रहा है।

422 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स तक पहुंचा स्नैपचैट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट इस साल पहली तिमाही में 422 मिलियन डेली एक्टिव यूजर्स तक पहुंच गया, जो 39 मिलियन या 10 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि है। पहली तिमाही में, इसकी मूल कंपनी स्नैप का राजस्व 21 प्रतिशत (सालाना) बढ़कर 1.195 बिलियन डॉलर हो गया, जो इसके विज्ञापन प्लेटफॉर्म में किए गए सुधारों और इसके डायरेक्ट-रिस्पांस (डीआर) विज्ञापन समाधानों की मांग में वृद्धि से प्रेरित है। कंपनी ने एक बयान में कहा, हम अपने राजस्व स्रोतों में प्रगति जारी रख रहे हैं, पहली तिमाही में स्नैपचैट प्लस के सब्सक्राइबर्स की संख्या 9 मिलियन से ज्यादा हो गई। तिमाही में, ग्लोबल स्तर पर कंटेंट देखने में बिताए गए कुल समय में साल-दर-साल वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से स्पॉटलाइट और क्रिएटर स्टोरीज देखने में बिताए गए कुल समय में मजबूत वृद्धि के चलते हुई। कंपनी ने बताया, स्पॉटलाइट कंटेंट देखने में बिताया गया कुल समय साल-दर-साल 125 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। स्नैप ने कहा कि कंटेंट जुड़ाव को और गहरा करने के लिए वह तीन प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस कर रहा है। कंपनी ने कहा, सबसे पहले, हम अपनी सभी कंटेंट सरफेस पर कंटेंट रैंकिंग और पर्सनलाइजिंग में सुधार के लिए अपने मशीन-लर्निंग (एमएल) मॉडल में निवेश करना जारी रखेंगे। दूसरा, हम क्रिएटर्स को समर्थन और पुरस्कृत कर क्रिएटर कम्युनिटी और कंटेंट की विविधता को बढ़ा रहे हैं। इसके आगे कहा गया, तीसरा, हम अपनी सर्विस में संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कंटेंट एक्सपीरियंस और फीचर्स को बढ़ा रहे हैं।

30 लाख से शुरुआत, आरबीआई का डंडा चला तो कोटक के संस्थापक के एक दिन में ही डूबे 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । गुजरात के एक कारोबारी ने साल 1985 में दोस्तों और परिवारवालों से 30 लाख रुपये जुटाकर एक निवेश कंपनी की शुरुआत की। आगे की यात्रा में देश और दुनिया के बड़े-बड़े निवेशक के साथ उनकी साझेदारी हुई और एक दिन नींव पड़ी कोटक महिंद्रा बैंक की। गुजरात के जिस कारोबारी की हम बात कर रहे हैं वे हैं उदय कोटक। एशिया का सबसे अमीर बैंकर बनने के लिए उदय कोटक ने दशकों की मेहनत से कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड खड़ा किया, पर अब उनका बैंक गलत कारणों से चर्चा में है। आरबीआई ने बैंक के खिलाफ कार्रवाई की है।

आरबीआई की कार्रवाई के बाद कोटक महिंद्रा बैंक को दिन मार्केट कैप के लिहाज से बड़ा झटका लगा। शेयरों में गिरावट से बैंक के संस्थापक उदय कोटक को एक ही दिन में करीब 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान उठाना पड़ा है।

आरबीआई की कार्रवाई से बैंक के शेयरों पर क्या असर पड़ा – आरबीआई की ओर से डिजिटल चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिए जाने के बाद कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लगभग 11 प्रतिशत तक टूट गए। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर एनएसई पर 197.80 (10.73 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 1,645.00 रुपये के भाव पर बंद हुए। बैंक में 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक और संस्थापक उदय कोटक को इस बिकवाली से खासा नुकसान उठाना पड़ा है। कंपनी के शेयरों में पिछले चार वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बैंक के शेयरों में गिरावट से उदय कोटक की संपत्ति में 1.3 बिलियन डॉलर यानी करीब 10,831.6 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 24 अप्रैल तक उनकी संपत्ति 14.4 अरब डॉलर (1,19,980 करोड़ रुपये) थी।

कोटक महिंद्रा बैंक का मार्केट कैप कितना कम हुआ – इस बीच, कोटक महिंद्रा बैंक की प्रतिद्वंद्वी एक्सिस बैंक सितंबर 2016 के बाद पहली बार बाजार पूंजीकरण के मामले में उससे आगे निकल गई। कोटक महिंद्रा बैंक के मार्केट कैप में करीब 39,768.36 करोड़ रुपये की गिरावट आई। बैंक का मार्केट कैप करीब 3,66,383 करोड़ रुपये था जो महज 3,26,615.40 करोड़ रुपये रह गया।

कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर टूटने से एलआईसी को कितना नुकसान – म्यूचुअल फंड कोटक महिंद्रा बैंक में लगभग 12.82 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर की कीमतों में तेज गिरावट से उन्हें करीब 5000 करोड़ रुपये का अनुकसान होने की आशंका है। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक में भारतीय जीवन बीमा निगम की 6.46 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बीमा कंपनियों की 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस तरह कोटक के शेयरों में गिरावट का मतलब है कि बीमा कंपनियों को करीब 3456 करोड़ का नुकसान हुआ, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम को भी इस बिकवाली में करीब 2569 करोड़ रुपये गंवाने पड़े हैं।

कोटक पर आरबीआई की कार्रवाई क्यों महत्वपूर्ण है – भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक पर अपनी कार्रवाई के लिए बैंक की प्रौद्योगिकी प्रणालियों में लगातार जारी खामियों का हवाला दिया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, कोटक की प्रौद्योगिकी प्रणालियों में खामियों का नुकसान उसके ठप पड़ने से ग्राहकों को को उठाना पड़ता है। आरबीआई की यह कार्रवाई कितनी महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता कि बैंक ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजों में बताया था कि उसके बचत खातों में 98 प्रतिशत लेनदेन डिजिटल तरीके से या बैंक शाखाओं पर पहुंचे बिना किए गए।

कार्रवाई के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने क्या कहा – नियामकीय कार्रवाई के जवाब में कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा है कि उसने अपने आईटी सिस्टम को मजबूत करने के लिए नई तकनीकों को अपनाने के लिए कदम उठाए हैं और जल्द से जल्द बाकी बचे मुद्दों को भी तेजी से हल करने का काम जारी रखेगा। मुद्दों को तेजी से हल करने के लिए आरबीआई के साथ काम करना जारी रखेगा। आरबीआई की हालिया कार्रवाई पर बैंक के सीइओ अशोक वासवानी ने कहा कि बैंक प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है और जल्द ही नियामक की ओर से उठाए गए सवालों का हल निकाल लिया जाएगा।

क्या पहले भी बैंक और आरबीआई के बीच तल्खी रही है – आरबीआई की ओर से कोटक महिंद्रा बैंक पर की गई यह कार्रवाई उदय कोटक और केंद्रीय बैंक के बीच का पहला मामला नहीं है, जिससे जटिल हालात बने। इससे पहले अरबपति भारत के केंद्रीय बैंक को बैंक (कोटक महिंद्रा बैंक) में अपनी हिस्सेदारी के आकार को लेकर अदालत तक लेकर गए थे। हालांकि कोटक अंततः 2020 में अपने स्वामित्व को कम करने पर सहमत हुए, जिससे विवाद समाप्त हो गया। इस साल की शुरुआत में ही कोटक ने लंबे समय तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पर रहने के बाद अशोक वासवानी को बागडोर सौंपी।

कोटक महिंद्र बैंक की शुरुआत कैसे हुई – गुजरात के रहने वाले उदय कोटक ने साल 1985 में परिवार और दोस्तों की मदद से 30 लाख रुपये (41000 डॉलर) लोन लेकर एक निवेश कंपनी की स्थापना की थी। इसके अगले वर्ष उन्होंने इस कंपनी को चलाने के लिए महिंद्रा समूह के साथ साझेदारी की। आगे चलकर उदय कोटक के साथ साझेदार के रूप में गोल्डमैन सैक्स ग्रुप जुड़ा। आगे चलकर यही कंपनी कोटक महिंद्रा बैंक बन गई जो अब आरबीआई की कार्रवाई के बाद चर्चा में है। लंबे समय तक बैंक के सीईओ रहे उदय कोटक ने साल 2006 में गोल्डमैन सैक्स के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर बैंक पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी।

क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला

आईसीआईसीआई बैंक ने 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक किए

नई दिल्ली, 26 अप्रैल। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद उसने लगभग 17 हजार क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था।

सोना 71 हजार, चांदी 82,000 के पार

नई दिल्ली । देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। पिछले दिनों गिरावट के बाद अब दोबारा सोने-चांदी में उछाल आया है। शुरुआत से एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोने की कीमत बढ़कर 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गई हैं। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 जून 2024 की डिलीवरी वाला सोना 180 रुपये की बढ़त के साथ 71,394 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। सोना बढ़त के साथ 71,212 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला है। 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना 210 रुपये की तेजी के साथ 71,404 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर 3 मई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 82,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 21.9 बिलियन की शुद्ध आय की दर्ज, एआई पर लगाया बड़ा दांव

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी तीसरी तिमाही में 61.9 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया है, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि शुद्ध आय 20 प्रतिशत बढ़ कर 21.9 अरब डॉलर हो गई है।

माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष और सीईओ सत्या नडेला के अनुसार, को-पायलट और को-पायलट स्टैक एआई ट्रांसफॉर्मेशन के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, जिससे हर रोल और इंडस्ट्री में बेहतर बिजनेस के परिणाम सामने आ रहे हैं।

अर्निंग कॉल के दौरान उन्होंने एनालिस्ट से कहा, हमारा एआई इनोवेशन ओपनएआई के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ा रहा है। फॉर्च्यून 500 के 65 प्रतिशत से ज्यादा लोग अब एज़्योर ओपनएआई सर्विस का उपयोग करते हैं।

31 मार्च को समाप्त तिमाही में माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड का राजस्व 35.1 बिलियन डॉलर था, जो साल-दर-साल 23 प्रतिशत अधिक था।

नडेला ने कहा, कुल मिलाकर, हम सभी इंडस्ट्री के लीडर्स से बड़े एज्योर डील्स में बढ़ोतरी देख रहे हैं, जिसमें क्लाउड सॉफ्टवेयर ग्रुप और कोका-कोला कंपनी द्वारा इस महीने घोषित अरबों डॉलर से ज्यादा, बहुवर्षीय प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के पास अब 350,000 से ज्यादा पेड कस्टमर हैं।

गिटहब को-पायलट पर, 1.8 मिलियन पेड सब्सक्राइबर हैं और तिमाही दर तिमाही 35 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हो रही है। नडेला ने कहा, हम शुरुआत में उपयोग की तीव्रता में वृद्धि देख रहे हैं, जिसमें टीमों में प्रति यूजर को पायलट-असिस्ट वाले इंटरैक्शन की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि, बिजनेस प्रोसेस वर्कफ्लो और एंटरप्राइज नॉलेज के साथ ग्रुप एक्टिविटी को जोड़ना शामिल है। जब डिवाइस की बात आती है, तो विंडोज में को-पायलट अब लगभग 225 मिलियन विंडोज 10 और विंडोज 11 पीसी पर उपलब्ध है, जो तिमाही दर तिमाही में दो गुना ज्यादा है।

लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की मिलेंगे शानदार फीचर्स और डिजाइन

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । हाल ही में लावा कंपनी ने नई स्मार्टवॉच लॉन्च की हैं। यह वॉच कोरनिंग गोरिल्ला ग्लास 3 और हाई एक्यूरेसी के साथ लॉन्च हुई इस वॉच की कीमत भी बहुत कम है। इस वॉच की शुरुआत 2,599 रुपए से होती है। इसकी मदद से हेल्दी लाइफस्टाइल और एक्टिव फीचर्स मिलते हैं।

लावा की इस स्मार्टवॉच में आपको 1.43 इंच अमोलेड डिस्प्ले भी दिया जा रहा है जो 466*466 रेजोल्यूशन के साथ आता है। इसमें आपको हेल्थ फीचर्स भी अलग से दिए जाते हैं और 110 से ज्यादा स्पोर्ट्स मोड्स भी मिलते हैं। स्मार्ट नोटिफिकेशन, 150 वॉच फेस और फास्ट चार्जिंग भी इसका एक फीचर है। यूजर एक्सपीरियंस भी इससे काफी अलग होने वाला है। क्योंकि ये लाइट वेट भी है जो आपको काफी लंबी बैटरी लाइफ भी देती है। लावा की तरफ से अपनी इस वॉच की 24 महीने की वारंटी दी जा रही है। यानी आपको 2 साल तक बिल्कुल चिंता करने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि एक बार खरीदने के बाद आपको लंबे समय तक कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। ट्रैकिंग हेल्थ और अन्य फीचर्स भी इसे काफी अलग बनाते हैं।

हाई परफॉर्मेंस रियलटेक चिपसेट आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस ऑफर करता है। आईपी 68 वॉटर रेसिसटेंट रेटिंग की वजह से आपको बिल्कुल अलग एक्सपीरियंस भी होने वाला है। प्रोवॉच वीएन भी ऐसा ही प्रोडक्ट है और इसे खरीदने के लिए आपको 1,999 रुपए खर्च करने होंगे। प्रोवॉच झेन और वीएन को आप 26 अप्रैल दोपहर 12 बजे से खरीद सकते हैं।प्रोवॉच झेडएन वर्जन को 2 वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। पहला वालीरियान ग्रे और ड्रेगनग्लास ब्लेक में लाया गया है। नॉर्मल यूसेज में आपको 7 दिन का नॉर्मल यूसेज टाइम मिलने वाला है।

जीडीपी की रफ्तार सबसे तेज, दुनिया में मंदी की आशंका घटी, वित्त मंत्रालय का दावा

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) । वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। मजबूत वृद्धि, मूल्य स्थिरता और बाहरी क्षेत्र के स्थिर दृष्टिकोण से भारत के आशाजनक आर्थिक प्रदर्शन को समर्थन मिल रहा है। इसके साथ ही, वैश्विक आर्थिक वृद्धि परिदृश्य एक बार फिर उत्थान की राह पर है। इससे मंदी की आशंकाएं घटी हैं और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी की स्थिति बन रही है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव चिंता का विषय बना हुआ है।वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी मार्च की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और आरबीआई ने भारत के लिए चालू वित्त वर्ष का वृद्धि संबंधी नजरिया सकारात्मक रखा हुआ है। यह बताता है कि वैश्विक स्तर पर मुश्किल हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने हाल ही में जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में 2023-24 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया है।

चुनौतियों के बावजूद अलग दिख रहा भारत – रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में प्रगति के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन असमानताएं बरकरार हैं। प्रमुख संकेतक जहां आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और भू-राजनीतिक तनाव में कमी का इशारा कर रहे हैं, वहीं हाल के संघर्षों से जोखिम पैदा हो रहे हैं। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के साथ अलग दिख रहा है। भारत सभी क्षेत्रों में व्यापक आधार वाली वृद्धि दर्शा रहा है और वैश्विक वृद्धि के समर्थन में अपनी अहम भूमिका का दावा कर रहा है।

व्यापार घाटे में आई कमी – वैश्विक सुस्ती से भारत के निर्यात और आयात में नरमी आई है। 2023-24 में वस्तु व्यापार घाटे में कमी आई है। इसकी वजह...आयात की तुलना में निर्यात में कम गिरावट है। हालांकि, गैर-पेट्रोलियम और गैर-र प्रतिशत एवं आभूषण निर्यात ने पिछले कुछ माह में निरंतर वृद्धि के साथ जुझारूपन दिखाया है।

विदेशी मुद्रा भंडार : 11 माह के आयात के लिए पर्याप्त – देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी अप्रैल, 2024 में सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भंडार 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है।

सनराइजर्स आईपीएल 2024 सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आईपीएल में इस बार अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचाने वाली : सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने अबतक आईपीएल के इस सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में जैसे ही पहला छक्का लगाया वैसे ही सनराइजर्स इस सत्र में 100 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई। ये पहली बार है जब सनराइजर्स ने किसी सत्र में 100 से ज्यादा छक्के लगाये हैं। इस बार टीम ने 8वें मैच में ही अपने 100 छक्के पूरे कर लिए। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने इससे पहले साल 2022 सत्र में 97, 2016 सीजन में 89 जबकि 2018 सत्र में 88 छक्के लगाए थे। अब 8 मैचों में ही उसके नाम 108 छक्के हो गये हैं।

वहीं पिछले सीजन में मुंबई ने सबसे ज्यादा 140 छक्के लगाये थे। इस सत्र में सनराइजर्स अब तक 101 छक्के लगाकर शीर्ष पर है। वहीं आरसीबी 90 छक्के लगाकर उसके सबसे करीब है। वहीं दिल्ली कैपिटलस के बल्लेबाज 86 जबकि मुंबई के बल्लेबाजों ने अब तक 85 शतक लगाये हैं।

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने सत्र में सबसे कम 39 छक्के लगाए हैं। वहीं, चेन्नई ने 65, पंजाब ने 61, कोलकाता ने 69, लखनऊ ने 62 तो राजस्थान ने 64 छक्के लगाए हैं। वहीं आंकडों पर नजर डालें तो आईपीएल 2023 के 74 मैचों में रिकॉर्ड 1124 छक्के लगे थे जोकि आईपीएल इतिहास के एक सत्र में लगे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वहीं इस सत्र में केवल 41 मैचों में 700 से ज्यादा छक्के लग चुके हैं। बता दें कि आईपीएल के 2022 सीजन में 1062, 2018 सीजन में 872, 2019 में 784, 2020 में 734 छक्के लगे थे।

न्यूज़ ब्रीफ

इंपैक्ट खिलाड़ी नियम ऑलराउंडरों के लिए नुकसानदेह : अक्षर

नई दिल्ली । स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा है इंपैक्ट खिलाड़ी नियम पर फिर से विचार किया जाना चाहिये। अक्षर के अनुसार इससे ऑलराउंडर की भूमिका खतरे में पड़ रही है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इस नीयम पर सवाल उठाये थे। अक्षर ने कहा, 'एक ऑलराउंडर होने के नाते मेरा मानना है कि इससे हमारा भविष्य संकट में आ जाएगा क्योंकि हर टीम इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर ये तो एक विशेषज्ञ बल्लेबाज चाहती है या गेंदबाज। इस प्रकार ऑलराउंडर के लिए अवसर कम हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम के होने से हर टीम यह सोचकर उतरती है कि उसके पास छह बल्लेबाज या गेंदबाज हैं। इससे कई बार संशय भी हो जाता है। ऐसे में क्रिकेट बोर्ड को इसे लेकर फिर से विचार करना चाहिये। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के सलाहकार ऑस्ट्रेलिया के एडम वोग्स ने भी कहा है कि इस नियम पर दोबारा विचार किया जाना चाहिये। उनके अनुसार इसकी जगह पर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग का 'पावर सर्ज' होना चाहिये। इसमें बल्लेबाजी टीम को फील्डिंग पांबदियों के दो ओवर के चरण पर फैसले की अनुमति होती है। 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम पिछले सत्र में शामिल किया गया था और इस सत्र में इसपर कई खिलाडियों ने सवाल उठाये हैं।

पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आठ विकेट से हराया

कोलकाता, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

जॉनी बेयरस्टो नाबाद (108), शशांक सिंह नाबाद (68) और प्रभसिमरन सिंह (54) की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 42वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को आठ गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया है। पंजाब की यह नौ मैचों में तीसरी जीत है।

पंजाब किंग्स की टीम ने टी-20 इतिहास में अभी तक से बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए यह जीत हासिल की है। पंजाब की टीम ने 24 छक्के लगाये। वहीं कोलकाता की ओर 18 छक्के लगे। 262 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की जॉनी बेयरस्टो और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ताबड़तोड़ शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये छह ओवर में 93 रन जोड़े। प्रभसिमरन सिंह ने 20 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए 54 रन बनाये। उन्हें सुनील नारायण ने रनआउट किया। राइली रुसो 16 गेंदों में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाये। जॉनी बेयरस्टो 48 गेंदों में आठ चौके और नौ छक्के लगाते हुए नाबाद 108 रनों की पारी खेली। वहीं शशांक सिंह ने भी आतिशी अंदाज में 28 गेंदों में दो चौके और आठ छक्के जड़ते हुये नाबाद 68 रन बनाये। पंजाब किंग्स ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। कोलकाता की ओर से एक मात्र विकेट सुनील नारायण को मिला।

यह आईपीएल के एक मैच में पहली बार हुआ है जब चारों सलामी बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाया है। कुल मिलाकर यह पुरुषों के टी-20 मुकाबले 11वीं बार ऐसा हुआ है। इससे पहले फिल सॉल्ट (75) और सुनील नारायण (71) रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 262 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां ईडन गार्ड़ंस में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की फिल सॉल्ट और सुनील नारायण की सलामी जोड़ी चौके और छक्कों की बारिश करते हुये पहले विकेट के लिए 138रनों की साझेदारी की। 11वें ओवर में राहुल चाहर ने सुनील नारायण को जॉनी बेयरस्टो के हाथों कैच आउट कराकर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। सुनील ने 32 गेंदों में नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए 71 रन बनाये। 13वें ओवर में सैम करन ने फिल सॉल्ट को बोल्ड कर दिया। फिल सॉल्ट ने 37 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए 75 रनों की पारी खेली।

आंद्रे रसल 12 गेंदों में (24), कप्तान श्रेयस अय्यर 10 गेंदों में (28) और रिंकू सिंह (5) रन बनाकर आउट हुये। वेंकटेश अय्यर 23 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 39 रन बनाये। वह आखिरी गेंद पर रनआउट हुये।

रमनदीप सिंह छह रन नाबाद रहे। कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 261 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। केकेआर ने पांचवी बार इस सत्र 200 का स्कोर पार किया है। 10 ओवर में उन्होंने अपने इतिहास में सबसे अधिक रन बनाये है। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिये। सैम करन,राहुल चाहर और हर्ष पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बंगाल प्रो टी20 लीग 11 जून से शुरू होगी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल ।

बंगाल प्रो टी20 लीग का उद्घाटन संस्करण 11 जून को कोलकाता में शुरू होने वाला है जिसमें 8 टीमें बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। लीग की परिकल्पना आईपीएल की तर्ज पर की गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट 11 से 28 जून तक खेला जाएगा।

पुरुषों के मैच 11 जून को ईडन गार्डन्स में और महिलाओं के मैच 12 जून को जादवपुर यूनिवर्सिटी, साल्ट लेक कैंपस ग्राउंड में शुरू होंगे। प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ एक बार खेलेगी। लीग के पहले दिन शाम को केवल 1 पुरुष मैच होगा और महिलाओं का मैच अगले दिन से शुरू होगा और वहां से हर दिन दो मैच खेले जाएंगे। सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड, जिसे हाल ही में बंगाल प्रो टी20 लीग की एक टीम के फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में शामिल किया गया है, खेल क्षेत्र में अपना कार्यकाल शुरू करने के लिए उत्साहित है।सर्वोटेक पावर सिस्टम्स लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख ऋषभ भाटिया ने एक बयान में कहा, हम बंगाल प्रो टी20 लीग के माध्यम से खेल के क्षेत्र में कदम रखने को लेकर रोमांचित हैं। यह उद्यम न केवल ईवी चार्जिंग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि दुनिया में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरने की हमारी आकांक्षा को भी रेखांकित करता है।

भारतीय फुटबॉल टीम के लिए अगले माह से लगेगा अभ्यास शिविर

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा है कि जून में कुवैत और कतर के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर मुकाबलों को देखते हुए भारतीय टीम के लिए अगले माह से एक अभ्यास शिविर लगाया जाएगा। भारतीय टीम के लिए ये चार सप्ताह का अभ्यास शिविर 10 मई से भुवनेश्वर में लगेगा। भारतीय टीम छह जून को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दो जून को कोलकाता जाएगी। एआईएफएफ ने कहा, ''कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले टीम दो जून को कोलकाता जाएगी। भारतीय टीम का लक्ष्य पिछले महीने गुवाहाटी में अफगानिस्तान से मिली 1-2 की हार से उबरना और अपनी गलतियों को सुधारना भी होगा। भारतीय टीम चार मैचों के बाद अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं छह मैचों के बाद दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी। कुवैत का सामना करने के बाद, भारत 11 जून को ग्रुप चरण के अंतिम मैच के लिए कतर जाएगा। एआईएफएफ को उम्मीद है कि भारतीय टीम क्वालीफायर मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन की सेना में...

चीन का दावा है कि तिब्बती पुरुष पायलट 1970 के दशक के मध्य से ही चीनी सशस्त्र बलों का हिस्सा रहे हैं। चीन की रणनीति है कि तिब्बत को मुख्यधारा में शामिल करने के नाम पर उन्हें भारत के खिलाफ तैयार किया जाए और जंग के हालात में तिब्बतियों को एलएसी पर भेजा जाए। चीन ने अपनी इस रणनीति के तहत प्रत्येक तिब्बती परिवार के एक सदस्य को सेना में भेजना अनिवार्य कर दिया है। चीन का यह कदम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच आया है। भारत हजारों तिब्बती शरणार्थियों और निर्वासित तिब्बती सरकार का घर है, इनमें तिब्बत से निर्वासित बौद्ध आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी शामिल हैं। इससे पहले भी चीन एलएसी पर तैनाती के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में तिब्बतियों का भर्ती अभियान शुरू कर चुका है।जेएनयू के सेंटर फॉर चाइनीज एंड साउथ ईस्ट एशियन स्टडीज में असिस्टेंट प्रोफेसर राकेश कुमार कहते हैं कि चीन की कोशिश पूरी दुनिया में प्रोपेगेंडा फैलाने की होती है। चीनी भाषा में एक्सपर्ट राकेश कुमार के मुताबिक चीन दुनिया को यह दिखाना चाहता है कि वह तिब्बत को लेकर प्रोग्रेसिव है और वह तिब्बत को मुख्यधारा में शामिल करना चाहता है। पहली तिब्बती महिला पायलट को लेकर वह कहते हैं कि चीन कोई भी पॉलिसी लाने से पहले रोल मॉडल तैयार करता है, ताकि बाकी तिब्बती भी इसके लिए प्रेरित हों।

जब 2020 के गलवान संघर्ष में मारे गए 38 चीनी सैनिकों के नामों का खुलासा हुआ तो, इनमें से आठ लोग तिब्बती थे और उनके नाम कमोबेश पिनयिन (लक्पा, त्सेरिंग, कलसांग) में तिब्बती नामों से मेल खाते थे। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस के मुताबिक चीन तिब्बती युवाओं को भारत के खिलाफ एलएसी पर ऑपरेशन के लिए प्रशिक्षित कर रहा है और इस संबंध में नियमित अभ्यास भी किए जा रहे हैं। पीएलए में 7,000 सक्रिय तिब्बती सैन्यकर्मी हैं, जिनमें से लगभग 100 महिलाओं समेत लगभग 1,000 तिब्बती विशेष सेना इकाइयों में काम कर रहे हैं। चीन की सोच है कि लद्दाख जैसे उच्च हिमालयी इलाकों में तिब्बती लोग बेहतर कर सकते हैं, क्योंकि वे वहां के मौसम के अभ्यस्त होते हैं। वहीं सामान्य चीनी सैनिक को सांस लेने में दिक्कत और हाई एल्टीट्यूड सिकनेस जैसी समस्याएं आती हैं। चीन युवाओं पर बहुत फोकस रखता है, क्योंकि वह युवाओं की अहमियत जानता है। वह उन्हें मंदारिन यानी चीनी भाषा सिखा रहा है और उन्हें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर भरोसा करना सीखा रहा है। वह कहते हैं कि चीन के इस प्रोपेगंडा से तिब्बत के लोगों में चीन के प्रति भरोसा बढ़ेगा।

ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस के मुताबिक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र से सक्रिय रूप से तिब्बतियों और नेपालियों की भर्ती कर रही है, जो हिंदी और नेपाली जानते हों, ताकि एलएसी पर खुफिया जानकारी जुटा सकें। इसके लिए वे समय-समय पर चीन के कई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का दौरा भी करते रहते हैं। पीएलए का पश्चिमी थिएटर कमांड एलएसी के आधे हिस्से को कंट्रोल करता है, और वह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा से सटे इलाकों में हिंदी ग्रेजुएट्स की खोज के लिए विश्वविद्यालयों में भर्ती अभियान चला रहा है।सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ अधिकारी कहते हैं कि पीएलए में तिब्बतियों की भर्ती असल में भारत की नकल है। चीन ने तिब्बतियों को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में शामिल करने के प्रयास 2021 से शुरू किए, जब उसने देखा कि भारत के पास चीन से निर्वासित तिब्बतियों वाली एक खास स्पेशल फ्रंटियर फोर्स (एसएफएफ) है, जिसने एलएसी पर चीनी आक्रमकता का जवाब देने के लिए पूर्वी लद्दाख के मोखपारी, ब्लैक टॉप समेत कई ऊंचाइयों पर कब्जा करने में अपनी काबिलियत दिखाई। एसएफएफ के प्रदर्शन से चीन भी हैरान रह गया।स्पेशल फ्रंटियर फोर्स (एसएफएफ) भारतीय सेना की एक यूनिट है, जिसमें मुख्य रूप से तिब्बती शरणार्थी भर्ती होते हैं। इसकी स्थापना 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद चीन के साथ एक और संघर्ष के हालात में चीन सीमा पर सीक्रेट मिशन चलाने के लिए की गई थी। इन सैनिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, ये कई सीक्रेट मिशन में भी हिस्सा ले चुके हैं। एसएफएफ ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और करगिल युद्ध में भी हिस्सा लिया था। एसएफएफ सीमावर्ती इलाकों में काम करती है, जिसमें चीन के खिलाफ ऑपरेशन भी शामिल हैं। उत्तराखंड के चकराता स्थित स्पेशल फ्रंटियर फोर्स की निगरानी सीधे रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) करती है। भारतीय सेना के मेजर जनरल रैंक से चयनित एसएफएफ के महानिरीक्षक सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं।

तिब्बत की ...

भारत के धर्मशाला में स्थित तिब्बत की निर्वासित सरकार सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) के प्रधानमंत्री पेंपा शेरिंग ने चीन के साथ बातचीत चलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि उनके वार्ताकार चीन के लोगों से बात कर रहे हैं, लेकिन अभी इस बातचीत से कोई नतीजा निकलने की उम्मीद करना गलत है। शेरिंग ने बताया कि हम बीते साल से पर्दे के पीछे बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी इससे उम्मीद करना बेमानी है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। मेरे वार्ताकार चीन के लोगों से बात कर रहे हैं। चीन के साथ उनकी क्या बातचीत हो रही है, इस बारे में उन्होंने कोई खुलासा नहीं किया। निर्वासित सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि चीन के साथ बातचीत ही तिब्बत मुद्दे का समाधान कर सकती है। उन्होंने माना कि भारत और चीन के बीच सीमा पर जो तनाव चल रहा है, उससे चीन-तिब्बत वार्ता का मसला फिर से पटरी पर आ गया है।

सियाचिन के पास...

उसी इलाके में अब चीन द्वारा सड़क का निर्माण किया जा रहा है। चीन के शिनजियांग प्रांत से निकलने वाला हाइवे जी-219 सियाचिन के नजदीक से होकर गुजर रहा है, जो कि भारत की उत्तरी सीमा के इंदिरा कोल इलाके से करीब 50 किलोमीटर दूर है। गौरतलब है कि इंदिरा कोल इलाके का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीते मार्च से दो बार दौरा कर चुके हैं। यूरोप की अंतरिक्ष एजेंसी की सैटेलाइट ने इन तस्वीरों को लिया है। बीते साल जून और अगस्त में इस हाइवे का निर्माण शुरू हुआ था। करगिल, सियाचिन और पूर्वी लद्दाख में सुरक्षा का जिम्मा भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर संभालती है। इस कोर के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा का कहना है कि चीन द्वारा बनाई जा रही ये सड़क पूरी तरह से अवैध है और भारत को कूटनीतिक तरीके से चीन के सामने इसका विरोध करना चाहिए। चीन द्वारा सियाचिन के नजदीक बनाई जा रही सड़क का भारत की सुरक्षा पर असर पड़ेगा। यह सड़क ट्रांस कराकोरम ट्रैक में पड़ती है और यह इलाका ऐतिहासिक रूप से कश्मीर का हिस्सा है और इस पर भारत अपना दावा जताता है। भारत के नक्शे में भी इस क्षेत्र को भारत का हिस्सा दिखाया गया है। ट्रांस-कराकोरम ट्रैक करीब 5300 वर्ग किलोमीटर इलाके में फैला है। भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस हिस्से में यथास्थिति में बदलाव भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। आशंका है कि चीन अगर इस क्षेत्र में और निर्माण करता है तो इससे पहाड़ी इलाके में भारत की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। पाकिस्तान के गिलगित बाल्टिस्तान प्रांत में साल 2021 में पाकिस्तानी सरकार ने नए हाइवे के निर्माण का ऐलान किया था, जो कि मुजफ्फराबाद को मस्ताघ पास से जोड़ेगा। मस्ताघ पास शक्सगाम घाटी से जुड़ता है। ऐसे में आशंका है कि चीन और पाकिस्तान का इस इलाके से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ाव हो सकता है।

अब ईवीएम...

वर्तमान में वीवीपैट वेरिफिकेशन के तहत लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के सिर्फ पांच मतदान केंद्रों के ईवीएम वोटों और वीवीपैट पर्ची का मिलान होता है। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में सिर्फ पांच रैंडमली रूप से चयनित ईवीएम को सत्यापित करने के बजाय सभी ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों की गिनती की मांग करने वाली याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया था और अब चुनाव आयोग को राहत मिल गई है।वीवीपैट मशीन भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 2013 में बनाया था। इसका मतलब वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल होता है। वीवीपैट मशीनों का सबसे पहले इस्तेमाल 2013 के नागालैंड विधानसभा चुनाव के दौरान हुआ था। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में कुछ सीटों पर भी इस मशीन को लगाया गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में पहली बार वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल देशभर में किया गया, उस चुनाव में 17.3 लाख से ज्यादा वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल हुआ था।इस तरह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों की वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों से 100 फीसदी सत्यापन की मांग वाली सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दीं। बैलेट पेपर से मतदान कराने वाली याचिकाएं भी इसके साथ ही खारिज हो गईं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिंबल लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) को सील कर दिया जाना चाहिए और उन्हें कम से कम 45 दिनों के लिए सहेज कर रखा जाना चाहिए। इसके अलावा दूसरा निर्देश यह है कि उम्मीदवारों के पास परिणामों के एलान के बाद इंजीनियरों की एक टीम की ओर से जांचे जाने वाले ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर प्रोग्राम को पाने का विकल्प होगा। इसके लिए उम्मीदवार को नतीजों के ऐलान के सात दिनों के अंदर आवेदन करना होगा। इसका खर्च उम्मीदवार को ही वहन करना होगा।इससे पहले दो दिन की लगातार सुनवाई के बाद पीठ ने 18 अप्रैल को याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि, बुधवार को शीर्ष कोर्ट ने इस मामले को फिर से सूचीबद्ध किया था। तब शीर्ष कोर्ट ने अदालत से चुनाव आयोग से कुछ बातों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा था। जिसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। फैसला सुरक्षित रखते हुए शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह चुनाव को नियंत्रित नहीं कर सकता, न ही एक संवैधानिक निकाय के लिए नियंत्रक अथॉरिटी के रूप में कार्य कर सकता है। गलत काम करने वाले के खिलाफ कानून के तहत नतीजे भुगतने के प्रावधान हैं। कोर्ट सिर्फ संदेह के आधार पर परमादेश नहीं दे सकता।अदालत ने कहा कि वह मतदान मशीनों के फायदों पर संदेह करने वालों और मतपत्रों पर वापस जाने की वकालत करने वालों की विचार प्रक्रिया को नहीं बदल सकती। इसके अलावा बुधवार को फैसला सुरक्षित रखते हुए पीठ ने उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास को कोर्ट में बुलाकर पांच मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा था। कोर्ट ने कहा, हमने ईवीएम के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (एफएक्यू) देखे हैं। हम तीन-चार चीजों पर स्पष्टीकरण चाहते हैं। हम तथ्यात्मक रूप से गलत नहीं होना चाहते बल्कि अपने निर्णय में दोहरा सुनिश्चित होना चाहते हैं और इसलिए यह स्पष्टीकरण मांग रहे हैं। पीठ ने जिन पांच सवालों के जवाब मांगे थे उनमें यह भी शामिल था कि क्या ईवीएम में लगे माइक्रोकंट्रोलर रिप्रोग्रामेबल हैं। इस पर उप चुनाव आयुक्त ने कोर्ट को बताया था कि ईवीएम की तीनों यूनिट, मतदान, कंट्रोल व वीवीपीएटी में सकता है। उन्होंने कहा, ईवीएम मशीनों को आमतौर पर 45 दिनों के लिए सुरक्षित रखा जाता है। चुनाव याचिका दायर करने की स्थिति में समयसीमा बढ़ा दी जाती है। व्यास ने पहले भी कोर्ट को ईवीएम की कार्यप्रणाली की जानकारी दी थी।

इनसे तो अच्छे ...

उन्होंने कहा कि यह लोग राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराकर भारत की संस्कृति और सनातन धर्म का अपमान कर रहे थे, जबकि कई पुश्तों से बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में पक्षकार की भूमिका निभाने वाले अंसारी परिवार के सदस्यों ने राम मंदिर के निर्माण का खुले दिल से स्वागत किया और प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में उपस्थित हुए।पीएम मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में साक्षात माता सीता के निशान हैं। पांच सौ साल बाद देश में रामलला का मंदिर बना। पूरे देश को गर्व हो रहा है। प्राण प्रतिष्ठा में इंडी गठबंधन वालों को निमंत्रण दिया तो उन्होंने ठुकरा दिया। वहीं दूसरी तरफ अंसारी परिवार को देखिए जो दो-दो पीढ़ियों से अदालत में मुसलमानों के लिए मुकदमा लड़ते थे। लेकिन, जब सुप्रीम कोर्ट के निर्णय आया तो उन्होंने गर्व के साथ उसे माथे पर चढ़ाया। इतना ही नहीं श्रीमान इकबाल अंसारी खुद प्रभु रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आए। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोगों ने निमंत्रण को ठुकरा दिया। कांग्रेस और राजद वालों की नीयत खोटी है।पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद के अहंकारी लोग जो अपने आप को भगवान राम से बड़ा मानते हैं, ऐसे लोगों को सबक सिखाने का मौका है। आप सबको यह ध्यान रखना है, आपका एक-एक वोट भारत के विकास और भारत के विरासत को नई ऊंचाई देने वालों के लिए पड़ने वाला है। इसलिए मुंगेर से हमारे मित्र राजीव रंजन, बेगूसराय से गिरिराज सिंह और खगड़िया से राजेश वर्मा को हर बूथ पर विजयी बनाना है। आज दूसरे चरण का मतदान था। पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार, किशनगंज और बांका में एनडीए गठबंधन की ओर से सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवार इंडी गठबंधन के उम्मीदवार को टक्कर दे रहे हैं। सीएम नीतीश की पार्टी की नजर मुस्लिम वोट बैंक पर भी है। अररिया के फारबिसगंज में मुस्लिम युवाओं ने पीएम मोदी के समर्थन में नारेबाजी की। फारबिसगंज के चुनावी सभा में कांग्रेस के आरक्षण मॉडल और मुंगेर में पीएम मोदी द्वारा अंसारी परिवार का गुणगान करने वाले बयान के सार्थक मायने निकाले जा रहे।

खेल बदल देगा...

मैं इसे इतनी जल्दी करूंगा कि लोग हैरान हो जाएंगे। इसलिए मैंने दूसरे दिन की घोषणा का काम पहले दिन ही पूरा कर लिया। यह मेरी रणनीति थी और वह रणनीति काम कर गई।बाइडन और मोहम्मद बिन सलमान के हाथ मिलाने के सवाल पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी दोनों नेताओं से मित्रता है। उन्होंने कहा, हमने आईएमईसी पर काम किया है, जो सिल्क रूट की तरह एक बड़ा गेम चेंजर होने जा रहा है। खाड़ी देशों की सकारात्मक और सक्रिय भूमिका थी। भारत को अच्छी भूमिका निभाने का मौका मिला। अमेरिका और यूरोप हमारे साथ थे। सभी ने सोचा कि एक ठोस और सकारात्मक परिणाम होगा। इसलिए हम उस पर मिलते थे। पीएम ने आगे कहा, इसलिए सऊदी किंग और राष्ट्रपति बाइडन को एक साथ लाने का अवसर था और मेरी दोनों के साथ अच्छी दोस्ती है।उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी के लिए भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूरोपीय संघ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

व्यवस्था पर आंख...

आंख मूंदकर किसी भी व्यवस्था पर संदेह करना उस व्यवस्था के प्रति शक पैदा कर सकता है। सार्थक आलोचना करने की जरूरत है, फिर चाहे वो न्यायपालिका हो या फिर विधायिका। लोकतंत्र, सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास कायम रखने के बारे में है। विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

दूसरे चरण में...

पहले चरण में 102 सीटों पर 63.4 प्रतिशत के करीब मतदान हुआ था। इसके साथ ही 543 सदस्यीय लोकसभा की 190 सीटों पर मतदान संपन्न हो गया है। चौदह राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की सभी सीटों पर मतदान कराया जा चुका है।तीसरे चरण का मतदान सात मई को होगा। आयोग ने एक विज्ञप्ति के अनुसार कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा। छत्तीसगढ़ में बस्तर डिवीजन के 102 गांवों के मतदाताओं ने पहली बार लोकसभा के चुनाव में वोट डाले। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार और उनके सहयोगी निर्वाचन आयुक्त् ज्ञानेश कुमार तथा सुखवीर सिंह संधू ने राजधानी में आयोग के मुख्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष के माध्यम से दूसरे चरण की मतदान प्रक्रिया की निगरानी की। आयोग के अनुसार दूसरे चरण में एक लाख मतदान केन्द्रों पर वेब कास्टिंग की गयी। बिहार के बांका, मधेपुरा, खगड़िया और मुंगेर के बहुत से मतदान केन्द्रों पर मतदान का अंतिम समय चार बजे के बजाय शाम छह बजे बढ़ा दिया गया था ताकि मतदाता तेज गर्मी से बच सकें।छत्तीसगढ़,राजस्थान, मध्यप्रदेश, जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा और मणिपुर तथा अन्य जगहों पर विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पुरुष और महिलायें अपने परम्परागत परिधानों में आकर लोकतंत्र के इस महापर्व की छटा को और वैविध्य किया। कर्नाटक में वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केन्द्र की टीम ने मतदान शुरू होने से पहले परम्परागत वेशभूषा में मतदाताओं का स्वागत किया। कई मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा कर्मी वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं की सहायता करते देखे गये।छत्तीसगढ़ के महासमुंद के कुल्हाड़ी घाट गांव की कुछ महिला मतदाता कामार पी वी टी जी मतदान केन्द्र पर अपने शिशुओं के साथ वोट डालने आयीं थी। पहली बार मतदान का अधिक प्राप्त करने वाले युवा मतदाताओं को कई जगह वोट डालने के बाद खुशी से सेल्फी लेते देखा गया। त्रिपुरा में दूरदराज के धलाई विधानसभा क्षेत्र के राइमा घाटी में एक मतदान केन्द्र पर मतदातानावों से वोट डालने पहुंचे थे। सेवानिवृत्त एयर मार्शल पी वी अय्यर बेंगलुरु में एक मतदान केन्द्र पर पहले घंटे में मतदान किया।राजस्थान में डूंगरपुर के बदगामा, चिखली मतदान केन्द्र के कुछ मतदाताओं को नाला पार करने के लिये डोंगी लगायी गयी थी। केरल में मतदान प्रक्रिया के दौरान एक बूथ एजेंट सहित चार लोगों की मौत हो गयी। कर्नाटक में बेंगलुरु के जेपी नगर के एक केन्द्र पर मतादाओं की कतार में लगी एक अधेड़ महिला को दिल का दौरा पड़ा। उसी कतार में अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे एक चिकित्सक ने तत्काल उसकी सहायता की और उसे पुलिसकर्मियों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया।दूसरे चरण में 88 सीटों पर कुल 15.88 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जिनके वोट पर 1,206 प्रत्याशियों का चुनावी भविष्य तय हो रहा है। इन सीटों के 1.67 लाख मतदान केंद्रों पर निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान सुबह सात बजे से कराया गया।

दूसरे चरण के चुनाव में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान हुआ। लोक सभा की कुल 543 सीटों के लिये सात चरणों में कराये जा रहे आम चुनाव की मतगणना चार जून को करायी जायेगी। पहले चरण में 102 सीटों पर 62.37 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो 2019 की तुलना में लगभग तीन प्रतिशत कम है।

बरेली की सड़कों पर गूंजा अबकी बार 400 पार का नारा

मोदी-योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

बरेली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। नाथ नगरी में शुक्रवार शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भव्य रोड शो में जन समुद्र उमड़ पड़ा। इससे पहले गुरुवार को भी पीएम मोदी ने बरेली की आंवला सीट के लिए जनसभा को संबोधित किया था। वहीं दूसरे दिन पीएम मोदी यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बरेली शहर में रोड शो करने उतरे। इस दौरान लगभग 1.2 किलोमीटर के रोड शो रूट पर सड़क के दोनों किनारे पैर रखने तक की जगह नहीं थी। बरेली से लोकसभा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह गंगवार के पक्ष में वोट की अपील करने निकले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का रोड शो राजेन्द्र नगर स्थित स्वयंवर बैंक्वेट हॉल से शुरू होकर शिवाजी चौक होते हुए डीडी पुरम चौराहा स्थित शहीद चौक तक चला। इस दौरान मोदी योगी ने सड़क के दोनों और खड़ी जनता का पार्टी सिम्बल लेकर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। रोड शो के रूट और उसके आस पास की सड़कों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता से अपील की कि बरेली से छत्रपाल सिंह गंगवार को चुनकर सदन में भेजें। उनके इस आह्वान पर बरेली के मतदाताओं ने मोदी-योगी जी को जयश्रीराम कहकर विश्वास दिलाया कि अबकी बार 400 पार में हमारा भी योगदान होगा। रोड शो में बहुसंख्यकों के साथ शामिल अल्पसंख्यक समाज ने भी मोदी-योगी का जोरदार अभिनंदन किया। लगभग 45 मिनट से भी ज्यादा देरतक चले रोड शो में जहां तक नजर गई, हर तरफ जनसमुद्र

पीएम-सीएम की जय जयकार से गूंजा बरेली का आसमान

ही दिखा। यहां सड़क के दोनों ओर तिल तक रखने की जगह नहीं थी। मोदी-योगी के रोड शो ने भीड़ का नया रिकॉर्ड कायम किया। पूरे रास्ते मोदी-योगी को जन आश्वासन मिला कि आपने हमें विकास, सुरक्षा और सुशासन दी है, हम भी तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व में छत्रपाल सिंह गंगवार को बरेली का ताज देंगे।

पीएम और सीएम के स्वागत में पूरे रूट पर लोक संस्कृति का संगम भी दिखा। शंखनाद और डमरू बजाकर उनकी अगवानी की गई। रोड शो में 12 स्थानों पर पुष्पवर्षा कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया गया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का रोड शो जिस इलाके से होकर गुजरा, वहां घरों और दुकानों के बाहर जय श्रीराम लिखवाये गये थे। इसके अलावा भगवा झंडे और नाथ नगरी के पोस्टर भी लगवाये गए थे। रोड शो के दौरान सभी ने जयश्री राम के गगनभेदी नारे लगाए तो दूसरी तरफ राम जी की सेना चली, जो राम को लाए हैं आदि गीतों से भी पूरा माहौल राममय हो गया। मोदी-योगी जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों ने भी बरेली की सड़कों पर जोश भर दिया। महिला, बुजुर्ग, पुरुष, युवा, बच्चे मोदी-योगी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। सभी ने मोदी-योगी के रोड शो के पल-पल की छवि अपने मोबाइल में कैद कर लेने की उत्कंठा दिखी।

नाथ नगरी शुक्रवार को भगवामय दिखी। रोड शो के दौरान पंडित और बटुक मंत्रोच्चार के जरिए आशीर्वचन भी देते दिखे। देश के अलग अलग स्थानों की संस्कृति की झलक दिखाने के लिए 12 छोटे मंच बनाए गए थे। मोदी-योगी को देख जनमानस अभिभूत हो उठा। यहां हर तरफ भगवा और भाजपा के झंडे दिखते रहे। बच्चे हों या भाजपा समर्थक, भगवामय होकर मोदी-योगी को अपना समर्थन देने पहुंचे। बहुसंख्यक समाज के साथ अल्पसंख्यक समाज ने भी देश के दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत किया। रोड शो के दौरान पूरी सड़क दूधिया रोशनी से नहाई हुई थी, वहीं जगह-जगह मोदी योगी के बड़े-बड़े कट आउट भी देखने को मिले। रोड शो के समापन पर मोदी और योगी ने शहीद पंकज अरोरा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस दौरान पीएम के रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, सांसद संतोष गंगवार और बरेली से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह गंगवार मौजूद रहे।

महादेव बेटिंग ऐप घोटाला

दुबई में बैठे मास्टरमाइंड के चचेरे भाई समेत दो गिरफ्तार

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। महादेव बैटिंग एप घोटाले में एसटीएफ ने बृहस्पतिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिरों को गिरफ्तार किया। इनमें से एक आरोपी दुबई में बैठे घोटाले के मास्टरमाइंड का चचेरा भाई है जिसको महादेव बुक गेमिंग कंपनी का इंडिया हेड बनाया था। हजारों करोड़ की ठगी में जो सिम इस्तेमाल किए गए वह इन दोनों आरोपियों ने दुबई भेजे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दोनों से लंबी से पूछताछ की गई। जिसमें कई बड़े खुलासे हुए हैं।

एसटीएफ एएसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि देवरिया के गौरीबाजार सोनालक्ष्मण निवासी अभय सिंह और इकौना जगत माझा के संजीव सिंह को शहीद पर्थ सर्विस लेन से गिरफ्तार किया गया है, जो महादेव बेटिंग एप घोटाले से जुड़े है। दुबई में बैठे घोटाले के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, शुभम सोनी और अभिषेक सिंह हैं। अभिषेक सिंह गिरफ्तार किए गए आरोपी अभय सिंह की बुआ का लड़का है। अभय को कंपनी का इंडिया हेड बनाया था। अभय और संजीव ने 2021 से अब तक 32 फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों के नाम से 4 हजार कारपोरेट सिम खरीदे। इन सिमों को अभिषेक को भेजे। उन लोगों ने इन नंबरों का इस्तेमाल कर व्हाट्सएप व टेलीग्राम पर ग्रुप बनाए और गेमिंग के नाम पर ठगी को अंजाम दिया। आरोपी अभय सिंह का बैंक खाता मुंबई पुलिस पहले ही सीज कर चुकी है।

माफिया अतीक के बेटे अली ने किया बड़ा खुलासा

मना किया था, पर अब्बा न माने

प्रयागराज, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद के बेटे अली ने बयान लेने पहुंची पुलिस के सामने अहम खुलासे किए। उसने स्वीकार किया कि उमेश पाल हत्याकांड की साजिश में उसका पूरा परिवार शामिल था। कहा, हत्याकांड में असद को शामिल करने के प्लान पर वह राजी नहीं था। हालांकि अब्बा नहीं माने। कहा था,अतीक के पांचों बेटे शेर हैं। उमेशपाल को दिनदहाड़े मारा जाएगा। अली ने हत्याकांड की प्लानिंग से जुड़ीं कई और बातें पुलिस को बताईं। कहा, 24 फरवरी से पहले भी दो बार उमेश को खत्म करने की कोशिश की जा चुकी थी। एक बार धोबी घाट चौराहे पर उस पर हमले का प्लान बनाया गया तो

अतीक ने कहा था, शेर हैं अतीक के बेटे, दिनदहाड़े मारेंगे

दूसरी बार कचहरी रोड पर 84 खंभा के पास उसे घेरकर कत्ल करने की साजिश रची गई। हालांकि दोनों ही बार शूटर वारदात को अंजाम देने में नाकाम रहे। यही वजह थी कि 13 फरवरी को जब नैनी जेल में उससे मिलने गुलाम, गुड्डू मुस्लिम और सदाकत आए तो उसने तीनों को जलील भी किया। कहा, इस बार अगर उमेश को मारने में नाकाम रह गए तो फिर अपनी शक्ल मत दिखाना। जेल के भीतर विवेचक ने दो घंटे से ज्यादा समय तक अली से पूछताछ करके उसका बयान दर्ज किया। गौरतलब है कि अली को इस हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोपी बनाया गया है। बयान दर्ज किए जाने के बाद अब माना जा रहा है कि जल्द ही अली के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की जा सकती है।उमेश पाल हत्याकांड में अली के साथ-साथ उसका बड़ा भाई उमर भी आरोपी बनाया गया है। उस पर भी हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। बीते दिनों ही अली का रिमांड पुलिस ने बनवाया था। बी वारंट जारी कराकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उसकी पेशी कराई गई थी। इसी दौरान कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर स्वीकार सुनवाई करते हुए रिमांड मंजूर किया था। धूमनगंज पुलिस ने जेल में बंद उमर का बयान दर्ज करने की अनुमति भी कोर्ट से प्राप्त कर ली है। जल्द ही विवेचक लखनऊ जाकर बयान दर्ज करेंगे।

प्रतिबंधित पशुओं का मांस बेचने वाले गिरोह में सफेदपोश शामिल

चार साल में 100 करोड़ का माल विदेश भेज दिया

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। खाड़ी देशों और दक्षिण अफ्रीका में प्रतिबंधित पशुओं का मांस भेजने वाले नेटवर्क के पीछे दिल्ली के कुछ सफेदपोशों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। एसटीएफ के अधिकारियों की मानें तो बिना किसी सफेशपोश का संरक्षण हासिल किए इतना बड़ा नेटवर्क संचालित करना मुश्किल है। यही वजह है कि एसटीएफ की टीम को हैदराबाद और चेन्नई भेजा जाएगा, जहां से विदेशों में सप्लाई की जा रही थी।

एडीजी कानून-व्यवस्था एवं एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि अतीक के साथ उसके गैंग के बाकी सदस्यों जुबैर और गुलजार की तलाश भी की जा रही है। अतीक की गिरफ्तारी से इस मामले के कई अहम राज सामने आ सकते हैं। यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क के द्वारा बीते करीब चार साल के दौरान 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रतिबंधित पशुओं के मांस की सप्लाई की जा चुकी है।

इसकी बिक्री के बदले मिलने वाली रकम हवाला के जरिए आने की जांच भी शुरू कर दी गयी है। वहीं, बिजनौर में भी इस नेटवर्क के तार खंगाले जा रहे हैं। बता दें कि अतीक और लईक का बिजनौर में स्लॉटर हाउस था, जो 2019 में बंद हो चुका है। इसके बाद दोनों दिल्ली से गैरकानूनी तरीके से प्रतिबंधित पशुओं के मांस की सप्लाई करने लगे थे।

मजहबी आधार पर देश का फिर विभाजन चाहता है इंडी गठबंधन : योगी

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की जनता को कांग्रेस के घोषणा पत्र के प्रति एक बार फिर आगाह किया है। उन्होंने कांग्रेस के मेनिफेस्टो को भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए घातक बताया है। सीएम योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। चुनाव में अप्रासंगिक मुद्दे उठने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा शुरू से ही विकास, सुरक्षा और सुशासन के मुद्दे के साथ चुनाव में उतरी थी। पहले चरण का मतदान इन्हीं मुद्दों पर हुआ, मगर पहले चरण से ठीक पहले इंडी गठबंधन के सबसे महत्वपूर्ण घटक कांग्रेस के घोषणापत्र ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कांग्रेस अपने मेनिफेस्टो में देश के तालिबानीकरण से लेकर जनता की संपत्ति और पर्सनल लॉ जैसे मुद्दों को समर्थन देकर मजहबी आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहती है। भाजपा हर हाल में इसका पुरजोर विरोध करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के सलाहकार सैम पित्रोदा का वक्तव्य सबने पढ़ा है। यूपीए सरकार के दौरान रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी की रिपोर्ट कांग्रेस लेकर आई थी। इसके अलावा कर्नाटक में कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने पिछड़े वर्ग के आरक्षण में जबरदस्ती मुस्लिमों को डालकर ओबीसी के

अधिकार का बंदरबांट कर रही है। विरासत टैक्स, संपत्ति का एक्स-रे कराने की बात, संपत्ति को कब्जे में लेने की बात करके ये लोग मजहबी आधार पर देश के विभाजन की आधारशिला रखना चाहते हैं। इसके साथ ही विरासत की संपत्ति का आधा हिस्सा ले लेने और पर्सनल लॉ जैसे कानून को फिर से लागू करने की बात ये लोग कर रहे हैं। इस देश का विभाजन इन्हीं कारणों से हुआ था। अगर कोई राजनीतिक दल ऐसा करने की कोशिश करेगा तो उसका विरोध हर हाल में होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। अगर इस प्रवृत्ति को फिर से पनपाने का प्रयास होगा तो भाजपा इसे कतई स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा सरकार पहले से ही कार्रवाई कर रही है। मगर आम आदमी की संपत्ति पर डकैती डालने का प्रयास कोई करेगा करेगा तो हम ऐसा नहीं होने देंगे। कांग्रेस और सहयोगी दल देश की राजनीति का तालिबानीकरण करने पर उतारू हो चुके हैं। माओवादी दुष्प्रवृत्ति को फिर से लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। पर्सनल लॉ के जरिए तीन तलाक जैसी कुप्रथा को पुनर्स्थापित करके महिलाओं का अपमान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए इन मुद्दों को आज के परिप्रेक्ष्य में भाजपा पुरजोर तरीके से उठाकर इसका विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि हम ये मुद्दे उठा रहे हैं और जनता का ध्यान आकषित कर रहे हैं। कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सत्ता से कोसों दूर होने पर भी क्या मानसिकता है, इसपर लगातार जनता का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। इनकी मंशा को सफलता न मिले, इसलिए ये जरूरी हो जाता है कि जनता समय रहते अपने एक-एक वोट के जरिए इसपर पानी फेरने का काम करे। चिदंबरम जो बात वरासत टैक्स की करके कह रहे थे, वही बात सैम पित्रोदा कह रहे हैं। इनके मंसूबों पर पानी फेरने की जरूरत है, नहीं तो ये देश, कॉमन मैन और आधी आबादी के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में मोदी जी के कार्यों को लेकर उमंग और सकारात्मक माहौल है। उनके कार्यों को जनता का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प को पूरा करने में मदद मिल रही है।

छात्रवृत्ति के लिए फीस लॉक करने का एक और अवसर

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति का अधिक से अधिक लाभ देने के लिए तत्पर योगी सरकार के प्रयासों के क्रम में समाज कल्याण विभाग ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत संस्थानों को फीस डाटा लॉक करवाने का अवसर दिया है। इस क्रम में छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति पोर्टल खोला जा रहा है। इस संबंध में समाज कल्याण विभाग द्वारा भारत सरकार से अनुमति प्राप्त कर ली गई है। निदेशक समाज कल्याण कुमार प्रशांत द्वारा अवगत कराया गया कि ऐसे विश्वविद्यालय और एफिलिएटेड एजेंसी जिनके द्वारा मास्टर डेटा लॉक नहीं किया गया है, उन्हें 30 अप्रैल से 3 मई 2024 तक फीस लॉक करने का मौका दिया गया है। वहीं इसके बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा 4 मई से 7 मई 2024 तक फीस को लॉक करने की कार्यवाही की जाएगी। जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति स्तर से वेरीफाइड डाटा वाले छात्रों को 40 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार स्तर से और 60 प्रतिशत धनराशि भारत सरकार स्तर से सीधे आधार सीडेड बैंक खातों में भुगतान किया जाएगा।

संभल की चुनावी जनसभा में सीएम योगी ने कांग्रेस पर किया करारा प्रहार

गोकशी की खुली छूट देना चाहती है कांग्रेस : योगी

मुरादाबाद, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंडी गठबंधन और इसके प्रमुख घटक कांग्रेस के मेनिफेस्टो को लेकर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद के खाने की छूट देना चाहते हैं, यानी गोकशी की छूट देने की बात कर रहे हैं। ये बेशर्म लोग हमारी गाय को खाने की छूट देंगे, जबकि हमारा शास्त्र गाय को विश्व माता कहता है, उस गाय को ये कसाइयों के हाथों देंगे, क्या हिन्दुस्तान कभी इसे स्वीकार करेगा? सीएम योगी शुक्रवार को संभल लोकसभा सीट के लिए बिलारी (मुरादाबाद) में भाजपा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी के पक्ष में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देशवासियों और महिलाओं की संपत्तियों को जब्त करके रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों में बांटना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने मेनिफेस्टो के जरिए देशवासियों की संपत्ति का एक्स-रे कराने की बात कहती है। इसका मतलब अगर किसी के घर में चार कमरे हैं तो चार में से दो को कब्जे में ले लेंगे। यही नहीं कांग्रेस कहती है कि महिलाओं के जेवर को भी अपने कब्जे में ले लेंगे। हिन्दुस्तान इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। 2004 से 2014 के बीच यूपीए की सरकार में इन्होंने ऐसे प्रयास किये थे। इन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाने का काम किया था। उन्होंने सच्चर कमेटी और जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस इसे लागू करके पिछड़ी जाति के आरक्षण में से 6 प्रतिशत मुसलमानों को देना चाहती है।

सीएम योगी ने कहा कि देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि भारत के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। योगी ने सवाल पूछा कि अगर ऐसा है तो गरीब, पिछड़ा और दलित कहां जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के विभाजन के लिए फिर से साजिश रची रही है। उन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि सुनने में आया है कि भाई-बहन दोनों अयोध्या जाना चाहते हैं। जब सरकार थी तब ये लोग कहते थे कि राम हुए ही नहीं, अब कहते हैं कि राम सबके हैं। यही इनका दोहरा चरित्र है। इनपर हमें विश्वस नहीं करना है। जब भी मौका मिलेगा ये धोखा देंगे। हमें धोखेबाज और भ्रष्टाचारियों से नहीं, बल्कि हिन्दुस्तान को समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचाने वाली सरकार चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा वोट उन लोगों को नहीं मिलना चाहिए जो भारत माता की जय जयकार और वंदे मातरम गाने से भी संकोच करते हैं। ऐसे लोगों को वोट देने का मतलब भारत के खिलाफ साजिश करने वालों को सम्मान देने जैसा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए ऐसी सरकार को बनाने पर जोर देना होगा, जिन्होंने भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने का संकल्प लिया हो। सीएम योगी ने कहा कि संभल में कमल खिलने का मतलब यहां के सुरक्षा की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि जबसे आपने यूपी में भाजपा की सरकार बनाई है, दंगाई को पता चल गया है कि दंगा कराया तो राम नाम सत्य है कि यात्रा निकल जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे धार्मिक शास्त्र कहते हैं कि कलियुग में यहां पर कल्कि अवतार होगा। अधर्मी, अत्याचारियों और अन्यायियों को सही जगह पर पहुंचाने का कार्य करेंगे कल्कि भगवान और इसका आधार बनेगा कमल का निशाना। उन्होंने कहा कि आप सभी को परमेश्वर लाल सैनी बनकर घर घर जाना होगा। सीएम ने कहा कि देश का ये चुनाव बहुत ही महत्वपूर्ण है।

प्रदेश में अब तक 32281.70 लाख की शराब, ड्रग व नकदी जब्त

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेंसियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 25 अप्रैल, 2024 को कुल 127.51 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इस तरह 1 मार्च से 25 अप्रैल, 2024 तक कुल 32281.70 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त किए जा चुके हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा प्रदेश में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 25 अप्रैल गुरुवार को 127.51 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग व नगदी जब्त की गई। इसमें 13.93 लाख रुपए नकद, 49.95 लाख रुपए कीमत की 18628.60 लीटर शराब, 63.62 लाख रुपए कीमत की 193367.70 ग्राम ड्रग व 0.01 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री शामिल है। 25 अप्रैल को प्रमुख जब्ती में जनपद मिर्जापुर की मड़िहान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 38 लाख रुपए अनुमानित कीमत की 152000 ग्राम ड्रग पकड़ी गई है।उन्होंने बताया कि 1 मार्च से 25 अप्रैल तक जो 32281.70 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी जब्त की गई है उसमें 3181.54 लाख रुपए नकद, 4435.47 लाख रुपए की शराब, 21346.72 लाख रुपए कीमत की ड्रग, 2161.59 लाख रुपए कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.39 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री शामिल है। मालूम हो कि निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अधिक समय तक सोने वाले होते हैं तमोगुणी : मुरलीधर महाराज

हैदराबाद में दिव्य श्रीरामकथा के 5वें दिन उमड़े हजारों श्री रामभक्त
मानस मर्मज्ञ मुरलीधर महाराज ने सुनाया श्रीराम जी विवाह का प्रसंग

हैदराबाद 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गोपाल गौशाला के सहायतार्थ नुमाईश मैदान में आयोजित 9 दिवसीय श्रीराम कथा में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 22 अप्रैल से शुरू हुई ये रामकथा 30 अप्रैल तक चलने वाली है। जिसमें प्रसिद्ध कथाव्यास मुरलीधर महाराज भगवान राम के ऐसे प्रसंग सुना रहे हैं कि भक्त झूमने को मजबूर हो रहे हैं। श्रीरामकथा में मानस मर्मज्ञ संत मुरलीधर महाराज ने राम जन्म से लेकर उनकी लीलाओं और संघर्ष पर प्रेरणादायी प्रसंग सुनाए हैं, जिनसे आमजन से लेकर हर कोई प्रभावित हो सकता है। अयोध्या में भगवान राम का भव्य दरबार सजने के बाद अब हैदराबाद में भी पिछले कुछ वक्त से आस्था का उफान चरम पर है और इसी कड़ी में ये भव्य आयोजन किया गया है। इस कथा में हैदराबाद में रह रहे प्रवासी राजस्थानी, हरियाणवी, गुजराती और उत्तर भारत के लोग बड़ी तादाद में भाग ले रहे हैं साथ ही स्थानीय लोगों में भी तगड़ा उत्साह देखने को मिल रहा है।

श्रीरामकथा के 5वें दिन मानस मर्मज्ञ मुरलीधर महाराज ने भगवान श्रीराम के युवा जीवन एवं उनकी शिक्षा के साथ ही उनके विवाह के प्रसंग का जीवंत चित्रण जब सबके सामने प्रस्तुत किया तो पूरा पंडाल ही भक्ति भाव में खो गया। हर भक्त के चेहरे पर हर्ष का भाव देखने को मिला। श्रीराम विवाह और धनुषभंग के वर्णन को सुनकर उपस्थित जनमानस झूमने लग गया।मुरलीधर महाराज ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को 5 घंटे की नींद बहुत होती हैं। जो जीवन मे ज्यादा सोता है उसमे तमोगुण का प्रभाव है, कम नींद आती है, तो सद्गुणों का प्रवाह है। माला करने से नींद आती है तो माला करते रहो, करते रहो तो नींद अवश्य कम हो जाएगी । राम-राम करते रहो तो ज्यादा उम्र हो जाती है । सुबह में बड़ों से पहले छोटे उठते हैं। भगवान राम से पहले लक्ष्मण उठते हैं। विश्वामित्र जी भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी को यज्ञ की रक्षा के लिए लेकर आये थे। जहां से वो जनक जी के यहां पहुंचते हैं, और सीता स्वयंवर में भाग लेते हैं। जिनको देखकर हर कोई तारीफ करते नहीं थकते हैं। जहाँ -जहाँ दोनों भाई जा रहे हैं, वहां -वहां गलियों में स्त्रियां दोनों भाइयों के आगे पुष्प वर्षा करती हैं। वो कहती हैं कि प्रभु के पैरो में कोई काटा ना चुभ जाए, कन्याएँ प्रभु से बोली कि हमारे पास आपको और कुछ देने के लिए नहीं है। प्रभु बोले कि जल्दी करो कही देर ना हो जाए। विश्वामित्र कहानी सुना रहे हैं। दोपहर से रात्रि हो गयी है। विश्वामित्र बोले कि राम जाओ आराम करो राम अपने कक्ष मे आराम करने के लिए गए तो लक्ष्मण उनके पैर दबाने लगे। राम बोले कि लक्ष्मण जाओ आराम करो। सुबह हुई सिया के विवाह का दिन आया, सभा में लक्ष्मण बोले कि धनुष वही तोड़ेगा जिस पर संतों की कृपा होगी, लक्ष्मण की बाते सुन सभी संत हँसने लगे। लेकिन जिनकी जैसी भावना प्रभु उसी रूप मे दिख रहे है। सदानंद ने इशारा किया तो सखी जानकी जी को स्वयंवर में लेकर आ गई। जैसे ही जानकी का प्रवेश हुआ, एक बंदी ने घनुष की ओर इशारा करके बोला, जो इसे उठाकर के तोड़ेगा उसका स्वयंवर जानकी से हो जाएगा। एक राजा बड़े तेज के साथ उठता है और धनुष नही उठता तो मुंह नीचे करके वापस आ जाता है। एक दिन मे 10 हजार राजा क्रम से धनुष नही उठा पाए और दशानन भी नही उठा पाया। जनक जी का सब्र टूट गया। आखिर में भगवान श्रीराम ने बहुत ही सरल तरीके से धनुष को न केवल उठाया, बल्कि उसकी प्रत्यंचा चढ़ाकर उसे तोड़ डाला। श्री राम ने धनुष के टुकड़ों को जमीन पर डाल दिया। तो जनकपुर के सभी लोग जनक नंदिनी से कहने लगती हैं कि भगवान श्रीराम को माला पहनाओ। तब वो कहती हैं भगवान को वो माला कैसे पहनाए, तो सभी लोग भगवान श्रीराम से अरदास करने लगते हैं कि आप थोड़ा झुक जायें, ताकि हमारी सीताजी आपको माला पहना सकें। श्रीरामजी सिर झुकाते हैं लेकिन फिर भी सीताजी के हाथ नहीं पहुंचते हैं। तो लक्ष्मण जी भगवान श्रीराम जी के पैर झू लेते हैं, जैसे ही लक्ष्मण जी पांव छूते हैं तब सीता जी तुरंत ही माला पहना देती हैं, और इस प्रकार भगवान श्रीराम जी का विवाह संपन्न होता है।

पांचवें दिन की श्रीरामकथा का विश्राम सामूहिक आरती के साथ हुआ। श्रीरामकथा में आरती के लिये आमंत्रित यजमानों में मुरली मनोहर पलोड, तुलसीराम बंसल, राजेश कुमार अग्रवाल, रामनिरंजन सौंथलिया, वेद प्रकाश अग्रवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, आनंद कुमार गुप्ता, संजय कुमार गुप्ता, आनंद कुमार अग्रवाल, जनमत भाई पटेल, महावीर अग्रवाल, हरिकिशन रामगोपाल भट्टड, परमेश्वर दयाल अग्रवाल, ओम प्रकाश सिंघल, मुकेश अग्रवाल टुंडेवाला, राजेश अग्रवाल अगरावाला, आनंद स्वरूप मितेश, कन्हैया लाल कुट्टी वाले, जल सेवा सहयोगी के तौर पर वात्सल्य फाउंडेशन, चाय सेवा सहयोगी रमेश असावा को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर सम्मानित अतिथि के तौर पर सुरेश जगनानी, बालकिशन अग्रवाल, मुंबई से पधारे धर्म चंद कुलरिया, जल सेवा सहयोगी वात्सल्य फाउंडेशन, जल सेवा सहयोगी के तौर पर विनोद सराओगी, कमल चंद अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल का मुरलीधर जी महाराज के द्वारा सम्मान किया गया। श्रीरामकथा में अरुण कुमार डकोटिया, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, संजय पसारी भी मौजूद रहे। श्रीरामकथा के पांचवें दिन श्री गोपाल गौशाला के लिये भी धनराशि देने में भक्तों ने दिल खोलकर सहयोग किया। प्रमुख सहयोगी टिकम चंद जोधानी , आनंद गुप्ता, निपुण तुलसियान एवं विवेक मंजू भालोठिया रहे।

बंसल गोत्र की कुलदेवी रेजडी केजड़ी माता का वार्षिकोत्सव मेला सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चैत्र मास की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी के दिन भरने वाले वार्षिकोत्सव मेले में रेजडी-केजड़ी माता चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टियों की सभा के पश्चात आम भक्तों की सभा एवं रात्रि में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या का संयोजन ट्रस्ट के प्रचार मंत्री अशोक बंसल ने करते हुए गणेश वंदना एवं कुलदेवी के भजन प्रस्तुत किए। लखनऊ से पधारी सुप्रसिद्ध भजन गायिका विभा मिश्रा ने इस भजन संध्या में माता रानी एवं श्याम बाबा के भजनों की गंगा बहाकर भक्तों का मन जीत लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश संघी ने बताया कि उनकी कुलदेवी माता रेजडी केजड़ी की कृपा से छोटे से गांव काजरा से पलायन कर देशभर के प्रसिद्ध शहरों में उनका व्यापार धंधा पनपा है।

ट्रस्ट द्वारा सामाजिक सरोकारों में अपनी हिस्सेदारी निभाने के संदर्भ में मंदिर की तथा काजरा गांव के समग्र विकास और उत्थान की चर्चा की गई। माता के दरबार में भव्य झांकी एवं छप्पन भोग अर्पित किया गया। संपूर्ण काजरा गांव में बैंड बाजा डीजे ऊंट घोड़ा सहित भक्तों ने माता जी की शोभायात्रा निकालते हुए 51 मीटर लंबी चुनरी माता को अर्पण कर विशाल भंडारे का आयोजन किया। कन्या पूजन भी किया गया। प्रातः बेला में मंगल आरती की गई।

इस संपूर्ण कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट जबलपुर के न्यायाधीश द्वारकाधीश बंसल एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण भी उपस्थित रहे। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष इंदर राज बंसल ने बताया कि 23 राज्यों से भक्तगण पधारकर माता जी के दर्शन किए। ट्रस्ट के मानद मंत्री नरेश चौधरी ने बताया कि इस बार ट्रस्ट बोर्ड की सभा में सारे के सारे 21 सदस्यों की उपस्थिति बहुत ही सराहनीय रही। कोषाध्यक्ष ललित संघी ने आय-व्यय का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में सुरेश संघी, इंदर राज बंसल, नरेश चौधरी, ललित संघी, अशोक बंसल, नरेश संघी, हरीश संघी, सचिव सतीश गर्ग, राकेश बंसल, विकास संघी, प्रताप नारायण संघी, सुबोध संघी, पंडित भारत नगवान,पंडित शशिकांत, पंडित मनोज शर्मा, प्रवीण संघी, संदीप संघी, संजय गर्ग, हर्ष बंसल आदि ने विशेष सहयोग दिया। अवसर पर रामबाबू बंसल, राजकुमार अग्रवाल, अजय बंसल, नेतराम गुप्ता, विष्णु बंसल, हर्षवर्धन, पवन गुप्ता, दीपक संघी, रमेश बंसल, शंभू अग्रवाल, योगेश बंसल, मनोज बंसल एवं अन्य हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

श्री राम सत्संग समिति ने हर्षोल्लास से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

हैदराबाद 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री राम सत्संग समिति के तत्वावधान में पाटीधार भवन मुसापेट में श्री हनुमान जन्म उत्सव हर्ष उल्लास से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक सारडा बंधु की मृदुल वाणी से संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आनंद लिया गया। अलौकिक भव्य दरबार में सभी देवी-देवताओं का आवाहन कर पूजा अर्चना कि गई। पूजा के पश्चात श्री हनुमान चालीसा पाठ किया गया। अखंड ज्योत में साक्षात भगवान अग्नि देव विराजमान होकर सभी भक्तों पर अपनी कृपा कि वर्षा बरसा रहे थे। भवन का वातावरण पवित्र धर्म स्थल में परिवर्तित हो कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया।सभी ने सुन्दरकाण्ड पाठ किया ओर श्री हनुमान जी कि आराधना की। इस पावन अवसर पर विशेष अतिथि श्री श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर रामानुज जियर स्वामी जी के आगमन से स्थल सुशोभित हुआ। स्वामी जी ने अपनी ज्ञान गंगा से सभी को ज्ञान रूपी प्रसाद का रसपान कराया और श्री हनुमान जी कि भक्ति एवं शक्ति के बारे में जानकारी प्रदान की। ऐसे निराले संतो के दर्शन एवं आशीर्वाद पाकर सभी धन्य हो गए।इस भव्य आयोजन में तन से, मन से एवं धन से जिन्होंने अपना योगदान देकर इस कार्यक्रम को अपार सफलता प्रधान की उन सभी सनातन भाइयों को कोटि कोटि नमन। सभी की लगन एवं मेहनत के कारण श्री हनुमान जन्म उत्सव का आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ है। इस कार्यक्रम कि सफलता का पूरा श्रेय उन सभी भाइयों को जाता है जिनहोने दिल से, सेवा भाव से, लगन से कार्य किया और दिन रात मेहनत कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

सोने की चेन चुराने के आरोप में युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक युवक, जिसने ऑनलाइन गेम में पैसे गंवाए और एक आभूषण की दुकान में सोने की चेन चुरा ली, को केपीएचबी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। यदाद्री-भोंगीर जिले का बी.भास्कर उर्फ शंकर (21), जो क्रिकेट सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेम के साथ-साथ शराब का आदी है, उसने उनमें भारी पैसा खो दिया था। घाटे से उबरने के लिए उसने दुकानों से गहने चुराने की साजिश रची। अपनी योजना के अनुसार, वह ग्राहक बनकर एक आभूषण की दुकान में गया और सेल्स एक्जीक्यूटिव का ध्यान भटकाकर 28 ग्राम से अधिक वजन की सोने की चेन चुरा ली। वह पहले पुंजागुट्टा, चैतन्यपुरी, महंकाली, मिर्यालागुडा, मकथल और केपीएचबी में इसी तरह के मामलों में शामिल था।

अंतर्राष्ट्रीय स्मार्ट फोन स्नैचिंग और तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 17 गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाल के दिनों में टास्क फोर्स (दक्षिण) ने बंदलागुडा पुलिस के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्मार्ट फोन स्नैचिंग और तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और शुक्रवार को 5 सूडानी नागरिकों सहित 17 संदिग्धों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने विभिन्न मोबाइल फोन ब्रांडों के चोरी किए गए 703 स्मार्ट फोन, कुल मिलाकर 1.75 करोड़ रुपए और एक बाइक बरामद की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में मोहम्मद मुज़म्मिल, सैयद अबरार, सैयद सलीम, पठान रब्बानी खान, मोहम्मद अतहर, मोहम्मद जाकिर, शेख अज़हर, मोहम्मद खाजा निज़ामुद्दीन, सैयद लयीक, शेख अज़हर मोइनुद्दीन, मोहम्मद शफी और जे.यालमंद रेड्डी, सभी हैदराबाद के मूल निवासी और खालिद अब्देलबागी मोहम्मद अलबदवी, अब्देलल्लाह अहमद उस्मान बबीकर, अयमन मोहम्मद सलीह अब्दुल्ला, अनस सिद्दीग अब्देल-गादर अहमद और ओमर अब्दुल्ला एल्तायेब मोहम्मद, सभी सूडान से हैं और हैदराबाद में रह रहे हैं।शहर के पुलिस आयुक्त के.श्रीनिवास रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल के दिनों में शहर में पुलिस आयुक्तालय में मोबाइल फोन झपटमारी और चोरी की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इस खतरे को रोकने और इन अपराधों के पैटर्न को समझने के लिए, हैदराबाद पुलिस द्वारा गहन जांच की गई।इसके तहत, यह पाया गया कि शहर में एक बड़ा आपराधिक नेटवर्क काम कर रहा है, जिसमें सेल फोन छीनने वाले, इन चोरी के सामानों को प्राप्त करने वाले कई लोग और स्थानीय और वैश्विक दोनों व्यापारी शामिल हैं,

जो सेल फोन की तस्करी के अवैध कारोबार में हैं। अवैध लाभ के लिए उन्हें देश के अन्य स्थानों पर बेच रहे हैं। इसके अलावा, कई चोरी हुए सेल फोन को भी आला बाजारों में नष्ट किया जा रहा है और परिणामी घटकों जैसे मोबाइल स्क्रीन, कैमरा, स्पीकर का उपयोग बाद में अवैध लाभ के लिए किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगे की जांच से पता चला कि कई चुराए गए मोबाइल फोन जिन्हें बाजारों में नष्ट किया जा रहा था और परिणामी घटकों जैसे मोबाइल स्क्रीन, कैमरा, स्पीकर को बाद में ग्राहकों से प्राप्त कीमत की तुलना में एक अंश पर मौजूदा क्षतिग्रस्त मोबाइल के प्रतिस्थापन भागों के रूप में उपयोग किया जा रहा था। मामले में आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने सामूहिक बलात्कार का मामला सुलझाया, किशोर समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुकटपल्ली पुलिस ने पिछले रविवार को सामने आए 45 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के मामले को सुलझा लिया और गुरुवार देर रात यहां एक किशोर लड़के सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया। संदिग्धों की पहचान नीतीश कुमार देव (24) और किशोर के रूप में हुई, जो बिहार के रहने वाले हैं और संगारेड्डी में एक भोजनालय में कार्यरत हैं। 1,200 से अधिक निगरानी कैमरों से एकत्र किए गए सीसीटीवी सबूतों की समीक्षा करने के बाद, अधिकारियों ने पाया कि संदिग्धों ने बाइक पर भागने से पहले उस महिला के साथ बेरहमी से बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी, जो आंध्र प्रदेश की एक विधवा थी और रद्दी कागज इकट्ठा करने का काम करती थी।संदिग्धों ने कबूल किया कि शनिवार की रात, जब वह प्रशांत नगर में एक चाय की दुकान के पास खड़ी थी, तब उन्होंने पीड़िता से संपर्क किया। पुलिस ने कहा कि दोनों अपनी बाइक पर काम से वापस आ रहे थे और चाय के लिए रुकना चाहते थे तभी उनकी नजर पीड़ित पर पड़ी। उन्होंने कथित तौर पर पड़ोस में एक ऑटोमोबाइल वर्कशॉप के पास एक तहखाना में महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध वहां खींच लिया और फिर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया।

हरीश राव ने कृषि ऋण माफी विवाद पर मीडिया के समक्ष पेश किया इस्तीफा

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने शुक्रवार को कृषि ऋण माफी विवाद को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की चुनौती स्वीकार करते हुए अपना त्याग पत्र मीडिया के समक्ष पेश किया। बताते चलें कि श्री रेड्डी ने श्री राव को चुनौती दी थी कि अगर उनकी सरकार 15 अगस्त से पहले फसल ऋण माफी लागू करने का वादा पूरा करती है तो वह अपना विधायक पद छोड़ दें। श्री राव ने भी श्री रेड्डी को चुनौती दी थी कि वह भी शुक्रवार को विधानसभा भवन के सामने शहीद स्मारक पर अपना त्याग पत्र लेकर आएं, ताकि दोनों त्याग पत्रों को बुद्धिजीवियों को सौंपा जा सके।

श्री राव आज श्री रेड्डी की चुनौती को स्वीकार करते हुये, शहीद स्मारक पर अपना इस्तीफा पत्र लेकर पहुंचे और उन्होंने श्री रेड्डी को भी अपना इस्तीफा पत्र बुद्धजीवियों को सौंपने के लिये यहां लाने के लिये कहा। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद शहीद स्मारक पर मीडिया से कहा कि मुख्यमंत्री को 15 अगस्त तक पार्टी की छह गारंटियों के हिस्से के रूप में ऋण माफी को पूरा करने के वादे के रूप में बुद्धिजीवियों को अपना इस्तीफा पत्र भी सौंपना चाहिए।

श्री राव ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार 15 अगस्त तक अपना वादा पूरा करती है तो वह चुनाव लड़ने से भी दूर रहेंगे।उन्होंने मुख्यमंत्री को यह साबित करने की चुनौती दी कि वह लोकसभा चुनाव में वोटों के लिए लोगों को एक बार फिर धोखा देने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में 15 अगस्त तक 2 लाख करोड़ रुपए की फसल ऋण माफी लागू करने की कसम खाई थी। हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि अगर वह निर्धारित समय के भीतर फसल ऋण माफी सहित छह गारंटियों को लागू नहीं करते हैं तो क्या वह अपने पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं।

रेवंत रेड्डी ने हरीश राव को चुनौती दी थी कि अगर वह फसल ऋण माफी के अपने वादे को पूरा करते हैं तो हरीश इस्तीफा दे दें। अपनी चुनौती को अगले स्तर पर ले जाते हुए, हरीश राव शुक्रवार को हाथ में अपना इस्तीफा लेकर गन पार्क में तेलंगाना शहीद स्मारक पर पहुंचे। उन्होंने तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और समाचार कवर करने वाले पत्रकारों को अपना त्यागपत्र सौंपा। मीडिया से बात करते हुए, हरीश राव ने छह गारंटी लागू होने पर आधिकारिक प्रारूप में अपने विधायक पद से इस्तीफा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि लोगों का कल्याण उनके लिए उनके विधायक पद से सर्वोपरि है। उन्होंने रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि यदि वह किसी भी कारण से शहीद स्मारक पर आने के इच्छुक नहीं हैं, तो वे अपने कर्मचारियों के माध्यम से अपना त्याग पत्र भेजकर अपना वादा पूरा करें।

उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि वह अपनी वचन के प्रति प्रतिबद्धता और ईमानदारी साबित करें अन्यथा लोग उन्हें ऐसा मान लेंगे जो अपनी बात से मुकर जाएगा जैसा कि उन्होंने अतीत में किया था। हरीश राव ने कहा कि यदि सरकार 15 अगस्त तक वादे पूरे करने में विफल रही, जैसा कि मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने अभियान के हिस्से के रूप में वादा किया था, कि मुख्यमंत्री अपना इस्तीफा बुद्धिजीवियों और राज्यपाल को सौंप देंगे।

इस बीच, बड़ी संख्या में बीआरएस कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद गन पार्क में तनाव बढ़ गया। बड़ी संख्या में तैनात पुलिस कर्मियों ने लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के कारण सीआरपीसी की धारा 144 लागू होने का हवाला देते हुए उन्हें गन पार्क में प्रवेश करने से रोक दिया। उन्हें पास के सार्वजनिक उद्यानों में ले जाया गया। पुलिस ने सिद्दीपेट से बड़ी संख्या में आ रहे बीआरएस कार्यकर्ताओं को भी हैदराबाद के बाहरी इलाके में रोका और वापस जाने को कहा।

पूर्व मंत्री का त्यागपत्र निर्धारित प्रारूप में नहीं : रेवंत रेड्डी

हरीश राव अपने इस्तीफे पर चतुराई से कर रहे काम

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

15 अगस्त तक छह गारंटियों के कार्यान्वयन और कृषि ऋण माफी पर पूर्व मंत्री टी हरीश राव के इस्तीफे की चुनौती का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पूर्व मंत्री का इस्तीफा पत्र निर्धारित प्रारूप में नहीं था। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अपनी चुनौती को 15 अगस्त तक 2 लाख रुपए की कृषि ऋण माफी के कार्यान्वयन तक सीमित रखा और पूर्व मंत्री की मांग के अनुसार छह गारंटी शामिल नहीं की।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री को शुक्रवार सुबह 10 बजे राज्य विधानसभा के सामने शहीद स्मारक पर आकर चुनौती स्वीकार करने और बुद्धिजीवियों को अपना इस्तीफा सौंपने की चुनौती दी थी। हालांकि पूर्व मंत्री स्मारक पर पहुंचे, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं आए। शहर में एक कार्यक्रम में कांग्रेस सोशल मीडिया टीम से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष को सौंपे जाने वाले इस्तीफे पत्र का एक निर्धारित प्रारूप है। हरीश राव निर्धारित प्रारूप में त्यागपत्र लेकर नहीं आए। दरअसल, यह एक लंबा पत्र है और मान्य नहीं होगा। पूर्व मंत्री अपने इस्तीफे पर चतुराई से काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि शहीद स्मारक पर पूर्व मंत्री ने जो कुछ किया वह महज एक नाटक और लोगों को धोखा देने का प्रयास था। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिर भी, मैं हरीश राव की चुनौती को स्वीकार करता हूं और 15 अगस्त से पहले 2 लाख रुपए की कृषि ऋण माफी को लागू करने के लिए अपना वचन देता हूं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार के लिए इसमें मुश्किल से 30,000 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

इससे पहले, सोशल मीडिया के उद्भव और पारंपरिक समाचार मीडिया (समाचार पत्रों और समाचार चैनलों के आगमन) में बदलाव की तुलना टेस्ट मैच, एक दिवसीय और टी-20 क्रिकेट प्रारूपों से करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से समाचारों का प्रसार तेजी से होता है और लोगों तक प्रभावी ढंग से बिना किसी समय चूक के पहुंचता है। टेस्ट क्रिकेट के दिनों में, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सुनील गावस्कर लोकप्रिय थे।

फिर जैसे ही एकदिवसीय मैच आये, पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सचिन तेंदुलकर मैदान में आये। उन्होंने कहा, इसी तरह, खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए टी-20 प्रारूप सामने आया और विराट कोहली, एमएस धोनी और अन्य क्रिकेटर इसे खेल रहे हैं।

यहां संदर्भ यह था कि हालांकि सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर अच्छे खिलाड़ी थे, लेकिन क्रिकेट प्रारूप बदल गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर दोनों को टी-20 मैच खेलना चुनौतीपूर्ण लगेगा क्योंकि उन्होंने विभिन्न प्रारूपों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हालाँकि, वह इस तथ्य को पहचानने में असफल रहे कि सचिन तेंदुलकर ने एक अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच के अलावा 96 टी20 में 2,700 से अधिक रन बनाए थे, जिसमें नाबाद 100 रन का उच्चतम स्कोर था।मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया कि कांग्रेस के सोशल मीडिया योद्धाओं ने नेताओं और लोगों के बीच एक पुल के रूप में काम किया और कांग्रेस सरकार को सत्ता में लाए। रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा, तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता में लाना सिर्फ एक सेमीफाइनल है और फाइनल मैच (मोदी सरकार के खिलाफ लोकसभा चुनाव) अभी खेला जाना बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित भाजपा के बड़े नेता राज्य में कांग्रेस पर हमला कर रहे हैं और एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। भाजपा राजनीतिक लाभ लेने और लोगों को गुमराह करने के लिए धर्म और केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, यह कांग्रेस के सोशल मीडिया योद्धाओं की जिम्मेदारी है कि वे भाजपा की झूठी कहानी का मुकाबला करें करें और उसे बेनकाब करें।

मासिक श्याम निशान समिति द्वारा श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन श्री श्याम मन्दिर कचिगुडा किया गया। कार्यक्रम में प्रतीक दाहिमा (हैदराबाद) व अनुभव अग्रवाल (जमशेदपुर) ने भजन प्रस्तुत किये। अवसर पर श्याम मंदिर सेवा समिति के रामदेव अग्रवाल, रामचरण महाराज व पवन गुरु का सम्मान दिनेश गुप्ता, नितेश अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, मानव अग्रवाल, गगन अग्रवाल, मनिष जिंदल व करण गोयल ने शॉल ओढ़ाकर किया।

भाजपा का संविधान बदलने का कोई इरादा नहीं : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस पर भाजपा द्वारा संविधान बदलने के प्रयासों के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि भाजपा का संविधान को बदलने का कोई इरादा नहीं है और उसे इसमें पूरा विश्वास है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस चुनाव हार रही है, इसलिए लोगों के बीच भ्रम पैदा करने के लिए यह झूठ फैला रही है कि भाजपा ने संविधान को बदलने के लिए लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का संविधान बदलने का कोई इरादा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे कई बार स्पष्ट किया है, लेकिन फिर भी कांग्रेस भाजपा को बदनाम करने के लिए झूठ फैला रही है।' यह दोहराते हुए कि उनकी पार्टी मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर देगी, किशन रेड्डी ने कहा कि राज्य में सत्ता में आने के बाद भाजपा तेलंगाना में मुसलमानों को दिए जा रहे आरक्षण को बंद कर देगी। हम मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर देंगे और इसे एससी, एसटी और बीसी को प्रदान करेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्च न्यायालय द्वारा मुस्लिम आरक्षण को असंवैधानिक करार दिए जाने के बावजूद कांग्रेस इसे जारी रखे हुए है।

राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने राजकीय यात्रा पर हैदराबाद आए उपराष्ट्रपति जगदीप थंकर का बेगमपेट हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया।

मोदी के कथित नफरत भरे भाषण पर कार्रवाई न होने से चुनाव आयोग पर भड़के कांग्रेस नेता

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा है कि चुनावी जनसभाओं में नफरत भरे धार्मिक भाषण देने और आचार संहिता का खुला उल्लंघन करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष को नोटिस जारी किया गया है।श्री निरंजन ने चुनाव आयोग पर भेदभावपूर्ण तरीके से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने यहां गांधी भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान श्री मोदी को जवाबदेह ठहराने के लिए चुनाव आयोग की स्पष्ट अनिच्छा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के पूर्वाग्रह से चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचता है।उन्होंने असम और

उत्तर प्रदेश में हाल की घटनाओं का हवाला देते हुए उन उदाहरणों पर प्रकाश डाला जहां मोदी के भाषणों में कथित तौर पर विशिष्ट धार्मिक समुदायों को निशाना बनाया गया था। कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर कई याचिकाएं मिलने के बावजूद श्री मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के नफरत भरे भाषण के मुद्दे का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने तेलंगाना के सिद्दीपेट में एक चुनावी रैली में कथित तौर पर मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह की भी आलोचना की। श्री निरंजन ने गलतियों के लिए अन्य अधिकारियों को दंडित करने की इच्छा के बावजूद, श्री मोदी के खिलाफ कार्रवाई करने में चुनाव आयोग की असमर्थता पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इन चिंताओं को दूर करने में विफलता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम कर सकती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर किया चुनाव प्रचार

यादाद्री भोनागिर, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी ने यादगिरिगुट्टा मंडल के मल्लापुरम गांव के 122, 123, 124 बूथ और सैदापुरम के गांवों में अपने उम्मीदवार डॉ. बूरा नरसा गौड़ को भारी बहुमत से जिताने के लिए घर-घर जाकर प्रचार किया और अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया और प्रचार किया। उन्होंने मतदाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक महान पद पर पहुंचेगा। मंडल अध्यक्ष गुंटिपल्ली सत्यम, राज्य नेता पडाला श्रीनिवास, राज्य परिषद सदस्य रत्वा श्रीनिवास, जिला मुख्य सचिव उटकुर अशोक गौड़, जिला सचिव कडुरी अक्षय, जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष फकीर राजेंद्र रेड्डी, उपाध्यक्ष वीरास्वामी गिरीजन मोर्चा के नेता बनोथ नरेंद्र नाइक जिला नेता कनुगांती श्रीनिवास रेड्डी और कल्लम श्रीनिवास गौड़, भुवनगिरी श्याम, अरे पोशेट्टी मंडल उपाध्यक्ष अंकम उपेन्द्र, मनोहर कटकम

केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से ही चेवेल्ला में विकासात्मक कार्यों को लाभ मिलेगा : कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा सांसद उम्मीदवार कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के चेवेल्ला संकल्प पत्र का अनावरण किया गया। शुक्रवार को जारी संकल्प पत्र श्री रेड्डी के आदर्शों और चेवेल्ला के घटकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पराकाष्ठा का प्रतीक है। उनकी 3700 किमी लंबी प्रजा आशीर्वाद यात्रा और चेवेल्ला के नागरिकों के साथ बातचीत से जन्म लिया उक्त घोषणापत्र, प्रमुख भाजपा नेताओं की उपस्थिति में अजीज नगर भाजपा पार्टी कार्यालय में अनावरण किया गया । यह अनूठा घोषणापत्र व्यापक जमीनी स्तर पर चर्चा के माध्यम से तैयार किया गया है, जो क्षेत्र, इसके लोगों के साथ केवीआर के गहरे संबंध और उनकी चुनौतियों के बारे में उनकी व्यापक समझ को दर्शाता है। पिछले दो दशकों से सामुदायिक पहल में सक्रिय रूप से शामिल होकर, केवीआर ने तीन पीढ़ियों से इस निर्वाचन क्षेत्र के साथ एक मजबूत संबंध बनाए रखा है।

चेवेल्ला संकल्प पत्र चेवेल्ला के हर वर्ग के सामूहिक हितों, जरूरतों और आकांक्षाओं को

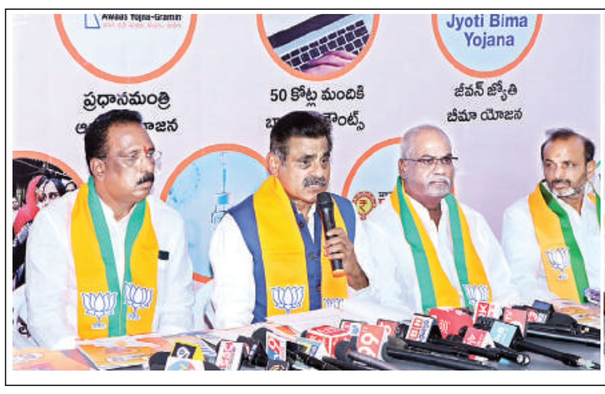

दर्शाता है। चेवेल्ला के लिए उनका दृष्टिकोण शिक्षा में सुधार, कृषि को बढ़ावा देना, रोजगार को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और सामाजिक कल्याण को आगे बढ़ाना है। विकसित चेवेल्ला का दृष्टिकोण पीएम मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण का विस्तार है। घोषणापत्र में एक आधारशिला प्रतिज्ञा वाइब्रेंट विलेजेज का दृष्टिकोण है, जिसका लक्ष्य निर्वाचन क्षेत्र के 900 गांवों का कायाकल्प करना है। इस परिवर्तन में स्थानीय रोजगार के अवसरों का सृजन, राज्य और केंद्र सरकार दोनों की योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन, बेहतर बुनियादी ढांचे, बढ़ी हुई शैक्षिक सुविधाएं और मजबूत स्व-शासन तंत्र शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, परिगी, विकाराबाद, चेवेल्ला, कंदुकुर और तांडूर में ग्रामीण पर्यटन केंद्रों का विकास और प्रचार, चेवेल्ला के लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी के समर्पण का उदाहरण है।इस अवसर पर बोलते हुए कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने बीआर अंबेडकर की जयंती पर अपना घोषणापत्र जारी किया, क्योंकि यह हमारे लिए एक शुभ दिन है, क्योंकि भाजपा के सिद्धांत और विचारधाराएं बाबा साहेम बीआर अंबेडकर के साथ जुड़ी हुई हैं। पीएम मोदी और भाजपा श्री अंबेडकर के बताये रास्ते पर चल रहे हैं। मैं उस श्रद्धेय मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हूं और मैं इन सिद्धांतों और विचारधाराओं के आधार पर अपना घोषणापत्र, चेवेल्ला संकल्प पत्रम जारी किया हूं। चेवेल्ला संसद भारत का सबसे विविधतापूर्ण निर्वाचन क्षेत्र है, यहां एक तरफ सबसे आधुनिक बुनियादी ढांचा है तो दूसरी तरफ ग्रामीण इलाकों में पिछड़ापन और गरीबी है। एक तरफ हमारे पास सबसे अधिक शिक्षित पेशेवर हैं और दूसरी तरफ हमारे पास किसान, अनपढ़ आदि हैं। 29 लाख का मतदाता वाला चेवेल्ला क्षेत्र भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, जो अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं।

श्री रेड्डी ने कहा कि हमने इस चेवेल्ला संकल्प पत्रम का मसौदा तैयार करते समय इन विविध पहलुओं को ध्यान में रखा।

केवीआर ने आगे कहा कि अतीत में सांसद के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, हालांकि मैं विपक्षी टीआरएस से था, मैंने हर गांव में विकासात्मक पहल की, इन पहलों के लिए धनराशि सीधे सरपंचों को हस्तांतरित की। इस बार, भाजपा सांसद होने के नाते भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ सहयोग करने से एक महत्वपूर्ण लाभ क्षेत्रवासियों को मिलेगा। यह वृद्धि और विकास पहलों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त धनराशि तक आसान पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि मैं सक्रिय रूप से विकासात्मक निधियों को सुरक्षित करने और विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए समर्पित हूं, जिससे चेवेल्ला के घटकों को सीधे लाभ होगा। इसके अलावा, एक सांसद के रूप में, मुझे सालाना 5 करोड़ रुपये की एमपीएलएडीएस निधि तक पहुंच प्राप्त होगी, जिसे चेवेल्ला के व्यापक विकास के लिए आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, अपने पिता की स्मृति में स्थापित कोंडा माधव रेड्डी फाउंडेशन के माध्यम से, मैंने समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले कई प्रभावशाली कार्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास करना, चेवेल्ला को एक हलचल भरे पर्यटन केंद्र में बदलना शामिल है, जो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार पैदा करता है। इसके अलावा, मैंने स्कूलों में स्वच्छ और सुलभ शौचालय सुनिश्चित करने की पहल की है, विशेष रूप से छात्राओं को बिना किसी बाधा के नियमित रूप से स्कूल जाने में सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य अवधारणा पर काम करेंगे एससीओ देश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) देशों ने वसुधैव कुटुंबकम के प्राचीन भारतीय दर्शन में निहित एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की अवधारणा की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की है। एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की शुक्रवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुई बैठक में यह सहमति बनी। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

बैठक के दौरान सभी एस-सीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। बाद में जारी संयुक्त विज्ञप्ति में कहा गया है कि एससीओ देशों ने अन्य पहलों के अलावा, एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के विचार को विकसित करने पर सहमति व्यक्त की जो वसुधैव कुटुंबकम के प्राचीन भारतीय दर्शन में निहित है।

भारत ने एससीओ क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

रक्षा सचिव ने एससीओ क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने एससीओ सदस्य देशों की समृद्धि और विकास के लिए आतंकवाद के सभी रूपों को कतई न बर्दाश्त करने का दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री अरमाने ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन में इस संबंध में भारत के लंबित प्रस्ताव का भी उल्लेख किया। उन्होंने हिन्द प्रशांत के लिए भारत द्वारा प्रस्तावित क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) की अवधारणा पर भी चर्चा की।

देश के पूर्वी, दक्षिणी हिस्सों में भीषण गर्मी के आसार

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में अगले पांच दिनों तक भीषण लू चलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के अलग-अलग इलाकों में अगले पांच दिनों तक गंभीर लू चलने का अनुमान जताया है।

आईएमडी ने कहा, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में अगले पांच दिनों के दौरान, केरल और माहे में 26 से 28 अप्रैल के दौरान, कोंकण में 27 से 29 अप्रैल के दौरान, पश्चिम उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में 28 से 30 अप्रैल के दौरान लू चलने के आसार हैं।मौसम विभाग ने 28 अप्रैल तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, उत्तर

पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और आसपास के मध्य भारत में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं के साथ बारिश होने का भी अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने कहा है कि जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद में 26 से 28 अप्रैल तक और हिमाचल प्रदेश में 28 और 29 अप्रैल को हल्की से मध्यम वर्षा, गरज और बिजली के साथ बर्फबारी के आसार हैं और 29 अप्रैल तक उत्तराखंड में छिटपुट वर्षा और ओलावृष्टि के आसार हैं।

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 26 से 28 अप्रैल के दौरान और राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश में 26 अप्रैल को गरज, बिजली और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ छिटपुट वर्षा होने का अनुमान है। आईएमडी ने आज पश्चिमी राजस्थान में आंधी चलने का अभी अनुमान लगाया है।

आईएमडी ने कहा है कि 26 से 30 अप्रैल तक अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के अलग-अलग स्थानों पर तूफान, बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज हवाओं के साथ व्यापक रूप से हल्की बारिश होने का अनुमान है। सिक्किम में 28 अप्रैल को गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और दक्षिण राजस्थान में 26 और 27 अप्रैल को 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज़ सतही हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

सीबीआई ने बंगाल के संदेशखाली से भारी मात्रा में हथियार,गोला-बारूद किए बरामद

कोलकाता, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में उत्तर 24 परगना के संदेशखाली में दो परिसरों में तलाशी के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया, जिसमें विदेशी निर्मित पिस्तौल और रिवाल्वर भी शामिल हैं।

सीबीआई ने तलाश अभियान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हुए हमले के मामलों को लेकर चलाया। सीबीआई के अनुसार एसके शाहजहाँ के आवासीय और आधिकारिक परिसरों की तलाशी के दौरान ईडी कर्मियों के खिलाफ हिंसा के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में सीबीआई द्वारा आरसी.2/2024-कोल के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई के अनुसार इस मामले की जांच के दौरान जानकारी मिली थी कि ईडी टीम की खोई वस्तुएं और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं एसके के एक सहयोगी के आवास पर छिपाई हो सकती है।

तदनुसार, सीबीआई की टीम ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों के साथ आज यानी 26/04/2024 को उत्तर 24 परगना के ग्राम संदेशखाली में 02 परिसरों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 03 विदेशी निर्मित रिवाल्वर, 01 भारतीय रिवॉल्वर, 01 कोल्ट आधिकारिक पुलिस रिवॉल्वर, 01 विदेश निर्मित पिस्तौल, 01 देशी पिस्तौल, 09 मिमी गोलियां- 120 नग, .45 कैलिबर कारतूस - 50 नग, 09 मिमी कैलिबर कारतूस-120 नग, .380 कारतूस -50 नग. .32 कारतूस- 08 नग बरामद किए गए। इसके अलावा एसके से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी मिले। कुछ वस्तुएं, जिनके देशी बम होने का संदेह है, भी बरामद की गई हैं, जिन्हें एनएसजी की टीमें संभाल रही हैं और उनका निपटान कर रही हैं। तलाश अभियान अभी भी जारी है।

एससी-एसटी, ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है कांग्रेस : नड्डा

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर कांग्रेस की तीखी आलोचना की और कहा कि वह अनुसूचित जाति/जनजाति (एससी/एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) लोगों के अधिकार छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है।

श्री नड्डा ने अपने वीडियो संदेश में कहा, यह कांग्रेस का छिपा हुआ एजेंडा है। कांग्रेस के घोषणापत्र में भी तुष्टिकरण की स्पष्ट झलक दिख रही है। कांग्रेस का मानना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 2009 में जानबूझकर यह बयान दिया था

कि अल्पसंख्यकों, खासकर मुसलमानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और देश में संसाधनों पर पहला अधिकार उनका होना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एससी/ एसटी और ओबीसी लोगों से नफरत करती है क्योंकि देश में अधिकांश आबादी उनमें शामिल है।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,730.16
-609.28 -0.82% ↓
एनएसई :22,419.95
-150.40 (-0.67%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,770/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 83,900/- (प्रति किलोग्राम)

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने की तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना

तिरुमाला, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी सुधेश धनखड़ के साथ शुक्रवार को तिरुमाला मंदिर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने दर्शन के बाद अपना अनुभव व्यक्त करते हुए कहा, यह यात्रा आध्यात्मिकता, दिव्यता और धार्मिकता के सबसे करीब है।

उन्होंने खुद को धन्य महसूस किया। उन्होंने कहा, यह स्थान सद्गुण, उत्कृष्ट प्रशासन और निर्बाध कामकाज का उदाहरण है और यह धार्मिक व्यवस्था के लिए एक आदर्श हो सकता है। मैं अपने और अपनी पत्नी के जीवन भर के लिए पल को यादगार मानता हूं।

इससे पहले उपराष्ट्रपति का मंदिर महाद्वारम में टीटीडी के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी और कार्यकारी अधिकारी ए वी धर्म रेड्डी ने औपचारिक स्वागत किया। श्रीवारी दर्शन के बाद टीटीडी अध्यक्ष ने उपराष्ट्रपति को श्रीवारी तीर्थ प्रसादम, एक चित्र, कैलेंडर और डायरी भेंट की।

तेजस्वी सूर्या के खिलाफ धार्मिक आधार पर वोट मांगने को लेकर मामला दर्ज

बेंगलुरु, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने कथित तौर पर चुनाव कानूनों का उल्लंघन करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं बेंगलुरु दक्षिण से उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या के खिलाफ कार्रवाई की है। आयोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर एक वीडियो पोस्ट करने और धार्मिक आधार पर वोट मांगने के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस घटनाक्रम की घोषणा कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट एक्स पर एक बयान में शुक्रवार को की।

बयान के मुताबिक सूर्या के खिलाफ मामला 25 अप्रैल को बेंगलुरु के जयनगर थाना में दर्ज किया गया था। चुनाव आयोग का यह कदम सूर्या एवं उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार एवं कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी की बेटी सौम्या रेड्डी के बीच तीखी चुनावी लड़ाई के बीच आया है। अधिवक्ता एवं भाजपा कानूनी सेल के संयोजक वसंत कुमार ने खुलासा किया कि चुनाव आयोग को कई शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा, आज चुनाव आयोग में पांच शिकायतें दर्ज कराई गईं। उन्होंने कहा, एक मैसूर में एक मतदान केंद्र के अंदर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया द्वारा प्रचार करना और कार्यकर्ताओं से बात करना है... दूसरी शिकायत यह है कि, कोलार निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र में एक पूर्व पार्षद वेंकटेश मतदाताओं को वितरित कर रहे हैं। इसके अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के युवा अध्यक्ष श्रीनिवास की है विरोध कर रहा है...आज मतदान का दिन है इसलिए वह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर रहा है।

पंजाब में संगठित आपराधिक गिरोह के 11 सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने केंद्रीय एजेंसियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में चरणजीत सिंह उर्फ राजू शूटर द्वारा संचालित संगठित आपराधिक गिरोह के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि सितंबर 2023 में यह गिरोह तरनतारन के गांव ढोटियां में एक बैंक को लूटने के असफल प्रयास में शामिल था, जिसमें आरोपी व्यक्तियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल,

2024 को राजू शूटर के साथियों ने उसे सिविल अस्पताल, तरनतारन से भागने की साजिश रची थी, जहां उसे इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। श्री यादव ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी हत्या के प्रयास, डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने इनके पास से तीन पिस्तौल और एक डबल बैरल बंदूक और 26 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 41°
न्यूनतम : 27°

पशु परिवहन नियमों का उल्लंघन करने वाले मालिक को मवेशियों की कस्टडी देने से कोर्ट का इनकार

मयूरभंज, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। एक और फैसले में, न्यायपालिका ने ध्यान फाउंडेशन की याचिका पर संज्ञान लेते हुए गोवंश की कस्टडी मालिक को देने से इंकार कर दिया, जो सभी पशु परिवहन नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा था। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा के नेतृत्व में ध्यान फाउंडेशन की याचिका पर अदालत सुनवाई कर रही थी, जिसमें रीविशनल अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसने फर्जी स्वामित्व दस्तावेज और क्रूरता के सबूत के बावजूद जब्त गौवंश को विपरीत पक्ष को जारी कर दिया था। परिवहन नियम, 1978 के सभी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए,अवैध तथा बेहद अमानवीय तरीके से ले जाए जा रहे भूखे प्यासे, बेहरहमी से बंधे हुए और ठूंसकर भरे हुए इन गोवंश को ध्यान फाउंडेशन ने बचाया था।

न्यायमूर्ति सिबो शंकर मिश्रा ने 1 नवंबर, 2023 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलट दिया और मामले को उसी अदालत में वापस भेज दिया, जिसमें कहा गया कि रीविशनल अदालत मवेशियों के स्वामित्व को फर्जी बनाने और पशुओं के प्रति क्रूरता

में मालिक द्वारा किए गए अपराध को ध्यान में रखने में विफल रही। अदालत ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश को रद्द कर दिया और पुनरीक्षण याचिका पर नए सिरे से निर्णय लेने के लिए मामले को उसी अदालत में वापस भेज दिया। गौवंश की दयनीय स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने मवेशियों को उनकी तत्काल देखभाल, सुरक्षा और रखरखाव के लिए डीएफ को सौंप दिया था। लेकिन, पुलिस द्वारा गोवंश का कोई भी स्वास्थ्य निरीक्षण और चिह्नांकन नहीं किया गया था। ।

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मालिक की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे उसने जिला और सत्र न्यायाधीश, मयूरभंज बारीपदा से लिया था, जिन्होंने फर्जी दस्तावेजों और पशुओं पर क्रूरता को खुलेआम नजरअंदाज करते हुए उसके पक्ष में फैसला सुनाया था। उच्च न्यायालय ने रीविशनल न्यायालय के फैसले की आलोचना की और याचिका पुनरीक्षण के लिए मामले को वापस उनके पास भेजने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अपनी बात को तथ्यों के साथ साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और कानून के सहयोग से गौवंश को आरोपियों के पास जाने से रोकने में उन्हें सफलता मिली। यह गंभीर चिंता का विषय है कि निचली अदालत के कुछ न्यायाधीश कानून के प्रावधानों की पूरी तरह से अनदेखी कर रहे हैं और पशु तस्करों के पक्ष में आदेश दे रहे हैं, न्यायमूर्ति मिश्रा के इस आदेश से सभी को जागने की आवश्यकता है। ध्यान फाउंडेशन (डीएफ) एकमात्र गैर सरकारी संगठन है जो गौवंश को यातनापूर्ण, अमानवीय और अवैध वध से बचाने के लिए कई वर्षों से कार्य कर रहा है। यह एकमात्र संगठन है जो सीमा पर बीएसएफ द्वारा जब्त किए गए मवेशियों को आश्रय प्रदान करने और उनकी देखभाल करने में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ खड़ा है। वर्तमान में यह संगठन देश भर में अपनी 47 से अधिक गौशालाओं में 80,000 से अधिक गौवंश की देखभाल कर रहा है।

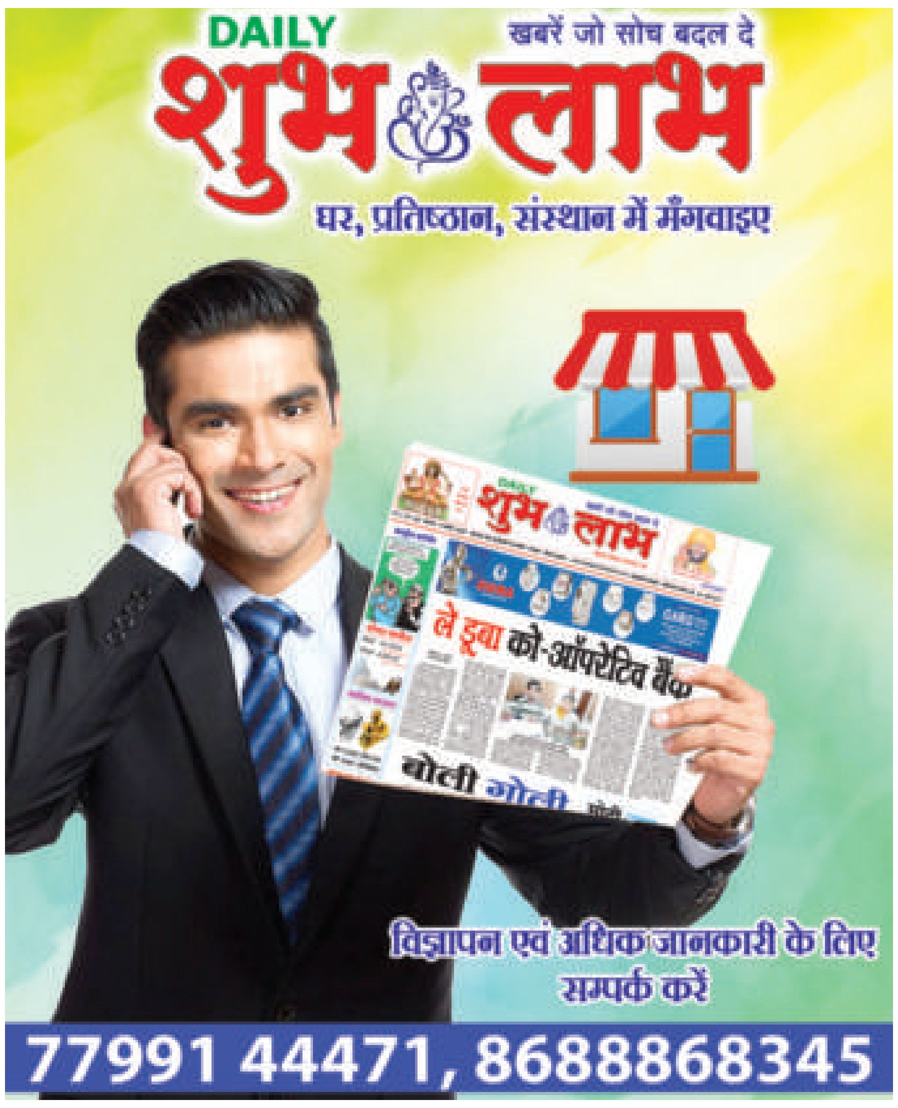

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Army No.6942378P Hav Kamble Avinash Babu of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad Telangana hereby state that my mother name is to be changed from **S M SAVANTA** to **SHEVANTA BABU KAMBLE**.

CHANGE OF NAME
I, DEEPIKA R Spouse of Army No.15241266X Nk(GNR) RANJITH KUMAR R, R/o.4/21, Big Street, KottaiMottur, Vill and Po:Vandranthangal, Dist:Vellore, Tamilnadu-632059 have changed my name from **DEEPIKA R** to **DEEPIKA V** vide affidavit dt:26-4-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
RANI MINA KUMARI Spouse of Army No.15673938A Hav ANIL KUMAR SUMAN, R/o.Gali No.2, Raja Rahul City, Cantonment, Lucknow, Malak, Uttar Pradesh-226002 have changed my name and DOB from **RANI MINA KUMARI**, DOB:**01-07-1981** to **MEENA KUMARI SUMAN**, DOB:**02-01-1980** vide affidavit dt:26-4-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.